www.epaper.azadsipahi.in

* ओड़िशा संस्करण

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

04 जनवरी, 2025
पौष, शुक्ल पक्ष, पंचमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शनिवार, वर्ष 10, अंक 77

दिल्ली में आपदा सरकार, ये कट्टर बेइमान लोग: मोदी

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
198000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 72,600 रु./10 ग्राम
चांदी 91,000 रु./प्रति किलो

बिहार की सियासत का तिलिस्मी दरवाजा, जो हमेशा खुला ही रहता है

■ इस दरवाजे की चाबी लालू और शाह के पास है, लेकिन ताला नीतीश के पास
■ इस ताले का इस्तेमाल अपनी सुविधा के अनुसार करते रहते हैं नीतीश कुमार
■ लेकिन बिना पलटी मारे यह दरवाजा खुलता नहीं, यही इसका रिवाज है
■ इस दरवाजे के दीवाने कई हैं, क्योंकि इसके पीछे सत्ता की कुर्सी जो छिपी है
■ फिर हिलने लगा है यह दरवाजा, डोल रहा है नीतीश का मन, लालू-शाह अलर्ट

आजाद सिपाही विशेष

बिहार में एक तिलिस्मी दरवाजा है, जो बहुत ही चर्चित है। यह एक ऐसा दरवाजा है, जो आज तक कभी बंद नहीं हुआ। यह हमेशा खुला ही रहता है। इस दरवाजे के दीवाने कई हैं, क्योंकि इस दरवाजे के पीछे सत्ता की कुर्सी जो छिपी रहती है। लेकिन इस दरवाजे की एक खासियत है। यह दरवाजा सिर्फ और सिर्फ नीतीश कुमार की ही बाट जोहता रहता है। इस दरवाजे की दो चाबियां बतायी जाती हैं। इनमें से एक चाबी लालू प्रसाद के पास है और दूसरी भाजपा आलाकमान के पास। लेकिन इस दरवाजे का ताला समय-समय पर नीतीश कुमार अपने हिसाब से खोलने की इजाजत देते रहते हैं। वह अपनी सुविधा के अनुसार अपना ताला खोलने की इजाजत कभी लालू को देते हैं, तो कभी अमित शाह को। वैसे इस दरवाजे का तिलिस्म आज तक कोई समझ नहीं पाया है, सिवाय नीतीश कुमार के। नीतीश कुमार और बिहार का यह दरवाजा किसी पहेली से कम नहीं हैं। लेकिन इस दरवाजे में प्रवेश करने का एक रिवाज है। बिना पलटी मारे इस दरवाजे के अंदर प्रवेश नहीं किया जा सकता और इस कला के माहिर खिलाड़ी हैं नीतीश कुमार। जब-जब बिहार के इस दरवाजे के खड़कने की आवाज आती है, नीतीश कुमार का शरीर खुद-ब-खुद पलटी मारने के लिए तैयारी करने लगता है। फिलहाल बिहार का यह तिलिस्मी दरवाजा फिर से आवाज देने लगा है, हिलने लगा है। इसके मद्देनजर लालू प्रसाद यादव और अमित शाह ने अपनी-अपनी कमर कसनी शुरू कर दी है। दोनों अलर्ट मोड में आ चुके हैं। कोई कह रहा है कि खरमास के बाद इस दरवाजे का ताला खुलेगा, तो कोई इसे कोरी कल्पना ही बता रहा है। नीतीश कुमार बस मुस्कुरा रहे हैं। उनके मन में क्या चल रहा है, किसी को नहीं पता, बस उन्हें ही पता है । क्या है बिहार के इस तिलिस्मी दरवाजे की पूरी कहानी, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

देश भर में इन दिनों दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ानेवाले बिहार के उस ह्यदरवाजेह्व की खूब चर्चा हो रही है, जिसका ताला पिछले दो दशक से नीतीश कुमार के पास है, लेकिन खास बात यह है कि इस ताले की दो चाबियां थोड़े-थोड़े अंतराल में इस्तेमाल में आती रहती हैं। इन दोनों चाबियों में से एक राजद सुप्रीमो लालू यादव के पास है, तो दूसरी भाजपा आलाकमान के पास। दो चाबियों वाले इस मजबूत ताला लगे दरवाजे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह कभी बंद नहीं होता, बल्कि हमेशा खुला ही रहता है। इसलिए इसे 'तिलस्मी दरवाजा' कहा जाता है।

बिहार के इस 'तिलस्मी दरवाजा' के नायक हैं नीतीश कुमार, जो एक बार फिर अपनी रहस्यमयी मुस्कान के साथ चचाओं के केंद्र में हैं। 2005 से लगातार बिहार की कमान संभाल रहे नीतीश कुमार को लेकर इन दिनों कई तरह की अटकलें लगायी जा रही हैं। इस कारण कयासों का बाजार गर्म है। चर्चा इस बात की है कि इस बार दरवाजे की चाबी का इस्तेमाल लालू यादव करनेवाले हैं, जिन्हें नीतीश कुमार 'बड़ा भाई' भी मानते हैं और 'राजनीतिक सहयात्री' भी। लालू यादव ने नीतीश को एक बार फिर साथ आने का ऑफर दिया है। लालू कह रहे हैं कि दरवाजा तो उनका भी खुला है। इसके बाद से इन चचाओं को पंख लग गये हैं। हालांकि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लालू के इस ऑफर को बहुत तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा कि नीतीश जी के लिए उनके दरवाजे अभी भी बंद हैं। वहीं इनसे जुड़े सवालों पर नीतीश कुमार ने मुस्कुरा कर हाथ जोड़ लिये। नीतीश की इस अदा से चचाओं को और बल मिला, क्योंकि इससे पहले वह इस तरह के सवालों का खुलकर जवाब देते रहे हैं। वहीं उनकी पार्टी जदयू ने लालू यादव के बयानों को बहुत अधिक तवज्जो नहीं दी है। उसका कहना है कि वह पहले भी एनडीए के साथ थी और आगे भी रहेगी।

कैसे शुरू हुई चर्चा

दरअसल, नीतीश कुमार के पाला बदलने की चर्चा दो दिन पहले उस समय शुरू हुई, जब नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में उनका नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से आमना-सामना हुआ। दुआ-सलाम के साथ बात आगे बढ़ी और कुछ फुसफुसाहट तक पहुंच गयी। इधर आरिफ मोहम्मद खान को बिहार भेजे जाने के पीछे का कारण भी नीतीश कुमार के भाजपा नेताओं के साथ बिगड़ते रिश्ते को ही बताया गया। तेजस्वी से मुलाकात के बाद नीतीश कुमार दिल्ली गये, जहां उन्होंने भाजपा नेताओं से भेंट नहीं की, बल्कि सीधे पूर्व पीएम डॉ मनमोहन सिंह के आवास पर चले गये और वहां कुछ कांग्रेस नेताओं से उनकी मुलाकात हुई। नीतीश के भाजपा नेताओं से नहीं मिलने के बाद यह कयास लगाये जाने लगे कि भाजपा के साथ उनके रिश्ते कुछ ठीक नहीं चल रहे हैं। दिल्ली से लौटने के बाद जब उनसे इस बाबत पूछा गया, तो उन्होंने सिर्फ हाथ जोड़ दिये और मुस्कुरा कर इतना भर कहा, क्या बोल रहे हैं।

नीतीश कुमार का इतिहास

पिछले करीब दो दशक से बिहार में नीतीश कुमार और सीएम की कुर्सी एक-दूसरे का पर्याय बन गये हैं। यहां तक कि नीतीश कुमार ने जब-जब पाला बदला, वह मुख्यमंत्री की कुर्सी को अपने साथ ही ले गये हैं। एक तरह से सीएम की कुर्सी पर नितीश कुमार का कॉपीराइट हो चूका है। हर बार उन्होंने विभागों या उप मुख्यमंत्री पद को लेकर ही समझौता किया है। उनके साथ समझौता करने वाली बीजेपी हो या आरजेडी, दोनों इस बात पर सहमत रही है। नीतीश कुमार को जब भी अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी खतरे में नजर आती है, वह अपना पाला बदल लेते हैं। नीतीश कुमार 2005 से लगातार बिहार के सीएम हैं।

बीच में 2014-15 में 10 महीने के लिए उन्होंने जीतन राम मांझी को सत्ता सौंपी थी। नीतीश कुमार के साथ एक खास बात यह है कि उन्होंने कभी बहुमत हासिल नहीं किया, लेकिन हमेशा मुख्यमंत्री रहे। 1996 में भाजपा के साथ आने के बाद वह 2015 तक इसके साथ रहे। वह 2005 में पहली बार भाजपा की मदद से सीएम बने। 2014 में उन्होंने भाजपा का साथ छोड़ दिया और 2015 में महागठबंधन में शामिल हो गये। 2017 में नीतीश ने एक बार फिर भाजपा से दोस्ती कर ली। लेकिन 2022 में वह एक बार फिर पलट गये और महागठबंधन में आ गये। 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने एक बार फिर पलटी मारी और भाजपा के साथ हो लिये।

तिलिस्मी दरवाजे की कहानी

नीतीश कुमार के एक बार फिर पाला बदलने की चचाओं ने ही 'तिलस्मी दरवाजे' की कहानी को जन्म दिया है। जब-जब नीतीश कुमार ने पाला बदला है, बीजेपी और आरजेडी ने हर बार कहा है कि नीतीश के लिए उसके दरवाजे बंद हैं। चाहे लालू यादव हों या तेजस्वी यादव, अमित शाह हों या जेपी नड्डा, हर नेता नीतीश कुमार के लिए अपना दरवाजा बंद होने की बात तो कहता है, लेकिन हर बार सत्ता की रौशनी से वह ताला खुल जाता है। यही है 'तिलस्मी दरवाजे' की पूरी कहानी।

इस बार क्या हो सकता है

नीतीश कुमार बार-बार सफाई दे रहे हैं। कह रहे- अब पिछली गलती नहीं करेंगे। एनडीए में ही रहेंगे। उनकी इस सफाई के बावजूद न भाजपा उनके साथ बने रहने को लेकर आश्वस्त है और विपक्षी गठबंधन इंडी ही हतोत्साहित है। इंडी ब्लाक को अब भी उम्मीद है कि नीतीश फिर पाला जरूर बदलेंगे। इंडी ब्लाक का ऑफर शायद अब भी बरकरार है। लालू तो अपना दरवाजा पहले ही खोले बैठे हैं। वैसे बिहार की राजनीति पर नजर रखनेवाले नीतीश कुमार के एक बार फिर पाला बदलने की चचाओं पर कहते हैं कि बिहार में जो राजनीति हो रही है, वह राजनीति का सबसे निचला स्तर है। अगर नीतीश कुमार फिर पाला बदलते हैं, तो वह दगाबाजी का रिकॉर्ड बनायेंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि नितीश कुमार का ताला बंद रहेगा या फिर उसे खोलने की फिर से इजाजत दी जायेगी।

प्रमंडल स्तरीय राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक

म्यूटेशन के लंबित मामलों को तेजी से निपटायें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। इसमें दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल अंतर्गत सभी जिलों के अपर समाहर्ताओं, भूमि सुधार उप समाहर्ता एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारियों के साथ राजस्व सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गयी और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। दाखिल खारिज की समीक्षा के क्रम में अकारण 90 दिनों तथा 30 दिनों से ज्यादा म्यूटेशन के लंबित मामलों को तीव्र गति से समय पर निष्पादित करने का निर्देश दिये। साथ ही रिजेक्ट आवेदनों का आधार क्या है, कारण स्पष्ट करें।

उन्होंने सभी अपर समाहर्ता को निर्देश दिया कि दाखिल खारिज के अत्यधिक लंबित वाले प्रखंडों को चिन्हित कर उनकी समय समय पर समीक्षा बैठक करें और शिकायत मिलने पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीओ कार्यालय में लंबे समय से एक ही जगह पर कार्य करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटरों का स्थानांतरण करना सुनिश्चित करें। आयुक्त ने कहा कि अंचल में बैठने वाले पदाधिकारी और कर्मी लोगों से अच्छी तरह से बात करें एवं उनके समस्याओ का समाधान करने में सहायता करें। हम पब्लिक सर्वेंट हैं लोगो की परेशानी दूर करना हमारा दायित्व है।

उन्होंने कहा कि सीएनटी एक्ट पूरी तरह से इंप्लीमेंट हो। बैठक में उन्होंने कहा जमीन नकल संबंधित आवेदनों का अच्छी तरह से सत्यापन करना सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने कहा कि अपने स्तर से सभी सीओ को निर्देश दे कि अपने अपने क्षेत्र के गैर मजरूआ, खास भूमि का भौतिक निरीक्षण कर अतिक्रमण भूमि पर वाद चलाए। सीओ सभी जमीन का ब्यौरा तैयार कर प्रतिवेदन समर्पित करें। रांची के खास महाल जमीन की खरीद बिक्री पर रोक रहे। सरकारी परियोजनाओं के लिए भूमि हस्तांतरण, मुआवजा संबंधी मामलों की भी समीक्षा की गयी।

केंद्र और राज्य सरकार की परियोजनाओं के लिए जमीन हस्तांतरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी आयुक्त ने ली। जिन जिलों में भूमि हस्तांतरण के कार्य लंबित हैं, वहां जल्द से जल्द भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया। बैठक में आयुक्त के सचिव आलोक कुमार,अवर सचिव एवं अन्य उपस्थित थे।

छवि रंजन के मामले में हाइकोर्ट ने इडी से मांगा जवाब

रांची (आजाद सिपाही)। बरियातू रोड स्थित सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री मामले में जेल में बंद निलंबित आइएएस अधिकारी छवि रंजन की ओर से रांची की निचली अदालत के संज्ञान आदेश को चुनौती देनेवाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में दाखिल की गयी है। मामले में कोर्ट ने इडी से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले में छवि रंजन की ओर से इडी कोर्ट द्वारा लिये गये संज्ञान आदेश को चुनौती देते हुए केस को निरस्त करने का आग्रह किया गया है। साथ ही छवि रंजन की ओर से अपनी गिरफ्तारी को भी अवैध बताया गया है। दरअसल, बरियातू में सेना की जमीन के कागजात की हेराफेरी मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को इडी टीम ने 4 मई 2023 को गिरफ्तार किया था, वे उसी समय से जेल में है। इस मामले में उनकी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज कर दी है। बता दें कि मामले में इडी द्वारा छवि रंजन के खिलाफ इसीआइआर 1/2023 दर्ज किया है। इसमें छवि रंजन, अमित कुमार अग्रवाल सहित 10 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। जमीन खरीद बिक्री मामले को लेकर बरियातू थाना में अमित अग्रवाल, छवि रंजन आदि के खिलाफ कांड संख्या 141 /2022 दर्ज किया गया है।

मनरेगा घोटाला : हाइकोर्ट ने निलंबित आइएएस पूजा सिंघल के मामले में इडी से मांगा जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मनरेगा घोटाले मामले में आरोपी निलंबित आइएएस पूजा सिंघल की ओर से अभियान स्वीकृति नहीं मिलने का हवाला देते हुए उनके खिलाफ दर्ज केस को निरस्त करने को लेकर दायर याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने इडी को 4 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का समय प्रदान किया। इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ आपराधिक केस चलाने के लिए सीआरपीसी की धारा 197 के तहत अभियोजन स्वीकृति आदेश लेना जरूरी है, लेकिन इडी की ओर से ऐसा नहीं किया गया है, इसलिए मनरेगा घोटाला मामला में उनके खिलाफ दर्ज केस को निरस्त किया जाये।

बता दें की मनरेगा घोटाला मामले में पूजा सिंघल सहित सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, जिनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गयी है, उनमें पूजा सिंघल के अलावा उनके पति अभिषेक झा, सीए सुमन सिंह, खूंटी जिला परिषद के तत्कालीन कनीय अभियंता राम विनोद सिन्हा, तत्कालीन सहायक अभियंता राजेंद्र जैन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता जय किशोर चौधरी, खूंटी विशेष प्रमंडल के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता शशि प्रकाश शामिल है। प्रवर्तन निदेशालय ने 200 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया है। आरोप पत्र में बताया गया है कि चतरा, खूंटी और पलामू डीसी रहते हुए पूजा के खाते में सैलरी से 1.43 करोड अधिक थे। इडी ने इन तीनों जिलों में उनके डीसी के कार्यकाल के दौरान के अलग-अलग बैंक खातों एवं दूसरे निवेश की जानकारी जुटायी। खूंटी में मनरेगा का घोटाला फरवरी 2009 से जुलाई 2010 के बीच हुआ उस समय पूजा सिंघल वहां की डीसी थी। गौरतलब है कि इडी ने तत्कालीन खान सचिव पूजा सिंघल के सरकारी एवं निजी आवास उनके पति अभिषेक झा और उनके सीए सुमन सिंह समेत 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सीए सुमन सिंह के आवास से इडी को 19.31 करोड़ रुपये नगद बरामद हुए थे।

www.epaper.azadsipahi.in

04 जनवरी, 2025
पौष, शुक्ल पक्ष, पंचमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
शनिवार, वर्ष 10, अंक 77

BAR & RESTAURANT
HOTEL & BANQUET
ARGORA CHOWK, OPP. BAJAJ SHOWROOM, RANCHI

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

दिल्ली में पीएम ने किया चुनावी सभा का शंखनाद, आप पर निशाना साधा

दिल्ली में आपदा सरकार ये कट्टर बेइमान लोग: मोदी

● हमने चार करोड़ से ज्यादा गरीबों के घरों का सपना पूरा किया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार से चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उन्होंने अशोक विहार में जनता को संबोधित करते हुए आप सरकार पर निशाना साधा। मोदी ने आप सरकार को आपदा सरकार बताया। उन्होंने कहा कि सत्ता में खुद को कट्टर इमानदार बताने वाले लोग बैठे हैं, जो वास्तव में कट्टर बेइमान हैं। वे खुद शराब घोटाले के आरोपी हैं। ये चोरी भी करते हैं और सीनाजोरी भी। दिल्ली वालों को इस आपदा सरकार को सत्ता से हटाना है। आज हर गली कहती है आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे। प्रधानमंत्री ने इस चुनाव के लिए नारा दिया कि 'आपदा को हटाना है, भाजपा को लाना है।'

आप पर साधा निशाना: प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 10 साल में दिल्ली एक बड़ी आपदा से घिरी है। अन्ना हजारे जी को सामने करके कुछ कट्टर बेइमान लोगों ने दिल्ली को आपदा में धकेल दिया। शराब ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, प्रदूषण से लड़ने के नाम पर घोटाला। दिल्ली वालों ने आपदा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है। वोटर आपदा से दिल्ली को मुक्त करने की ठान चुका है। दिल्ली का हर नागरिक कह रहा है, हर बच्चा कह रहा है, हर गली से आवाज आ रही है- आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे।

मैं भी शीश महल बना सकता था : मोदी ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के घर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया। लेकिन बीते वर्षों में चार करोड़ से ज्यादा गरीबों के घरों का सपना पूरा किया है। मैं भी कोई शीश महल बना सकता था। मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले, मेरा यह सपना था। आप जब भी लोगों के बीच जायें, उनसे मिलें और अभी भी जो लोग झुग्गी में रहते हैं, मेरी तरफ से उन्हें वादा करके आना। मेरे लिए आप ही मोदी हैं। आज नहीं तो कल, उनके लिए पक्का घर बनेगा और मिलेगा।

आयुष्मान योजना समेत अन्य का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में 500 जन औषधि केंद्र बनाये गये हैं। 80 फीसदी दवाओं पर डिस्काउंट मिलता है। 100 रुपये की दवा 15 रुपए में मिलती है। मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली आयुष्मान योजना का लाभ देना चाहता हूं, लेकिन आपदा सरकार को दिल्ली वालों से दुश्मनी है। आपदा वाले योजना लागू नहीं होने दे रहे हैं। नुकसान दिल्लीवालों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने प्रदूषण और यमुना की गंदगी के लिए भी आप सरकार को घेरा।

आप सुप्रीमो का प्रधानमंत्री पर पलटवार

आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आयी : अरविंद केजरीवाल

प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि 43 मिनट के भाषण में कोई काम नहीं गिना पाये

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री सह आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आयी हुई है। भाजपा के पास न तो मुख्यमंत्री का चेहरा है, और न ही एजेंडा। हमने दिल्ली में इतने काम किये हैं कि घंटों तक गिना सकते हैं। अपने 43 मिनट के भाषण में वे (पीएम) कोई काम नहीं गिना पाये। केजरीवाल प्रधानमंत्री की सभा के बाद मीडिया से बात कर रहे थे।

दिल्ली में कानून-व्यवस्था की आपदा: केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के अंदर कानून-व्यवस्था की आपदा है। गैंगस्टर गोलियां चला रहे हैं, व्यापारी रो रहे हैं और सुरक्षा मांग रहे हैं। मोदी और शाह के कानों में आवाज नहीं पहुंच रही है। उन्होंने कहा, मैं मोदी जी से कहना चाहूंगा कि शाह जी से कहें सरकारें जोड़ने-तोड़ने से थोड़ा सा समय मिले, तो दिल्ली की सुरक्षा पर ध्यान दें। जो काम हम कर रहे हैं, उसे आपदा नहीं, आशीर्वाद कहते हैं।

2014 से पहले कोई काम नहीं होता था

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में लिखा है कि पूर्वांचलियों के साथ सबसे बड़ा धोखा हुआ। हमारे यहां पूर्वांचली पढ़ने आते हैं या काम करने आते हैं। दिल्ली के अंदर कच्ची कॉलोनियों के भीतर 2014 से पहले कोई काम नहीं होता था, नर्क रहता था। दस साल में आम आदमी पार्टी ने उनके लिए सड़कें, गलियां, नालियां, सीसीटीवी, सीवेज, अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बना कर उनको इज्जत दी। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2020 में हरदीप सिंह पुरी जी आये थे। कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले 40 लाखा लोगों को मालिकाना हक देने का वादा दिया था। पांच साल में 25 हजार की रजिस्ट्री हुई है। लोग कहने लगे हैं कि ये जो कहते हैं, वो तो बिल्कुल नहीं करते।

मनमोहन सिंह के घर अखंड पाठ और भोग

सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के सात दिन बाद शुक्रवार को उनके घर पर अखंड पाठ और भोग कार्यक्रम रखा गया। इसमें कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। सोनिया और खड़गे ने मनमोहन सिंह के घर पहुंच कर सबसे पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी। फिर परिवार से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस के अन्य बड़े नेता भी मौजूद थे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर की रात निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। वे लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली एम्स लाया गया था। रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। इसके बाद 28 दिसंबर को निगमबोध घाट पर उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

न्यूज रील्स

विदेश जानेवालों को केंद्र को व्यक्तिगत जानकारी देनी होगी

नयी दिल्ली। भारत सरकार विदेश जाने वालों से 19 तरह की निजी जानकारियां लेगी। इसमें यात्री कब, कहां और कैसे यात्रा कर रहे हैं। इसका खर्च किसने और कैसे उठाया। कौन कब कितने बैग लेकर गया। किस सीट पर बैठा। जैसी जानकारियां ली जायेंगी। यह डेटा 5 साल तक स्टोर रहेगा। जरूरत पड़ने पर इसे अन्य लॉ एंफोर्समेंट एजेंसियों के साथ भी साझा किया जा सकेगा।

मंईयां सम्मान समारोह में अन्य जिलों से भी आयेंगी लाभुक

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री कर रहे तैयारी की मॉनिटरिंग

ट्रैफिक व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्लान तैयार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हेमंत सोरेन सरकार की महत्वाकंक्षी योजनाओं में से एक मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना है। इस योजना को लेकर रांची में नामकुम के खोजाटोली स्थित ट्रेनिंग ग्राउंड में छह जनवरी को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारी चरम पर है। विभाग कार्यक्रम की तैयारी को अंतिम रूप दे रहा है। लाभुकों की सूची तैयार की गयी है। समारोह में कहां-कहां की लाभुकों को प्रतीकात्मक रूप से मुख्यमंत्री राशि हस्तांतरित करेंगे, इसकी सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं रांची में समारोह स्थल पर तैयारी जोर-शोर से चल रही है। समारोह स्थल की व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है। रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हर दिन तैयारी के बारे में अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं और व्यवस्था को देख रहे हैं। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से भी लाभुकों के आने की उम्मीद है।

रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से लाभुक आयेंगी। इसमें दो-तीन लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। तैयारी भी इसी अनुरूप से की जा रही है। जिलों से लाभुकों को लेकर आनेवाले वाहनों का रूट चार्ट निर्धारित कर दिया गया है। लाभुकों के वाहन रिंग रोड से वाया खरसीदाग कुटीयातू मोड़ से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। वहीं, वीवीआइपी और वीआइपी वाहन सदाबहार चौक नामकुम से होते हुए कार्यक्रम स्थल में पहुंचेंगे। कार्यक्रम स्थल के पास अलग-अलग पार्किंग जोन बनाये गये हैं, जहां बस समेत अन्य वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि लाभुकों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखा जा रहा है। पेयजल, चलंत शौचालय आदि सभी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पूर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का निर्देश दिया गया है। मंच और पंडाल आदि को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सलीमा टेटे को दी बधाई

हॉकी खिलाड़ी का अर्जुन अवॉर्ड के लिए हुआ है चयन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे को अर्जुन पुरस्कार के चयन के लिए बधाई दी है। इस बाबत उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोशल मीडिया पर सलीमा टेटे की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि झारखंड की बेटी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, ओलंपियन और भारतीय महिला हॉकी की कप्तान सिमडेगा की निवासी सलीमा टेटे को अर्जुन पुरस्कार के लिए चयन किये जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह संपूर्ण झारखंड के लिए गौरव का क्षण है। हम सभी आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। बता दें कि झारखंड की बेटी सलीमा टेटे का चयन अर्जुन अवॉर्ड के लिए किया गया है। दरअसल देश के 32 खिलाड़ियों को अर्जुन अवार्ड से नवाजा जायेगा। उसमें झारखंड के सिमडेगा की बेटी सलीमा टेटे का भी नाम है। सभी खिलाड़ियों को 17 जनवरी राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष समारोह में सम्मानित किया जायेगा।

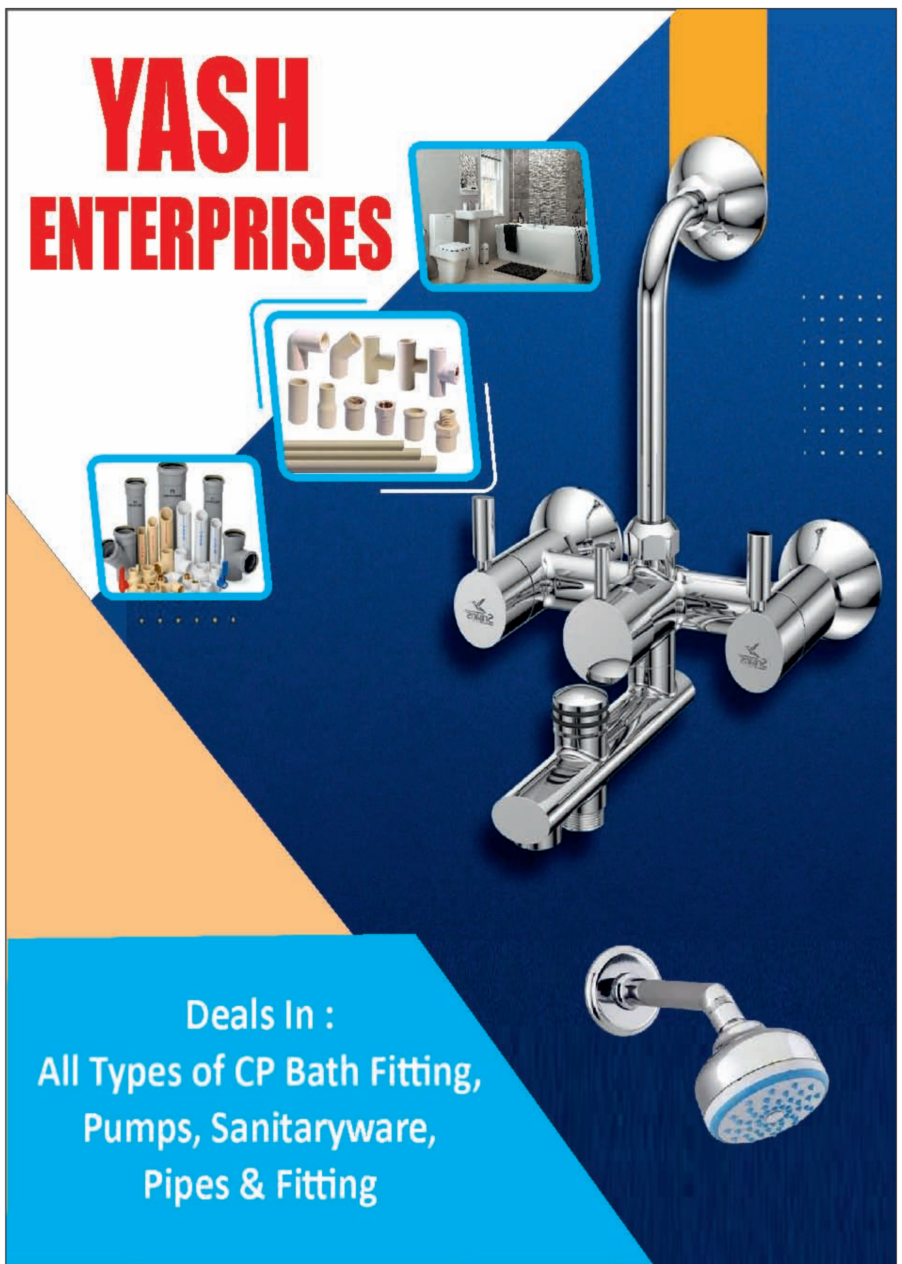

YASH ENTERPRISES
Deals In :
All Types of CP Bath Fitting, Pumps, Sanitaryware, Pipes & Fitting
Contact Us :
J.J Road, Beside, Deepak Trading
Upper Bazar, Ranchi - 01
Mob.: 9835901322, 9709082614

वादे के अनुसार 3200 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदे हेमंत सरकार: बाबूलाल मरांडी

प्रदेश अध्यक्ष ने लगाया आरोप सरकार किसानों को प्रोत्साहित करने की बजाय निराश कर रही

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी में किसानों को इंसाफ देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के सुखाड़ के बाद राज्य में इस वर्ष धान की अच्छी फसल हुई है। किसानों को अपनी मेहनत का अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद राज्य सरकार से थी। हेमंत सरकार में शामिल दलों ने चुनाव से पूर्व 3200 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीद करने का आश्वासन दिया था, लेकिन राज्य सरकार अपने वादे से उलट गयी। आज राज्य में 2300 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीद और 100 रुपये बोनस के साथ 2400 रुपये प्रति क्विंटल से खरीद हो रही है। बाबूलाल शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। इस मौके पर किसान मोर्चा अध्यक्ष पवन साहू और सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह भी उपस्थित थे।

धान क्रय केंद्र अब तक नहीं खुले

बाबूलाल ने कहा कि राज्य सरकार ने 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य रखा है, लेकिन स्थिति ऐसी है कि अभी तक पूरी तरह जिलों में धान क्रय केंद्र ही नहीं खोले गये हैं। अफसरशाही इतनी हावी है कि वित्त मंत्री अपने क्षेत्र से धान क्रय केंद्र का बिना उद्घाटन किये ही बैरंग वापस लौटने को मजबूर हैं। राज्य में जहां केंद्र खुले भी हैं, उसमें में कई स्थानों पर ताले लटके मिल रहे। यही कारण है कि राज्य सरकार लक्ष्य का 15 प्रतिशत धान भी अब तक नहीं खरीद सकी है।

धान खरीद में कटौती भी चल रही

बाबूलाल ने कहा कि सरकार ने धान खरीदी की प्रक्रिया को जटिल बना दिया है। सरकार की उदासीनता के कारण किसान दलाल और बिचौलियों के चंगुल में आने को मजबूर हैं। किसान अपनी मेहनत से उपजायी फसल को 1800-1900 रुपये प्रति क्विंटल बेचने को मजबूर हैं। वहीं, राज्य सरकार इसमें भी धान को गीला बताकर प्रति क्विंटल 10 से 15 किलो की कटौती कर रही है। इधर बंगाल, ओड़िशा, छत्तीसगढ़ के दलाल-बिचौलिये धान खरीद के लिए बाइक से गांव-गांव घूम रहे हैं। वे सीधे ट्रक लेकर गांव तक पहुंच जा रहे हैं और किसानों से कम कीमत पर धान खरीद ले रहे हैं।

खादी मेला में उमड़ी लोगों की जबरदस्त भीड़

मेला परिसर में स्केचिंग का जीवंत प्रदर्शन और फैशन शो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उद्योग विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 का जैसे-जैसे समापन की तिथि निकट आ रही है, वैसे-वैसे महोत्सव में लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। आज मेले में लगभग 10 हजार लोगों ने मेले का आनंद लिया।

महोत्सव में झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के स्टॉल में पुरुषों के लिए सूती, रेशमी, ऊनी बंडी, कुर्ता, पजामा, ड्रेस मैटरियल, टोपी, मफलर, शॉल के साथ साथ महिलाओं के लिए भी ऊनी और रेशमी बंडी के अलावा सूती, रेशमी साड़ी, डिजिटल प्रिंटेड साड़ी, सोहराई प्रिंटेड साड़ी, म्यूरल साड़ी और मधुबनी प्रिंटेड साड़ियां खूब डिमांड में हैं।

मेला परिसर में स्केचिंग का जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है। रांची के कलाकार रोशन कुमार लोगों की जीवंत पेंटिंग बना रहे है। ब्लैक एंड वाइट पेंटिंग 500 रुपये से शुरू है वहीं रंगीन पेंटिंग की कीमत थोड़ी ज्यादा है।

साबरमती आश्रम के जीवंत प्रदर्शनी में बच्चों का उत्साह देखा जा रहा है यहां गांधी जी जुड़ी रोचक जानकारियां प्रदर्शनी में लगी चित्रों से प्राप्त की जा सकती है।

शुक्रवार को कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा मलय कुमार साहू, एवं टीम सरायकेला-खरसांवा द्वारा सरायकेला छऊ नृत्य एवं रमण कुमार मिश्रा एवं दल रांची द्वारा भजन एवं गजल गायन की प्रस्तुती की गयी। बच्चों के लिए आयोजित फेस पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता दो आयु वर्ग में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आज का कार्यक्रम

कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा मुकेश तिवारी एवं दल,रांची द्वारा हिंदी गायन एवं सिम्मी गोस्वामी एवं दल, रांची द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुती दी जायेगी। बच्चों के लिए पांच से नौ आयु वर्ग तथा दस से चौदह आयु वर्ग के लिए गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। जिन बच्चों को प्रतियोगिता में भाग लेना है। महोत्सव परिसर में आकर वे सुबह 11 बजे तक अपना रजिस्ट्रेशन करा लेंगे।

पासवा की पहल पर झारखंड में निजी विद्यालयों की मान्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन का आदेश निरस्त

भूमि बाध्यता से जुड़ी समस्याओं पर 10 दिनों के भीतर निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने निजी विद्यालयों की मान्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन का आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। यह निर्णय पासवा (प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन) के मुख्य संरक्षक डॉ. रामेश्वर उरांव और राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे की मांग पर लिया गया है। शुक्रवार को पासवा क्के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह से मुलाकात की और निजी विद्यालयों की मान्यता से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा। पासवा के मुख्य संरक्षक डॉ रामेश्वर उरांव ने 2019 में रघुवर सरकार द्वारा निजी विद्यालयों की मान्यता के लिए निर्धारित भूमि बाध्यता कानून को निरस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों के लिए जमीन बढ़ाना या कमरे का साइज बदलना संभव नहीं है। मान्यता के शर्तों को को बदले सरकार। इसके साथ ही पासवान के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि 2009 के मूल आरटीइ (शिक्षा का अधिकार) कानून के तहत निजी विद्यालयों को मान्यता दी जाये। शिक्षा सचिव को बताया गया कक्षा 8 तक के लिए कहीं भी जमीन के बाध्यता नहीं रखी गयी है। मूल आरटीआइ में सर्वकालिक भवन की बात की गयी है, जिसमें सर्दी, गर्मी बरसात में बच्चे पढ़ाई कर सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2009 के आरटीआइ कानून के अलावा दूसरा कोई कानून झारखंड के निजी विद्यालयों को स्वीकार नहीं।

मान्यता प्रक्रिया को सरल बनाने की अपील : प्रतिनिधिमंडल ने यु डाईस के लिए पोर्टल खोलने की अपील भी की, जिससे मान्यता प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो सके। इस पर शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने आश्वासन दिया कि मान्यता से जुड़े सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 15 जनवरी तक मान्यता के लिए ऑनलाइन आवेदन का दिया गया। आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। शिक्षा सचिव ने आगे कहा कि भूमि बाध्यता से जुड़ी समस्याओं पर 10 दिनों के भीतर निर्णय लिया जायेगा। इस निर्णय से पहले पासवा के पदाधिकारियों के साथ भी चर्चा की जायेगी। डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि गैर-मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को मान्यता नहीं दी गयी, तो 30 लाख से अधिक छात्रों का भविष्य अंधकार में पड़ जायेगा। इससे लाखों शिक्षक और कर्मचारी बेरोजगार हो जायेंगे और इससे जुड़े छोटे-बड़े कारोबारी भी प्रभावित होंगे। प्रतिनिधिमंडल में रांची महानगर पासवा अध्यक्ष डॉ सुषमा केरकेट्टा, प्रदेश पासवा के संजय प्रसाद ,रूपेश कुमार ,मनोज कुमार भट्ट ,मेहुल दुबे, डॉक्टर अनु,ममता देवी, नीतू कुमारी, हजारीबाग जिला अध्यक्ष मींकू प्रसाद शामिल थे।

आदित्य विजन लिमिटेड का बाई एंड विन 2024 का मेगा ड्रॉ

झारखंड के विजेताओं को घर कार और मोटरसाइकिल मिली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आदित्य विजन लिमिटेड के बाई एंड विन-2024 के मेगा ड्रॉ की अशोक नगर निवासी रश्मि खातून विजेता बनीं हैं। आदित्य विजन के निदेशक निशांत प्रभाकर ने बताया कि झारखंड में रांची, बिहार में पटना और उत्तर प्रदेश में वाराणसी में मेगा ड्रॉ से चयनित विजेताओं को एक-एक फ्लैट दिया जा रहा है। साथ ही 155 कार और 1101 बाइक भी विजेताओं को दिए जा रहे हैं। रांची के संजय तिवारी, पाकुड़ की जूली सिंह और गढ़वा के दीपू प्रकाश ने मेगा ड्रॉ में कार जीता है। वहीं, बोकारो चास निवासी अमरजीत कुमार, रांची के अविनाश कुमार और गुमला के अरुण कुमार को बाइक मिली है।

इस अवसर पर आदित्य विजन के निदेशक निशांत प्रभाकर ने बताया कि साल 2024 के आदित्य विजन के बाई एंड विन के विजेताओं के नामों की घोषणा करते हुए उन्हें अपार हर्ष हो रहा है। आदित्य विजन अपने सालाना पुरस्कार ऑफर बाई एंड विन के तहत विगत 15 सालों से ग्राहकों के बीच करोड़ों के पुरस्कार का वितरण कर चुकी है। आदित्य विजन उपभोक्ता उपकरणों के लिए बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश का एक विश्वसनीय और अपने बेहतरीन सर्विस तथा शानदार ऑफर्स के लिए जाना हुआ नाम बन चुका है। इस वर्ष 2025 में खरीदें और जीतें मेगा पुरस्कार योजना के अंतर्गत 18 करोड़ का इनाम दिया जा रहा है। यह पुरस्कार योजना इस वर्ष 2025 तक (1 जनवरी से 30 दिसंबर 2025) के लिए है जिसमें 'खरीदें और जीतें 2025 में मेगा पुरस्कार में बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक-एक अपना सपनों का घर जीतने का मौका के साथ प्रथम पुरस्कार के रूप में 175 कार तथा द्वितीय पुरस्कार में 1251 मोटर बाईक रखे गये हैं। इस मेगा ड्रॉ में भाग लेने के लिए ग्राहक को 10,000 रुपये की खरीदारी पर एक कूपन दिया जायेगा, जिससे वे इस बाई एंड विन पुरस्कार योजना में भाग लेने के अधिकारी होगें। अधिक जानकारी के लिए ग्राहक अपने नजदीकी आदित्य विजन के शोरूम से संपर्क कर सकते हैं।

विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा कल रांची आयेंगे

रांची (आजाद सिपाही)। विप्र फाउंडेशन झारखंड इकाई की संगठनात्मक बैठक का 5 जनवरी को होटल लैंडमार्क में होगी। कार्यक्रम में ब्राह्मण शिरोमणि विप्र फाउंडेशन के संस्थापक एवं संयोजक भाई सुशील ओझा शामिल होंगे। विप्र फाउंडेशन के उपाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत ने जानकारी दी कि 5 जनवरी को सुबह नौ बजे रांची एयरपोर्ट पर भाई सुशील ओझा का आगमन होगा। फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा एयरपोर्ट पर उनका स्वागत अभिनंदन किया जायेगा। इसके बाद 10:30 बजे होटल लैंडमार्क में विप्र फाउंडेसन कार्यकारिणी की निर्धारित बैठक में भी हिस्सा लेंगे। विप्र फाउंडेशन झारखंड जोन 6 के अध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, संगठन मंत्री अजय दाधीच, उपाध्यक्ष निरंजन शर्मा ने जानकारी दी कि शाम पांच से सात बजे तक सभी सर्व समाज के सामाजिक व धार्मिक व व्यापारिक संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ विचार संगोष्ठी का आयोजन सुशील ओझा के सानिध्य में होटल लैंड मार्क में रखा गया है।

केंद्रीय सरना समिति ने मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती मनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना समिति द्वारा मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 122वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बबलू मुंडा ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा झारखंड अलग राज्य की मांग करने वाले महान प्रथम आंदोलनकारी थे और उनके सपने को पूरा करने के लिए हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना होगा। बबलू मुंडा ने यह भी कहा कि जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता था, लेकिन फुटबॉल कोर्ट में त्रुटि होने के कारण और फुटबॉल कोर्ट से सटे हुए दर्शकों के बैठने के लिए गैलरी भी बना दिया गया है। उस गैलरी के कारण फुटबॉल खिलाड़ियों का खेल के दौरान दुर्घटना हो जाती थी उस गैलरी को हटाने के लिए केंद्रीय सरना समिति द्वारा झारखंड सरकार के नगर विकास मंत्री, रांची नगर निगम के प्रशासक, उप प्रशासक और अभियंता प्रमुख को मांग पत्र सौंप कर अवगत कराया गया था, लेकिन रांची नगर निगम की लापरवाही के कारण नहीं हटाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य पहान जगलाल पहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि राज्य सरकार एवं रांची नगर निगम हमारी मांगों को पूरा नहीं कर रहे हैं, इसलिए हमें आंदोलन करना होगा। इस कार्यक्रम में कई अन्य लोग भी उपस्थित थे, जिनमें झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा, मुन्ना हेमरोम, विशाल मुंडा, आशीष मुंडा, राजू पहान, प्रेम लिंडा, आर्यन छतरी, चिकू लिंडा, शुभम मुंडा, विकास सांगा, आशीष लिंडा, भोला केसरी आदि शामिल थे।

महत्वपूर्ण खबरें

67वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में चमके चतरा राइफल शूटिंग क्लब के खिलाड़ी

रांची (आजाद सिपाही)। 15 दिसंबर से 31 दिसंबर 2024 तक आयोजित हुई, 67वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में चतरा राइफल शूटिंग क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। राइफल इवेंट भोपाल में और पिस्टल इवेंट दिल्ली में संपन्न हुए। झारखंड की ओर से चतरा राइफल शूटिंग क्लब के पांच खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें सभी खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया। इनमें से दो खिलाड़ी अरविंद कुमार और पृथ्वीराज पांडेय ने इंडिया टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया। इसके अलावा, ऋषभ झा, सचिन कुमार और इशा लिंडा रानी ने राष्ट्रीय स्तर पर क्वालीफाई किया। यह जीत चतरा और झारखंड के लिए गर्व का पल है। कोच नीतीश कुमार ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उनकी मेहनत की सराहना की। इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है, और यह सफलता झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा करने में मील का पत्थर साबित हुई है।

दरभंगा के सांसद ने महाप्रबंधक के साथ की बैठक

हाजीपुर (आजाद सिपाही)। दरभंगा सांसद (लोकसभा) गोपाल जी ठाकुर ने शुक्रवार पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह के साथ बैठक की। बैठक के दौरान दरभंगा सहित उत्तरी बिहार में चल रही/प्रस्तावित रेल विकास परियोजनाओं एवं यात्री सुविधा से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक में दरभंगा संसदीय क्षेत्र में चल रहे आरओबी एवं लाइट आरओबी के कार्य में तेजी लाने, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य सहित अन्य विषयों पर विशेष रूप से चर्चा हुई । बैठक के दौरान सांसद द्वारा रेल विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए।

जनता मजदूर संघ ने की सीसीएल सीएमडी से मुलाकात

रांची (आजाद सिपाही)। जनता मजदूर संघ का प्रतिनिधिमंडल ने सीसीएल अध्यक्ष कमलेश सिंह के नेतृत्व में रांची में सीसीएल सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह से मिला। मुलाकात के दौरान सीएमडी को श्रमिक हित से जुड़े विषय को लेकर चर्चा हुई।वही विषेकर एनके एरिया के कंटाघर के मामले में हुई गड़बड़ी पर जनता मजदूर संघ ने सीएमडी से दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग किया गया। इस अवसर पर मुलाकात करने वाले लोगों में रविंद्र नाथ सिंह, उदय प्रताप नारायण सिंह, सुखदेव प्रसाद, कामोद प्रसाद मंतोष सिंह, दीपक रंजन आदि शामिल थे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष से मिले एसडीएम की पत्नी अनिता के परिजन

रांची (आजाद सिपाही)। हजारीबाग एसडीएम अशोक कुमार की पत्नी अनीता कुमारी के परिजनों से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से कांग्रेस भवन में मुलाकात की। अनीता के परिजनों से प्रदेश अध्यक्ष से अशोक कुमार की गिरफ्तारी के साथ न्याय की गुहार लगायी है। इस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस मामले में हजारीबाग एसपी से बात की गयी है। परिजनों ने बताया कि जब तक अशोक कुमार की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक सही तरीके से मामले की जांच नहीं हो पायेगी। बताते चलें कि उक्त मामले की जांच और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया है।

सरला बिरला विवि में चौथी झारखंड स्टेट रैपिड शतरंज प्रतियोगिता शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला यूनिवर्सिटी में चौथा झारखंड स्टेट रैपिड शतरंज प्रतियोगिता शुरू हुई। शुक्रवार को सरला बिरला यूनिवर्सिटी के प्रांगण में चौथा झारखंड स्टेट रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि सरला बिरला यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर जनरल प्रो डॉ गोपाल पाठक, विशेष अतिथि वाइस चांसलर एसबी डांडिल और रजिस्ट्रार विजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। समारोह में ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, रांची जिला शतरंज संघ के सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, संयुक्त सचिव एवं टुनार्मेन्ट के मुख्य निर्णायक दीपक कुमार, टाटा स्टील के खेल प्रमुख विभूति अद्रेसा, सिन्गो मुर्मू, को-ऑर्डिनेटर प्रभात रंजन कुमार उपस्थित थे। यह टूनार्मेंट 8 चक्रों में खेला जायेगा। इसके बाद आठ चक्रों का ब्लिट्ज टूनार्मेंट खेला जाएगा जो दिनांक 4 से 5 जनवरी तक चलेगा। इस टूनार्मेंट में झारखंड के 17 जिलों के 231 प्लेयर भाग ले रहे हैं।

धर्मांतरण कर चुके लोगों को पेसा कानून में स्थान मिलेगा तो जनजाति सुरक्षा मंच विरोध करेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आदिवासी जनजाति सुरक्षा मंच के सामाजिक कार्यकताओं की शुक्रवार को धुर्वा में बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पेसा कानून को लेकर आदिवासी समाज के बीच खुला चर्चा किया जायेगा। इस बैठक में पक्ष, विपक्ष, विधायक और पूर्व प्रशासनिक पदाधिकारी को शामिल किया जायेगा। परिचर्चा की घोषणा जल्द की जायेगी। इस दौरान लोगों ने कहा कि पेसा कानून आदिवासियों के सुरक्षा कवच के रूप में है। झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव ने कहा कि जो लोग धर्मांतरण कर ईसाई बन चुके हैं, उन्हें पेसा कानून से बाहर रखा गया है। ऐसे लोग पेसा कानून एवं उसके अधिकार से वंचित हो चुके हैं। आदिवासियों की परंपरागत पूजा पद्धति पुरखों से चली आ रही है। जो लोग रूढ़िवादी प्रथाओं को मानते हैं, वही पेसा कानून का लाभ उठा सकते हैं। धर्मांतरण कर चुके लोगों को पेसा कानून में स्थान नहीं मिलना चाहिये। यदि ऐसा हुआ, तो जनजाति सुरक्षा मंच इसका विरोध करेगा, क्योंकि पेसा कानून में केवल रूढ़िवादी प्रथाओं को ही शामिल किया गया है। मौके पर झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति के अध्यक्ष मेघा उरांव, संदीप उरांव, सन्नी उरांव, हिन्दुवा उरांव, बंधना मुंडा, लोरया उरांव उपस्थित थे।

130 श्रद्धालुओं का पहला जत्था प्रकाश पर्व में शामिल होने पटना साहब रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पटना साहब में प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए गुरु नानक सत्संग सभा के 130 श्रद्धालुओं का पहला जत्था इंदर मिढ़ा, रमेश पपनेजा के नेतृत्व में शुक्रवार को हटिया रेलवे स्टेशन से हटिया पटना सुपरफास्ट एक्सप्रेस द्वारा रवाना हुआ। सत्संग सभा के सचिव अर्जुन देव मिढ़ा एवं मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने सभी श्रद्धालुओं को माला पहनाकर विदा किया और सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी। यह जत्था पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित प्रभात फेरी, नगर कीर्तन, कवि दरबार एवं प्रकाश पर्व की रात सजाये जाने वाले विशेष दीवान में शामिल होगा। सभी आयोजनों में शामिल होने के बाद सभी श्रद्धालुओं का जत्था आठ जनवरी को वापस रांची पहुंचेगा। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि श्रद्धालुओं के जत्थे के रांची वापस पहुंचने के बाद 11 एवं 12 जनवरी को सत्संग सभा द्वारा श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भव्य विशेष दीवान सजाया जायेगा। इसमें 11 जनवरी, शनिवार को सुबह 8 से 10 बजे तक तथा रात आठ बजे से ग्यारह बजे तक एवं 12 जनवरी, रविवार को सुबह दस बजे से दोपहर ढाई बजे तक विशेष दीवान सजाया जायेगा। इनमें शिरकत करने पहुंच रहे सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई गुरमन प्रीत सिंह, दिल्ली वाले शबद गायन कर राची की साध संगत को निहाल करेंगे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में दूसरे दीक्षांत समारोह की तैयारी शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में दूसरे दीक्षांत समारोह की तैयारी शुरू हो गयी है। इस समारोह का आयोजन 7 फरवरी 2025 को किया जायेगा। विवि के कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस समारोह के आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। बैठक में यह तय किया गया कि इस समारोह में स्नातक के सत्र 2021 से 2024 और सत्र 2020 से 2023 के विद्यार्थियों के लिए और स्नातकोत्तर सत्र 2021 से 2023 और सत्र 2022 से सत्र 2024 के विद्यार्थियों के लिए उपाधि वितरण समारोह का आयोजन किया जायेगा।

कुलपति डॉ. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए पिछले वर्ष 2024 में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह के लिए जो पंजीकरण शुल्क 800 रुपये निर्धारित किया गया था, वहीं पंजीकरण शुल्क इस बार भी निर्धारित रहेगा। उन्होंने कहा कि न सिर्फ विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के आर्थिक हितों को ध्यान में रखता है बल्कि उनकी भावनाओं को प्राथमिकता में रखते हुए उसी पंजीकरण शुल्क के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को दूसरे दीक्षांत समारोह से संबंधित स्मारिका को भी उपलब्ध कराएगा ताकि विद्यार्थी उसे एक स्मरण के तौर पर संजो कर रख सकें।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि इस दूसरे दीक्षांत समारोह के लिए पंजीकरण की तिथि 8 जनवरी 2025 से 15 जनवरी 2025 निर्धारित की गयी हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस पंजीकरण से संबंधित सारे चरणों से संबंधित सूचनाएं विश्वविद्यालय के पोर्टल पर आधिकारिक सूचना के द्वारा समय पर जारी कर दिया जायेगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
198000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को नववर्ष 2025 की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी सभी को नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

मंत्री शिल्पी नेहा ने चान्हो में बैंकों की कम शाखाओं पर जतायी चिंता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान शुक्रवार को चान्हो में बैंकों की कम शाखाओं पर चिंता जाहिर की। मंत्री ने पंजाब नेशनल बैंक में क्षेत्र के लोगों को आ रही परेशानियों को लेकर बैठक की। साथ ही राज्य सरकार के जरिये किसानों के लिए चलायी जा रही दो लाख रुपये तक की ऋण माफी योजना में आ रही अड़चनों को लेकर संबंधित बैंक अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी केवाइसी को लेकर हो रही है। केवाइसी नहीं होने से क्षेत्र के लोग सरकार की योजना का समय पर लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस दौरान बैंक की शाखाओं में कैसे इजाफा हो, इस पर भी बैंक अधिकारियों के साथ चर्चा की। बैंक की शाखा चान्हो में कम होने से ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। इस दौरान मंत्री ने चान्हो प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का भी वितरण किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि ठंड के इस मौसम में सहायता प्रदान करने का उद्देश्य जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। जरूरतमंदों को मदद करने की दिशा में सभी को मिलजुल कर पहल करने की जरूरत है। मंत्री ने रघुनाथपुर पंचायत स्थित कोको आईयो शक्ति पूजा स्थल पर पुनः पहुंच कर मां के चरणों मत्था टेका। मंत्री ने उपस्थित लोगों से कहा कि इसी पवित्र स्थल पर उन्होंने विगत विधानसभा चुनाव में सफलता की कामना की थी और मां को आईयो की कृपा से यह मन्नत पूरी हुई। यह स्थान न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि यहां हर श्रद्धालु की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही मां के आशीर्वाद से हर कठिनाई से लड़ने की हिम्मत मिलती है ।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने अधिकारियों से कहा

अबुआ आवास योजना में किस्तों में राशि देने में सात दिन की देरी पर पूछा जायेगा शो-कॉज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सूबे में अबुआ आवास योजना के लाभुकों की तृतीय किस्त की राशि वितरण में देरी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ऐसे अधिकारी एवं कर्मचारियों को चिन्हित करने को कहा है, जो तृतीय किस्त के वितरण में मात्र सात दिनों से अधिक का विलंब कर दिये हैं। इनसे पहले स्पष्टीकरण पूछा जायेगा, जवाब संतोषजनक नहीं होने पर उचित कार्रवाई की जायेगी। लाभुकों को तृतीय किस्त राशि वितरण की प्रतिदिन अधिकारियों को समीक्षा करने को कहा है, जिलावार रिपोर्ट मंगाने को कहा गया है। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि आवास योजना के तहत सभी निर्माणाधीन आवासों की प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाये। लिंटल, ढलाई पूर्ण किये गये निर्माणाधीन आवासों को पूरा कराने को कहा गया है। आवास योजनाओं के प्रभावी तौर से कार्यान्वयन के लिए निर्धारित अंतराल में समीक्षा करने को कहा है और स्पष्ट किया है की विभाग के वरीय पदाधिकारियों द्वारा क्षेत्र स्तर पर निरीक्षण किया जाये। मंत्री के निर्देश के बाद ग्रामीण विकास विभाग के वरीय पदाधिकारी जल्द ही फील्ड विजिट की तैयारी कर रहे हैं।

आवास बनाने के लिए पैसे की कमी नहीं

राज्य सरकार ने अपने कोष से अबुआ आवास योजना की मंजूरी दी थी। इसमें करीब 20 लाख से अधिक आवास बनाये जाने हैं। पहले वित्तीय वर्ष में दो लाख आवास योजना की मंजूरी दी गयी है और इस वित्तीय वर्ष 4।50 लाख आवास में से करीब तीन लाख आवास योजना की मंजूरी दी गयी है। मिली जानकारी के अनुसार करीब 2800 करोड़ की राशि दी गयी है। हाल में ही आठ अरब की राशि आवंटित की गयी है। ऐसे में बड़ी राशि जिलों को आवंटित की जा चुकी है। ऐसे में आवास योजना के लाभुकों को आवास बनाने के लिए किसी हाल में पैसे की कमी नहीं होने देने का लक्ष्य है।

राज्य कर्मियों का डीए तीन फीसदी बढ़ा

रांची (आजाद सिपाही)। राज्य सरकार के कर्मियों का एक जुलाई 2024 के प्रभाव से महंगाई भत्ता बढ़ाने की मंजूरी मिल गयी है। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद वित्त विभाग ने तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने की अधिसूचना जारी कर दी है। वर्तमान में सातवां वेतन प्राप्त राज्य कर्मियों को 50 प्रतिशत मिल रहा है। अब तीन प्रतिशत बढ़ने के बाद उन्हें 53 प्रतिशत डीए मिलेगा। वहीं, बढ़ा महंगाई भत्ता का लाभ सातवां वेतनमान प्राप्त पेंशनधारी एवं पारिवारिक पेंशनधारियों को मिलेगा।

पीडीएस दुकानों में लगेंगी फोर-जी पॉश मशीनें

रांची (आजाद सिपाही)। अब पीडीएस दुकानों में नेटवर्क की खिचखिच नहीं होगी। सुदूर जगहों में भी आसानी से लाभुकों को राशन मिलेगा। राज्य के सभी पीडीएस दुकानों में अब फोर जी पॉश मशीनें लगायी जायेंगी। खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने इसकी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सीएम ने निर्देश दिया है कि सुदूर आदिवासी और पहाड़िया जनजाति के बच्चों को प्रोटीनयुक्त दाल, चीनी और सोयाबीन उपलब्ध कराया जाये। इसे लेकर राज्य सरकार ने केंद्र को प्रोटीनयुक्त अनाज उपलब्ध कराने के लिए पत्र भी भेजा है।

जन्मदिन पर जयपाल सिंह मुंडा को मुख्यमंत्री हेमंत ने किया याद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जयपाल सिंह मुंडा के जन्मदिवस पर उन्हे याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि झारखंड की माटी के लाल, संविधान सभा के सदस्य और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर शत-शत नमन। कहा कि मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा को सम्मान देते हुए अबुआ सरकार द्वारा ओवरसीज स्कॉलरशिप योजनाओं को चलाया जाता है, जिसमें वंचित समाज के युवा हर वर्ष विदेश में सौ प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा लेते हैं।

49 नगर निकायों में सीवरेज सिस्टम तैयार किया जायेगा, नये सिरे से बनेगी डीपीआर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नगर विकास मंत्री मंत्री सुदिव्य कुमार ने सभी 49 नगर निकायों में सिवरेज सिस्टम बनाने के लिए अलग-अलग निकायों का नक्शा तैयार कर डीपीआर बनाने का निर्देश विभाग के पदाधिकारियों को दिया है। मंत्री ने कहा है कि जैसे-जैसे राशि उपलब्ध होगी, प्राथमिकता के आधार पर सिवरेज सिस्टम का निर्माण कराया जाये। सभी प्रस्तावों को सरकार के समक्ष रखते हुए आवश्यकता बता कर राशि के लिए संतुष्ट किया जायेगा।

यह भी देखा जाये कि कौन-कौन से निकाय अभी अमृत या किसी अन्य योजना से आच्छादित है कि नहीं। मंत्री ने प्रधान सचिव सुनील कुमार से कहा है कि वर्तमान में अधिकांश शहरों में नालों को गंदा पानी प्रवाहित हो रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन, अमृत एवं अन्य योजनाओं के सहारे छोटे पैमाने पर प्रस्ताव तैयार कर काम किया जाय, जिससे नालों एवं अन्य गंदे पानी का शोधन कर नदियों में प्रवाहित किया जाये। इसके लिए सर्वोत्तम उपाय है कि हर शहर में सिवरेज सिस्टम लागू किया जाये।

झारखंड की बेटी सलीमा टेटे ने बढ़ाया राज्य का मान : संजय सेठ

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय महिला हॉकी टीम की गौरव, झारखंड की बेटी सलीमा टेटे को देश के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने अर्जुन अवार्ड के लिए नामित होने पर अपनी ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। हॉकी के क्षेत्र में सलीमा ने दुनिया में भारत का झंडा बुलंद किया है। सलीमा हॉकी खेल रही अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा बने, यही कामना है।

चंदन सिन्हा को डीजीपी ने बैच लगाकर सम्मानित किया

रांची (आजाद सिपाही)। डीआइजी में प्रोन्नत हुए चंदन सिन्हा को डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बैच लगाकर सम्मानित किया है। शुक्रवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीजीपी ने बैच लगाकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि बीते 31 दिसंबर 2024 को सरकार ने रांची एसएसपी के पद पर पदस्थापित चन्दन कुमार सिन्हा को डीआईजी रैंक में प्रोन्नति प्रदान करते हुए एसएसपी रांची के पद को डीआईजी में उत्क्रमित करते हुए उन्हें उस पद पर पदस्थापित किया गया है।

68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता का आयोजन रांची में, 38 टीमें लेंगी हिस्सा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआइ) के तहत 68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेलों की चार प्रतियोगिता में पांच इवेंट की मेजबानी रांची करेगी। राष्ट्रीय स्कूली खेलों की 17 कमेटियां संभालेंगी कमान। भव्य आयोजन के लिए शिक्षा विभाग ने 17 कमेटियों का गठन किया है। ये खिलाड़ियों के आगमन, रहने, खाने, चिकित्सा, ग्राउंड फैसिलिटी समेत वापसी तक की सभी सुविधाएं उपलब्ध करायेंगी। इवेंट नये साल के पहले हफ्ते में शुरू होगा। झारखंड को अंडर-19 एवं अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग एथलेटिक्स, अंडर-19 बालक-बालिका वर्ग टेनिस, अंडर 14, 17, 19 दोनों वर्ग में ट्रैक साइकिलिंग और अंडर-19 बालक-बालिका हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। इसमें भाग लेने के लिए हजारों खिलाड़ी रांची आयेंगे। इवेंट मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स होटवार और मोरहाबादी एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में होंगे। खिलाड़ियों के ठहरने के लिए होटलों और हॉस्टलों की व्यवस्था शुरू कर दी गयी है। जेइपीसी के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेनव सोरेंग ने बताया कि बालकों को होटलों में ठहराया जायेगा। बालिका खिलाड़ियों को झारखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के फ्लैट और जेसीइआरटी में ठहराया जायेगा। ऑफिशियल्स के लिए सर्किट हाउस और होटल बुक किये जा रहे हैं।

माता सावित्रीबाई फूले की तस्वीर सभी स्कूल कॉलेजों में लगायी जाये : राजेश कुमार गुप्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। माता सावित्रीबाई फूले की तस्वीर और प्रतिमा देश के सभी विद्यालयों-कार्यालय में लगायी जानी चाहिए और राज्य सरकार उनके जन्म दिवस पर अवकाश की घोषणा करने की मांग करता हूं। रांची में उनकी आदमकद प्रतिमा लगे। यह बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात कहीं। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में देश के प्रथम शिक्षिका माता सावित्रीबाई फूले की जन्म जयंती मनायी गयी। इस मौके पर उनके चित्र पर माला अर्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गयी।

प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने माल्यार्पण के बाद कहा कि देश में 1848 इस्वी में प्रथम बालिका विद्यालय खोलने के लिए माता सावित्रीबाई फूले ने भारी विरोध के बावजूद भी करोड़ों महिलाओं के लिए एक दीवार की भांति खड़ी हो गयी थीं। उन्होंने कहा कि नारी शिक्षा की वकालत करने वाली महिलाओं के लिए 71 विद्यालयों खोलने, बाल विवाह के विरुद्ध आंदोलन करने, सती प्रथा का विरोध करने विधवाओं को गंजा करने के विरोध, विधवा विवाह के पुनर्विवाह का समर्थन करने प्रस्तुति गृह की स्थापना एवं बाल पालन घर संचालन करने वाली माता सावित्रीबाई फूले देश की प्रथम शिक्षिका ही नहीं, बड़ी समाज सुधारिका और क्रांतिकारी कवित्री भी थीं। श्रद्धांजलि अर्पित करनेवालों में प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता, महासचिव राम अवतार कश्यप, इंजीनियर प्रदीप कुमार, सीएससी झारखंड हेड शंभू कुमार, आरबी सहाय, डॉ भरत ठाकुर, जगत सोनी, सुरेंद्र गुप्ता आदि का नाम शामिल है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना सं.: डीआरएमईएनजीआरएनसी-01-03-2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), राँची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं., सूचना सं. एवं कार्य का नाम** निम्नानुसार हैं: (1) **डीआरएमईएनजीआरएनसी-01-2025,** राँची मंडल के अधिकार क्षेत्र के लिए बाकुडीह/बड़हरवा/पिनरगड़िया/पाकुड़/राजग्राम/तालझारी क्वैरी साइडिंग में 50 मिमी माप के 107745 घन मीटर मशीन खंडित हार्ड स्टोन ट्रैक बैलस्ट की रेलवे वैगनों/हॉपरों में आपूर्ति और लोडिंग (गंतव्य पर माप किया जाएगा)। **निविदा मूल्य:** रु. 15,73,05,545.10, **बयाना राशि:** रु. 9,36,500/-, (2) **डीआरएमईएनजीआरएनसी-02-2025, कार्य का नाम:** गौतमधारा स्टेशन पर माप 450 मी. x 8 मी. के हाई लेवल पीएफ में मौजूदा रेल लेवल पीएफ नं. 2 को ऊंचा करना एवं विस्तार। **निविदा मूल्य:** रु. 3,68,12,148.97, **बयाना राशि:** रु. 3,34,100/-, (3) **डीआरएमईएनजीआरएनसी-03-2025, कार्य का नाम:** राँची मंडल में (i) राँची मंडल-टीआरआर (पी)-30.904 टीकेएम (ii) हटिया-ओरगा-टीटीआर (टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-20 सेट, मुरी-बरकाकाना-टीटीआर (टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-8 सेट और मुरी-हटिया-टीटीआर (टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-57 सेट (कुल=85 सेट)। **निविदा मूल्य:** रु. 4,51,90,377.59, **बयाना राशि:** रु. 3,76,000/-, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 27.01.2025 को 15.00 बजे प्रत्येक हेतु। निविदाकार ऑनलाइन निविदा करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं। **(PR-977)**

CCL Fuelling Sustainable Growth
सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
"एक मिनिरत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक सहायक कम्पनी

सूचना

सामग्री, कार्यों एव सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियो द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.coalindia.in/** संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, **www.centralcoalfields.in**) सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://coalindiatenders.nic.in** एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eprocure.gov.in** पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** के माध्यम से भी खरीद की जाती है।

भारतीय रेल
भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

सं. 2023/आरएस (ई)/टीएम/3 — नई दिल्ली, दिनांक : 02.01.2025

शुद्धिपत्र संख्या 2

विषय: 138 अदद 'डायनामिक ट्रैक स्टेबलाइजर (डीटीएस)' के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परीक्षण और कमीशनिंग, भारतीय रेलवे कर्मचारियों के प्रशिक्षण और 3 साल की वारंटी एएमसी के साथ, के लिए दिनांक 10.01.2025 को बंद होने वाली ई-खुली वैश्विक निविदा सं. 2023-टीएम-3

1. विषय निविदा बंद होने की नियत तिथि 10.01.2025 (शुक्रवार) से 18.02.2025 (मंगलवार) बदल दी गई है।
2. निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें समान रहेंगी।

निदेशक, रेल भंडार (एफ)
(रेलवे बोर्ड)
40/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्व मध्य रेल
ई. निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई.निविदा सं० इ.सी.आर.-सी.ए.ओ.-सी/एस/ई.टी. इ.एन.-एच.जेड.एम.इ.-01, कार्य का नाम : ईसीआर के धनबाद डिवीजन के तहत डाउन ट्रेन के लिए गोमों फ्लाई ओवर के निर्माण के संबंध में गोमो से मतारी आर.आर.आर और सतह लाइन और गोमों से तेलो स्टेशन आर.ओ.आर लाइन के बीच रेलवे के विनिर्देश और मानक के अनुसार पत्थर गिट्टी की आपूर्ति, स्टैकिंग और प्रसार तथा अन्य संबंधित कार्य। **अंकलित मूल्य (रू०) :** 289561800.00, **बोली प्रतिभूति (रू०) :** 1597900.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 08 (आठ) महिना।

ई.निविदा सं० इ.सी.आर.-सी.ए.ओ.-सी/एस/ई.टी. इ.एन.-एच.जेड.एम.इ.-02, कार्य का नाम : ईसीआर के धनबाद डिवीजन के तहत डाउन ट्रेन के लिए गोमों फ्लाई ओवर के निर्माण के संबंध में गोमो से मतारी आर.आर.आर और सतह लाइन और गोमों से तेलो स्टेशन आर.ओ.आर लाइन के बीच रेलवे के विनिर्देश और मानक के अनुसार पी.वे. लिंकिंग, पी.वे. सामग्री जैसे रेल, स्लीपर, फिटिंग इत्यादि के परिवहन तथा अन्य संबंधित कार्य। **अंकलित मूल्य (रू०) :** 92875073.54, **बोली प्रतिभूति (रू०) :** 614400.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 08 (आठ) महिना।

उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/2, हजारीबाग
पीआर/1840/सीडीएचएन/इंजी./टी/24-25/36

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

ई-निविदा सं.: C-710-RCGT-B-GCT
क्र. सं.: 1, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि: रिचुघुटा-B (RCGT) स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) का पूरी तरह से रेलवे भूमि पर पैंतीस वर्ष (35 वर्ष) अर्थात 420 महीने की अवधि के लिए विकास, **क्र. स.: 2, रिचुघुटा स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) के विकास का लगभग लागत :** रू० 29,34,81,249/-, **क्र. सं.: 3, ब्याने की राशि:** रू० 2,93,48,200/-, **क्र. सं.: 4, निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय:** ई-निविदा बंद होने की तारीख 23.01.2025 को 15:00 बजे। ई-निविदा खुलने की तारीख 23.01.2025 को 15.30 बजे से, **क्र. सं.: 5, वेबसाईट का विवरण:** **http://www.ireps.gov.in** ई-निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।
रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद
पीआर/01834/डीएचएन/सीओएमएल/टी/24-25/36

AFFIDAVIT

As per Affidavit No.: 5711 Date:19.12.2024 I, **NEHA MUNDA** W/o Dayanand Munda, aged about 30 years, by faith- Hindu, by profession- House wife, by Nationality- Indian, R/o At. Tufan Chowk Giddi "A", P.O.-Giddi "A", P.S. Giddi "A", Dist.-Ramgarh (Jharkhand), do hereby solemnly affirm and declare as under-
1. That before marriage my name has been mentioned as **"NEHA MUNDA"** in my UID Card, vide No. 3439 7318 4059.
2. That after marriage my name has been mentioned as **"NEHA TOPPO"** in my UID Card, vide No.-3439 7318 4059.
3. That **"NEHA MUNDA"** and **"NEHA TOPPO""** both name are same and single lady i.e. myself.
4. That this affidavit is required for produce to Authority concern for needful purpose.

AFFIDAVIT

As per Affidavit No.: 5280 Date:24.12.2024 I, **MASHRUL HAQUE,** S/O JAHAGIR ALAM, aged about 32 years, by faith- Islam, residing at Address:- at Vill.- Ara Dumarbera, P.O.- Sarubera, P.S.- Mandu, Distt-Ramgarh (Jharkhand) do hereby solemnly declare as under:
1. That my actual and correct name is **MASHRUL HAQUE** which has been mentioned in my Aadhar Card bearing Aadhar No. 6563 1997 1960.
2. That I was previously known with the same name as mentioned in my Bank Passbook bearing A/c No. 486910110004050 at Bank of India, Sarubera Branch, but now I have changed the name/spelling in all my OVD's (Aadhar, PAN, Voter ID, Passport, Driving License) and from future I will be known with the same name/spelling as mentioned in my Aadhar/PAN/Voter ID/Passport/Driving License, and I will not change my name again and if there persists any discrepancy/fraud due to name/spelling change I will be solemnly responsible for the same, and Bank does not stands for any liability in name change.
3. That **MASHRUL HAQUE** and **MD MASHRUL HAQUE** both name are same and single lady i.e. myself.
4. That this affidavit is meant/required for the authority concerned at Bank for name change in my Account.
5. That all the above statements are true to the best of my knowledge and are correct.

कोर्ट-नोटिस

न्यायालय
जिला एवं सत्र न्यायाधीश -I
सह मोटरयान दुर्घटना अधिकरण, गुमला।
M.A.C.T. Case No-07/2024
होयला भगत वगैरह..............दावाकर्ता
बनाम
विजय कुमार (साहु इन्फ्रास्ट्रक्चर लि०)
वर्ग०.........विपक्षीण
नोटिस बनाम
1. V.K.S.CAT 120K2 ग्रेडर मशीन के मालिक विजय कुमार (साहु इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा० लि०) निवासी ग्राम बेलाहाटी रोड पीपरा टोली, थाना + जिला खुंटी, झारखण्ड
2 V.K.S.CAT 120K2 ग्रेडर मशीन का चालक धमेन्द्र कुमार मण्डल पिता विनोद मण्डल निवासी ग्राम हसनपुर थाना बहादुरपुर जिला दरभंगा, बिहार

चुं इस नोटिस प्रकाशन के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि वादीगण के द्वारा आपके विरुद्ध इस न्यायालय में मोटरयान दुर्घटना अधि० के अंतर्गत वाद दायर किया गया है जिसमें आपलोगों की उपस्थिति अनिवार्य है तथा आपलोगों की उपस्थिति हेतु न्यायालय द्वारा नजारत एवं निबंधित डाक के माध्यम से सम्मन निर्गत किया गया है परन्तु आपलोग आजतक न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए।

अतः आपलोगों को इस नोटिस प्रकाशन के द्वारा आगाह किया जाता है कि आपलोग दिनांक 18/01/25 को समय 11:00 AM बजे या उससे पूर्व न्यायालय के कार्य अवधि में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में वाद की सुनवाई एकपक्षीय रूप से चलायी जायगी।
इसे सख्त ताकिद जानें।
यह नोटिस आज दिनांक 21/12/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर से जारी किया गया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश-1
गुमला।

सभी स्कूलों में हों सुविधाएं

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से संचालित डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआएसइ) प्लस की ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। रिपोर्ट में यह बात स्थापित होती है कि बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर हुई है। करीब 90% स्कूलों में बिजली और जेंडर स्पेसिफिक टॉयलेट जैसी सुविधाएं हैं, लेकिन अगर डिजिटल सुविधाओं की बात की जाये, तो स्कूलों के बीच गहरी खायी दिखती है। मसलन फंक्शनल कंप्यूटर महज 57.2% स्कूलों में उपलब्ध है और 53.9% स्कूलों के पास इंटरनेट ऐक्सेस है। हालांकि, इस मामले में पिछले वर्षों में हुई प्रगति का अंदाजा इस तथ्य से होता है कि 2021-22 की यूडीआएसइ प्लस रिपोर्ट के मुताबिक 66% स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन नहीं थे। यह तथ्य भी गौर करने लायक है कि देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन एनरोलमेंट में गिरावट देखी गयी है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़ कर 14.71 लाख हो गयी, वहीं इनमें होने वाला स्टूडेंट्स एनरोलमेंट 25.17 करोड़ से घट कर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी कैटिगरीज - लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक ड्रॉपआउट यानी स्टूडेंट्स के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है, तो इसमें सेकंडरी स्टेज में होने वाली बढ़ोतरी ध्यान देने लायक है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2% है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9% तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक इसके पीछे ओबीसी और एससी/एसटी कैटिगरी के स्टूडेंट्स को दाखिले के डॉक्युमेंटेशन प्रॉसेस के दौरान होने वाली मुश्किलों और प्री-मैट्रिक व पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है। एक और अहम पहलू है टीचर्स और स्टूडेंट्स के अनुपात यानी पीटीआर का। इस मामले में विभिन्न राज्यों के बीच अंतर विशेष रूप से ध्यान खींचता है। एक तरफ झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य हैं, जहां सेकंडरी लेवल पर पीटीआर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइपी) के तय मानक यानी 30:1 से भी ज्यादा है तो दूसरी ओर असम, ओड़िशा और कर्नाटक जैसे राज्य काफी पीछे नजर आते हैं। कुल मिला कर, देश में स्कूली शिक्षा को बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों का असर दिखता है, लेकिन इस दौरान नयी चुनौतियां भी उभर रही हैं, जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। यूनिवर्सल एजुकेशन के लक्ष्य को ध्यान में रखें, तो ड्रॉपआउट के ट्रेंड्स और पीटीआर पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

कुल मिला कर देश में स्कूली शिक्षा को बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों का असर दिखता है, लेकिन इस दौरान नयी चुनौतियां भी उभर रही हैं, जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती।

अभिमत आजाद सिपाही

भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बन चुका है। इस सफलता की नींव वास्तव में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने ही रखी थी। तत्कालीन वित्त मंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था की गंभीर हालत को समझते हुए और समय की मांग को भांपते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के मार्गदर्शन में नयी आर्थिक नीति 1991 लेकर आये। 24 जुलाई, 1991 को अपने बजट भाषण में आर्थिक सुधार का प्रस्ताव करने से पहले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था- समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के भूमंडलीकरण और उदारीकरण के पुरोधा डॉ मनमोहन सिंह

प्रो. तपन कुमार शांडिल्य

सन 1991 का आर्थिक संकट भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। 1990-91 में भारतीय अर्थव्यवस्था संकट की दौड़ से गुजर रहा था। यह संकट मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा भंडार की कमी, व्यापार घाटे और राजकोषीय घाटे के कारण उत्पन्न हुआ। हालांकि, इसकी शुरुआत 1980 के दशक के अंत में ही हो गयी थी, जब भारत की अर्थव्यवस्था आयात-आधारित हो गयी और निर्यात में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पायी। बढ़ते ऋण और ब्याज भुगतान ने आर्थिक दबाव को और बढ़ाया। इसके अलावा, खाड़ी युद्ध और तेल की कीमतों में उछाल ने स्थिति को जटिल बना दिया। विदेशी मुद्रा भंडार केवल दो सप्ताह के आयात के लिए बचा था, जिसके कारण सरकार को आइएमएफ से आपातकालीन ऋण लेने के लिए स्वर्ण भंडार गिरवी रखना पड़ा। साल 1985 तक भारत में भुगतान संतुलन की समस्याएं शुरू हो गयी थीं। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सरकार द्वारा अधिक खर्च किया गया, जबकि आय कम उत्पन्न हुई। इसके अलावा आय और व्यय के बीच बहुत अधिक असमानताएं थीं। इस बीच, राजीव गांधी की मृत्यु के बाद पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में नयी सरकार बनी। वित्त मंत्री पद के कई दावेदार थे, तब डॉ मनमोहन सिंह का नाम कहीं दूर-दूर तक नहीं था। फिर भी, नियति ने इस साल और मनमोहन सिंह दोनों को भारत में बड़े बदलाव के लिए चुन लिया था। डॉ सिंह यूजीसी चेयरमैन के रूप में अपने कार्यालय में थे, जब एक कॉल ने उन्हें वित्त मंत्री बनने का प्रस्ताव दिया। इसके बाद ही 1991 के आर्थिक सुधारों की शुरुआत हुई। उन्होंने भारत के आर्थिक ढांचे को मजबूत और उदार बनाने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाये। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी पहचान बनायी।

डॉ मनमोहन सिंह आशावादी थे। वर्तमान परिवर्तन 1991 के आर्थिक सुधारों का परिणाम है।

साल 1990 के आखिर तक यह एक गंभीर आर्थिक संकट में था। सरकार डिफॉल्ट के करीब थी, इसके केंद्रीय बैंक ने नए लोन देने से इनकार कर दिया था। साल 1991 में भारत को एक आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। यह बाहरी ऋण से संबंधित था। सरकार विदेशों से लिये गये अपने ऋणों का भुगतान करने में सक्षम नहीं थी। विदेशी मुद्रा भंडार, जिसे हम पेट्रोलियम और दूसरी महत्वपूर्ण वस्तुओं के आयात के लिए बनाये रखते हैं, गिरकर ऐसे स्तर पर आ गया, जो एक पखवाड़े तक भी नहीं चल सकता था। आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने संकट को और बढ़ा दिया।

भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बन चुका है। इस सफलता की नींव वास्तव में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने ही रखी थी। तत्कालीन वित्त मंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था की गंभीर हालत को समझते हुए और समय की मांग को भांपते हुए तत्कालील प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के मार्गदर्शन में नयी आर्थिक नीति 1991 लेकर आये। 24 जुलाई, 1991 को अपने बजट भाषण में आर्थिक सुधार का प्रस्ताव करने से पहले पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था- समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। न तो सरकार और न ही अर्थव्यवस्था साल दर साल अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च कर सकती है। उधार के पैसे या समय पर काम करने की गुंजाइश अब नहीं रही। हमें बाजार की ताकतों के संचालन के लिए दायरे और क्षेत्र का विस्तार करने की जरूरत है।

1991 के आर्थिक सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था को संकट से उबारकर उसे एक मुक्त और प्रतिस्पर्धी प्रणाली में बदलना था। ये सुधार उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के सिद्धांतों पर आधारित थे। उदारीकरण के तहत लाइसेंस राज को समाप्त कर दिया गया, जिससे उद्योगों और व्यवसायों के लिए सरकारी मंजूरी की बाधाएं कम हो गईं और व्यापार करना सरल हुआ।

भारतीय बाजार को ग्लोबल अर्थव्यवस्था बनाना : सबसे पहला और अहम कदम था भारतीय बाजार को वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ ठीक से जोड़ना।

कृषि संबंधी नीति : 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत खराब थी। अर्थव्यवस्था को संकट से निकालने के लिए कृषि को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले भी लिये गये। भारतीय कृषि में कई बदलाव लायें। मसलन, उनके कार्यकाल में करीब 70 हजार करोड़ रुपये की देश की सबसे बड़ी किसान कर्ज माफी हुई। यह केवल कर्ज माफी नहीं थीस बल्कि इस कदम ने करोड़ों किसानों को कर्ज लेने के लिए पात्र बनाया जिनके ऊपर बैंकों का कर्ज होने से उनकी कर्ज लेने की पात्रता नहीं बची थी। 2004-14 के दौरान कृषि क्षेत्र और किसानों के लिए टर्म्स ऑफ ट्रेड बेहतर रही और इसके पीछे वैश्विक बाजार में कृषि जिंसों की ऊंची कीमत थी। इकोनॉमी की ग्रोथ के चलते 2004-05 से 2011-12 के बीच कृषि पर निर्भर वर्क फोर्स की संख्या में गिरावट आयी और यह 58 फीसदी से घट कर 48.9 फीसदी पर आ गयी थी। यह भारत के इतिहास में पहली बार हुआ, जब कृषि पर निर्भर लोगों की संख्या 26.86 करोड़ से घट कर 23.19 करोड़ रह गयी थी, लेकिन 2023-24 में यह बढ़ कर 46.1 फीसदी पर पहुंच गयी है। वैश्विक बाजार में कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी के चलते भारतीय किसानों के लिए 2004 से 2014 का दौर बेहतर कमाई वाला दौर रहा। इस बीच 2009 में करीब 70 हजार करोड़ रुपये की किसान कर्जमाफी का अभी तक का सबसे बड़ा फैसला उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल में ही हुआ।

विदेशी मुद्रा संकट से निजात : 1991 में भारत को विदेशी मुद्रा संकट का सामना करना पड़ा था, जब विदेशी मुद्रा भंडार केवल 1.2 बिलियन डॉलर था, जो महज तीन सप्ताह के आयात के लिए पर्याप्त था। यह स्थिति देश की आर्थिक स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बन गयी थी, लेकिन आज, वही भारत विदेशी मुद्रा भंडार में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिल रही है, और यह भंडार अब $655 बिलियन तक पहुंच चुका है। यह वृद्धि भारत की आर्थिक उदारीकरण और विकास की प्रक्रिया का परिणाम है।

सर्विस सेक्टर में आशातीत प्रगति: भारत को आज एक सर्विस-ड्रिवेन इकॉनमी के रूप में पहचाना जाता है और इसका मुख्य कारण यह है कि भारतीय जीडीपी में सेवा क्षेत्र का योगदान लगातार बढ़ रहा है।

डॉ मनमोहन सिंह आशावादी थे। वर्तमान परिवर्तन 1991 के आर्थिक सुधारों का परिणाम है। भारतीय अर्थव्यवस्था और देश के विकास को लेकर डॉ मनमोहन सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रहा। प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस की अल्पमत सरकार के वित्त मंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने न्यू इंडस्ट्रियल पॉलिसी 1991 के जरिये आर्थिक उदारीकरण का जो दौर शुरू हुआ, वह आज भी जारी है। वर्तमान सरकार भी किसी न किसी रूप में डॉ मनमोहन सिंह विकास मॉडल को स्वीकार करता है। प्रधानमंत्री के रूप में उनके दो कार्यकाल के दौरान सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम (मनरेगा) सहित परिवर्तनकारी नीतियों की शुरूआत हुई, जिसने लाखों लोगों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला।

(लेखक : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति हैं।)

देश-विदेश की खबरें

चंदन गुप्ता हत्याकांड में 28 दोषियों को उम्रकैद

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कासगंज के चर्चित चंदन गुप्ता हत्याकांड मामले में लखनऊ की एनआईए स्पेशल कोर्ट ने सजा का ऐलान कर दिया। शुक्रवार को कोर्ट ने सभी 28 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनायी है। इससे पहले दो आरोपियों को बरी कर दिया गया था। सजा के ऐलान से पहले हत्याकांड से जुड़ा एक दोषी सलीम व्हीलेचयर पर कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा।

उम्रकैद की सजा पाने वाले दोषियों में वसीम जावेद, नसीम जावेद, मोहम्मद जाहिद कुरैशी उर्फ जाहिद उर्फ जग्गा, आसिफ कुरैली उर्फ हिटलर, असलम कुरैशी, अकरम, तौफीक, खिल्लन, शवाब अली खान, राहत, सलमान, मोहसिन, आसिफ जिमवाला, साकिब, बबलू, नीशू उर्फ जीशान, वासिफ, इमरान, शमशाद, जफर, साकिर, खालिद परवेज, फैजान, इमरान, साकिर, मोहम्मद आमिर रफी, सलीम और मुनाजिर रफी का नाम शामिल है। इससे पहले एनआईए कोर्ट ने नसरुद्दीन और असीम कुरैशी को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था।

28 में से 26 दोषी अदालत में मौजूद थे

सांप्रदायिक हिंसा की प्रकृति की वजह से यह मामला काफी सुर्खियों में रहा जिसमें चंदन की मृत्यु से उस क्षेत्र में हिंसा भड़क गई थी। अदालत के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने आरोपियों को हत्या, हत्या के प्रयास, दंगा करने और राष्ट्रीय झंडे के अपमान का दोषी करार दिया था। इन 28 दोषियों में से 26 लोग अदालत में मौजूद थे, जबकि एक अभियुक्त मुनाजिर की पेशी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए जेल से हुई। अदालत ने एक अन्य आरोपी सलीम के लिए गिरफ्तारी का वारंट जारी किया जो मुकदमे में सुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहा।

कब हुआ था हत्याकांड

सरकारी वकीलों के मुताबिक, 26 जनवरी, 2018 की सुबह चंदन गुप्ता अपने भाई विवेक गुप्ता और अन्य साथियों के साथ गणतंत्र दिवस पर तिरंगा यात्रा में जा रहा था। जैसे ही जुलूस तहसील रोड पर जीजीआइसी के गेट के पास पहुंचा, सलीम, वसीम, नसीम और अन्य लोगों के एक समूह ने रास्ता रोक लिया और जुलूस रोक दिया। जब चंदन गुप्ता ने इसको लेकर आपत्ति की, स्थिति बिगड़ गयी और इन आरोपियों ने जुलूस में शामिल लोगों पर पथराव कर दिया और फायरिंग कर दी। मुख्य आरोपियों में से एक सलीम ने चंदन गुप्ता पर गोली चला दी जिससे चंदन घायल हो गया। चंदन का भाई और अन्य साथी उसे कासगंज थाना ले गए जहां से उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गयी।

दिल्ली में घना कोहरा के कारण 202 फ्लाइट्स लेट

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। देश के उत्तरी राज्यों में कड़ाके की ठंड का असर बना हुआ है। इसकी वजह से सैकड़ों फ्लाइट्स और ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को घने कोहरे की वजह से 202 फ्लाइट्स लेट हुईं। दिल्ली और आगरा से खुलने वाली कई ट्रेनें देर से खुलीं। 14 राज्यों में घने कोहरे का असर है। पंजाब के अमृतसर में जीरो विजिबिलिटी के कारण एयरपोर्ट बंद कर दिया गया। यहां फ्लाइट्स के ऑपरेशन रोक दिये गये हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में भी विजिबिलिटी और बर्फबारी की वजह से फ्लाइट्स ऑपरेशन बंद कर दिया गया है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में प्राइवेट प्लेन क्रैश, दो की मौत, 18 घायल

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया में गुरुवार को (भारतीय समयानुसार देर रात) एक छोटा प्लेन एक बिल्डिंग की छत से टकराकर क्रैश हो गया। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गये है, साथ ही 18 लोग घायल भी हुए है। पुलिस के मुताबिक 10 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है, जबकि 8 का मौके पर ही इलाज किया गया है। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पायी है। इसके अलावा अभी ये भी साफ नहीं को मृतक प्लेन में थे या जमीन पर। इस प्लेन ने ऑरेंज काउंटी के फुलर्टन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के 2 मिनट के अंदर ही यह क्रैश हो गया। मौके पर दमकल और पुलिस की टीम पहुंची हैं। बिल्डिंग में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। साथ आसपास के इलाके को खाली कर लिया गया है। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया उसमें फर्नीचर बनाने का काम होता है। हादसे के वक्त बिल्डिंग में लगभग 200 लोग काम कर रहे थे।

इमरजेंसी लैंडिंग केलिए लौटने वाला था प्लेन

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक ये एक सिंगल इंजन वाला वैन आरवी-10 विमान था। इसमें 4 लोग सवार हो सकते हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद एयरपोर्ट के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्लेन के मालिक का यहां हैंगर है और वह अक्सर यहीं से उड़ान भरता है। एक कर्मचारी के मुताबिक प्लेन के पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को बताया था कि वह इमरजेंसी लैंडिंग के लिए वापस लौट रहा है। हालांकि, प्लेन में क्या समस्या थी, इसकी ये साफ नहीं हो सका।

अन्ना यूनिवर्सिटी रेप मामले में भाजपा ने निकाली न्याय यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

चेन्नई। चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग स्टूडेंट के रेप केस को लेकर शुक्रवार को भाजपा ने मदुरै से चेन्नई तक न्याय यात्रा निकाली। चेन्नई पहुंचने पर पुलिस ने रैली को रोक दिया और प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की 15 सदस्यों को हिरासत में ले लिया।

भाजपा महिला नेताओं ने कहा कि वे पीड़ित के लिए न्याय की मांग कर शांतिपूर्ण तरीके से रैली निकाल रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और कई महिला नेताओं को घर में नजरबंद भी किया।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष ने डीएमके सरकार की आलोचना की। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने एक्स पर नजरबंद की गयी महिला नेताओं की फोटो अपलोड कीं। अन्नामलाई ने कहा कि तमिलनाडु की डीएमके सरकार में हिस्ट्रीशीटर और रेपिस्ट खुलेआम घूम रहे हैं लेकिन न्याय की मांग करने वाली भाजपा नेताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने लिखा डीएमके सरकार अपने विरोधियों को चुप कराने के लिए अत्याचार कर रही रही है। लेकिन भाजपा के कार्यकर्ता उत्पीड़न सहकर भी तमिलनाडु के लोगों के लिए लड़ेंगे।

डीएमके सरकार अपराधियों को बचा रही

तमिलनाडु और कर्नाटक में भाजपा के राष्ट्रीय सह प्रभारी डॉ. पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे लोगों को गिरफ्तार करना बताता है कि डीएमके सरकार अपराधियों को बचाने में लगी है।

शेख हसीना के पिता अब बांग्लादेश के राष्ट्रपिता नहीं

ढाका (आजाद सिपाही)। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने शेख हसीना के पिता और पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान की विरासत को मिटाना शुरू कर दिया है। मौजूदा सरकार ने बांग्लादेश की पाठ्य पुस्तकों में बदलाव करने का फैसला किया है। डेली स्टार के मुताबिक अब से किताब में बताया जाएगा कि साल 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने दिलाई थी। जियाउर रहमान बांग्लादेश की पूर्व राष्ट्रपति खालिदा जिया के पति थे। वे बांग्लादेश की आजादी के बाद को-आर्मी चीफ बने। बाद में वे देश के राष्ट्रपति भी बने। साल 1981 में सेना से जुड़े कुछ लोगों ने उनकी हत्या कर दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक नई किताब में मुजीब की राष्ट्रपिता की उपाधि को भी हटा दिया गया है। यह किताब प्राइमरी से लेकर सेकेंडरी लेवल तक के छात्रों को पढ़ाई जायेगी।

जमीन विवाद सुलझाने गयी पुलिस ने महिलाओं को जड़ा मुक्का

पथराव के बाद जेसीबी से दरवाजा उखाड़कर अंदर घुसी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

बिहार। बिहार के भोजपुर में आपसी विवाद सुलझाने गयी पुलिस पर घर के अंदर से पथराव किया गया है। इसके बाद पुलिस इस मामले पर एक्शन लेते हुए घर का दरवाजा जेसीबी तोड़ अंदर घुस गयी। इस दौरान पुलिस ने घर में मौजूद महिलाओं को लाठी से भी पीटा। पुलिसकर्मियों ने गुस्से में आकर महिलाओं के मुंह पर मुक्का भी जड़ा। मिली जानकारी के अनुसार घर के अंदर जाने पर कुत्ते ने थानेदार को काट लिया। यह घटना गुरुवार की शाम पीरो थाना इलाके के वार्ड नंबर 14 की बतायी जा रही है।

दो पुलिकर्मियों को आयी है चोट

बता दें कि इस पुलिस पथराव में दो पुलिसकर्मियों और एक राहगीर को हल्की चोटें आयी हैं। हंगामे के दौरान पीरो थानाध्यक्ष सुबोध कुमार को कुत्ते ने काटकर जख्मी कर दिया। सभी का इलाज पीरो अस्पताल में कराया जा रहा है। पीरो के सीओ लखेंद्र कुमार ने बताया कि 10 डिसमिल जमीन को लेकर दो रिश्तेदारों में काफी वक्त से विवाद चल रहा था। जमीन कलावती देवी से पीरो निवासी रामाधार प्रसाद ने खरीदी है, जिसका दाखिल खारिज भी किया जा चुका है।

जमीन का सीमांकन कराने गयी थी पुलिस की टीम

इस मामले में कलावती देवी के देवर त्रिवेणी प्रसाद और उनके परिवार के लोगों ने जमीन को अपना बताते हुए कोर्ट में केस किया था। कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया है। उन्होंने आगे बताया कि रामाधार प्रसाद ने जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदन दिया था। उनके आवेदन पर गुरुवार को वे पुलिस बल के साथ जमीन का सीमांकन कराने गये थे। पुलिस की टीम जेसीबी और ट्रैक्टर पर ईंट समेत दीवार जोड़ने का अन्य सामान लेकर मौके पर पहुंची। त्रिवेणी प्रसाद का घर अंदर से बंद था। पुलिस के मुताबिक जब गेट को खोलने की कोशिश की गयी तो उनलोगों ने पथराव शुरू कर दिया।

मेन गेट उखाड़कर अंदर घुसी थी पुलिस

इसके बाद पुलिस ने जेसीबी से मेन गेट को उखाड़ दिया और घर के अंदर घुस गयी। उसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया। पुलिस ने इस मामले में महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, सीओ ने जमीन का सीमांकन कर पुलिस टीम की मौजूदगी में वहां दीवार बनाकर घेराबंदी करायी मौके पर करीब दो घंटे तक अफरातफरी की स्थिति बनी रही। पीरो अनुमंडल के सीओ लखेंद्र कुमार ने बताया कि इस मामले में अलग अलग तीन प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

नाइस मिनी मार्ट का विधायक ने किया उद्घाटन

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। श्री बंशीधर रोड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एटीएम के निकट नाईस मिनी मार्ट का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। मिनी मार्ट का शुभारंभ विधायक अनंत प्रताप देव, शमीम खान, तस्लीम खान जूनियर और हफीज खलीफा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। तत्पश्चात मार्ट के प्रोपराईटर अबुताज बाबू ने विधायक को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उस मौके पर विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि श्री बंशीधर नगर जैसे छोटे से शहर में नाईस मिनी मार्ट खुल जाने से यहां के लोगों को खाने की सामग्री क्रय करने में काफी सुविधा होगी। मौके पर झामुमो केंद्रीय कमेटी सदस्य ताहीर अंसारी, सिटी मैनेजर प्रमेय मंडिलवार, जेई धर्मेंद्र कुमार, तस्लीम खान सीनियर, झामुमो नेत्री किरण देवी, आमीन खान, समाजसेवी महमूद आलम, कलाम खान, हफीज खलीफा, रंका सदर शोएब खलीफा, राजीव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

तिथि निर्धारित होने के बाद भी पंचायत भवन में जरूरतमंदों को नहीं मिला कंबल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के निर्देश के बाद भी भवनाथपुर पंचायत सचिवालय में कंबल लेने पहुंचे सैकड़ों गरीब, विधवा, दिव्या, वृद्ध लोगों को नहीं मिला कंबल। आक्रोशित लोगों ने पंचायत समिति सदस्य भवनाथपुर चंदन कुमार ठाकुर के नेतृत्व में प्रखंड कार्यालय पहुंच कर प्रखंड विकास पदाधिकारी नंदजी राम से मुलाकात कर कंबल वितरण कराने की मांग की। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी से बात करते हुए पंचायत समिति सदस्य चंदन कुमार ठाकुर ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी के निर्देश के बाद भी पंचायत सचिवालय में जरूरत मंद लोगों को कम्बल नहीं मिला दुखद है, साथ ही प्रखण्ड विकाश पदाधिकारी के निर्देश का भी उलंघन है। जल्द जरूरत मंद लोगों को कम्बल दिलाया जाए। मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने कई गरीब वृद्ध को कम्बल वितरण किए और पंचायत सचिव को जल्द पंचायत सचिवालय में कंबल वितरण करने का निर्देश दिए। मौके पर सूर्यवंती कुंवर, लालमणि देवी, सरिता कुंवर, तेतरी कुंवर, बुधनी कुंवर सहित सैकड़ों महिलाएं मौजूद थीं।

विस्थापित संघर्ष समिति का प्लांट की कटिंग के विरोध में 12 दिन से धरना-प्रदर्शन, ठंड में भी संघर्ष जारी

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। एशिया का सबसे बड़ा क्रशिंग प्लांट की नीलामी के बाद हो रही प्लांट की स्क्रैप कटिंग के विरोध में विस्थापित संघर्ष समिति के नेतृत्व आठ सूत्री मांगो को लेकर कड़ाके के ठंड में मजदूरों का धरना प्रदर्शन सेल के प्रशासनिक भवन के समक्ष 12वें दिन भी जारी रहा। विस्थापि संघर्ष समिति नें शुक्रवार को सेल कर्मचारीयों को एडीएम कार्यालय में हाजरी बनाने से रोका। विस्थापित संघर्ष समिति के संरक्षक सुशील चौबे नें कहा कि इस कड़ाके की ठंड में भी हम लोग सड़क पर डटे हुए हैं और अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं, लेकिन सेल प्रबंधन कोई असर नहीं हो रहा है। इस मौके पर विस्थापित संघर्ष समिति के अध्यक्ष बीरेंद्र साह, सिंदुरिया मुखिया नंदलाल पाठक, रामविजय साह, दीपक जायसवाल, धर्मेंद्र गुप्ता, लखन वियार, शंभू राम,जितेंद्र पाठक, मोहन साह, ददूली साह, बुधनी, चिंता, फुलवा, प्रमिला देवी सहित बड़ी संख्या में मजदूर मौजूद थे।

सावित्रीबाई फूले की जयंती मनायी गयी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। आज डीएवी मॉडल स्कूल गढ़वा में सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन दीप प्रज्वलित कर मनाया गया। इस अवसर पर कनक कुमारी, ग्रेसी कुमारी, रानी कुमारी, रिया कुमारी, अनुराधा कुमारी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किये। सावित्रीबाई फुले के बारे में बताते हुए निदेशक सुशील कुमार केसरी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले देश की पहली महिला शिक्षिका थी, जिनका जन्म महाराष्ट्र के सतारा में हुआ था उन्होंने पुणे में लड़कियों के लिए विद्यालय की स्थापना की। इस अवसर पर शिक्षक अंजनी कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार सिन्हा, ओम प्रकाश शर्मा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। सुलेखा गुप्ता ने कहा कि सावित्रीबाई फुले के योगदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर आरती कुमारी, श्वेता कुमारी, कोमल कुमारी, सिमरन कुमारी, शिवानी कुमारी, चंदन कुमार वीरेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

जवाहर नवोदय और ज्ञान निकेतन ने अपने-अपने मैच जीते

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति के तत्वाधान में गोविंद हाई स्कूल के मैदान में खेले जा रहे 23वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के 18वें दिन खेले गये मैच में जवाहर नवोदय विद्यालय ने साउथ पॉइंट को 37 रन से हराया, वहीं दूसरे मैच में ज्ञान निकेतन की टीम ने रोमांचक मुकाबले में एक रन से संत पॉल को हराकर क्वाटर फाईनल में प्रवेश किया। मैंन ऑफ द मैच का पुरस्कार जवाहर नवोदय के अभिषेक को और संत पॉल के प्रतीक को प्रतियोगिता के उपाध्यक्ष नंद कुमार गुप्ता ने प्रदान किया। इस मौके पर सचिव आनंद सिन्हा सह सचिव प्रिंस सोनी, कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार दुबे, अभिषेक द्विवेदी, अभय दुबे, मनीष उपाध्याय, रोहन, धीरज, आकाश, प्रिंस, आलोक, मनोज, गोलु सहित कई लोग उपस्थित थे।

बाघ ने कई पशुओं पर किया हमला, इलाके में एलर्ट जारी, जंगल में नहीं जायें लोग

रमकंडा (आजाद सिपाही)। भंडरिया के जंगलों में बाघ के होने के दावों के बीच गुरुवार की रात बाघ ने भंडरिया वन क्षेत्र के रोदो के जंगलों में इंद्रदेव यादव के भैंस पर हमला कर उसे घायल कर दिया। वहीं दूसरी घटना में बाघ ने रमकंडा के बलिगढ़ पंचायत के बैदेशी टोला पहुंचकर हुलास सिंह के पशुधन पर हमला कर मार डाला। मामले की जानकारी के बाद रोदो गांव के पशुपालक इंद्रदेव अपने भैंस का इलाज करा रहा है। सूचना के बाद वन विभाग ने रमकंडा भंडरिया के क्षेत्रों में अलर्ट जारी करते हुए लोगों को जंगलों में नही जाने की चेतावनी जारी की है। इधर घटना के बाद वन विभाग की टीम टाइगर को ट्रैक कर रही है। हालांकि वन विभाग को अभी तक ट्रैपिंग कैमराके तस्वीर या कोई फुटमार्क नही मिला है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले भंडरिया के संगाली गांव के जंगलों में बाघ के होने का दावा स्थानीय ग्रामीणों ने किया था। वहीं पिछले 13 नवंबर की रात बड़गड़ थाना क्षेत्र के बहेराखांड़ में पशुधन का शिकार करने के बाद भंडरिया क्षेत्र के जंगलों से होकर कोयल नदी पार कर बाघ पलामु टाइगर रिजर्व एरिया में पहुंच गया था। जिसकी पुष्टि वन

मुआवजा को लेकर ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य रोका

संवेदक की शिकायत पर पुलिस प्रशासन के साथ पहुंचे पथ निर्माण विभाग के इइ, ग्रामीण मुआवजे की मांग पर अड़े

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। एनएच 75 खजुरी से अरंगी होते पचफेड़ी तक बन रहे सड़क निर्माण कार्य को खजुरी गांव के स्थानीय ग्रामीणों ने मुआवजा को लेकर शुक्रवार को कार्य को रोक दिया। संवेदक द्वारा निर्माण कार्य रोके जाने की सूचना पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को दी गयी, सूचना पर ईई मजहर हुसैन, दंडाधिकारी विवेक पांडे तथा नीरज मिश्रा पुलिस बल के साथ कार्यस्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझने का प्रयास किया, परंतु ग्रामीण मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। अधिकारियों ने कहा कि निर्माण कार्य होने दे मुआवजा की प्रक्रिया भू अर्जन विभाग देखा है। वहीं अंचल अमीन को मौके पर बुलाने पर अंचल अमीन ने बताया की यह भूमि गैरमजरुआ प्रतिबंधित है, हालांकि उसने बताया की इसकी मापी कर संबंधित रैयत के नाम से गढ़वा अंचल पदाधिकारी को इससे संबंधित मुआवजा के लिए दस्तावेज सौंप दिया है। इधर सड़क निर्माण कंपनी के पीएम राजू कुमार ने बताया कि मुआवजे की राशि को लेकर भू-अर्जन में प्रक्रियाधीन है, लेकिन समय को देखते हुए कार्य का प्रोग्रेस को लेकर सड़क निर्माण किया जा रहा है। मुआवजे की मांग कर रहे रैयत सुनील चंद्रवशी, सुनील यादव, अशोक प्रसाद यादव, शिवनारायण यादव, राजन कुमार यादव, मदन यादव, उमेश यादव सहित अन्य लोगो ने बिना मुआवजा काम नहीं करने देने की जिद पर अड़े हुई थे। वहीं दंडाधिकारी विवेक पांडेय तथा नीरज मिश्रा ने काम नहीं रोकने की चेतावनी दी परंतु ग्रामीण पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। वहीं बिकताम गांव निवासी उपेंद्र सिंह, लक्ष्मी चंद्रवंशी, सोहराई चंद्रवंशी, प्रदीप चंद्रवंशी, राम चलीतर कुशवाहा, राम राज सिंह आदि लोगो ने मुआवजे को लेकर उपयुक्त को आवेदन देने की बात कही।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। समाहरणालय परिसर से जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त शेखर जमुआर के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ 01 जनवरी 2025 से लेकर 31 जनवरी 2025 तक चलाया जायेगा।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने बताया कि यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों में भ्रमण कर सड़क सुरक्षा के आयामों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगा तथा इसमें लोगों को ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की जायेगी। उन्होंने अपील किया कि मोटरसाइकिल का परिचालन हेलमेट पहनकर निर्धारित गतिसीमा में करें, चौपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए लोगों को प्रेरित किए जाएं ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। उक्त मौके पर उपविकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, जिला परिवहन पदाधिकारी धीरज प्रकाश सहित जिला परिवहन कार्यालय कर्मीगण मौजूद थे।

एटीएम से सभी को होगी सुविधा : उपायुक्त

समाहरणालय में खुला एटीएम, उपायुक्त ने किया उद्घाटन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय डाल्टनगंज के सौजन्य से गढ़वा समाहरणालय में लगाये गये एसबीआई एटीएम का शुक्रवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त शेखर जमुआर ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान उपायुक्त ने एसबीआई एटीएम की विशेषताओं की जानकारी लेने के उपरांत इसके सफल संचालन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि एसबीआई का एटीएम लग जाने से समाहरणालय आने वाले आमजनों और कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेग। मौके पर भवनाथपुर विधायक अनंत प्रताप देव, डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रेम कुमार झा, चीफ मैनेजर डिपॉजिट एंड वास कुमार सुमित, चीफ मैनेजर गढ़वा प्रशांत श्रीवास्तव, लीड बैंक मैनेजर सत्यदेव रंजन, चैनल मैनेजर प्रत्युष समेत अन्य उपस्थित थे।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

दुधवल पंचायत के उपमुखिया को वित्तीय शक्ति नहीं मिलने से मनरेगा मजदूर पलायन को मजबूर

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका प्रखंड अंतर्गत दुधवल पंचायत में उपमुखिया सुनैना देवी को मुखिया की शक्ति नहीं मिलने से पंचायत की मनरेगा मजदूर अन्यत्र पलायन को मजबूर हैं। उप मुखिया सुनैना देवी और ग्रामीण जनता ने रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी से मिलने पहुंचे, किंतु मुलाकात नहीं होने के कारण वापस लौट गये। गौरतलब है कि दुधवल पंचायत की उपमुखिया सुनैना देवी ने रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा उपमुखिया को प्रभार हस्तांतरण संबंधि पत्र 18 दिसंबर 2024 को दी थी। उपमुखिया सुनैना देवी ने पंचायत से संबंधित सभी अभिलेख, डोंगल और अन्य दस्तावेजों के साथ शक्ति प्रदान करने कि मांग बीडीओ से 24 दिसंबर 2024 को ही की थी, किंतु आज तक डोंगल वगैरह शक्तियां नहीं मिलने से वह पंचायत में संचालित मनरेगा आदि योजनाओं में अपने कार्यों का निर्वहन नहीं कर पा रही हैं। जिससे दुधवल पंचायत के मजदूर किसान पांच महीनों से दूसरे राज्यों में रोजगार की तलाश में पलायन करने को मजबूर हैं। ज्ञात हो कि दुधवल पंचायत के मुखिया इजहार अंसारी पर लगे व्यक्तिगत आरोप के कारण 31 अगस्त को गिरफ्तार हुए और उसी समय से निलंबित करते हुए उपमुखिया सुनैना देवी को शक्तियों, कार्यों और कर्तव्यों के निर्वहन हेतु आदेश उपायुक्त गढ़वा ने रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया था। किंतु उपायुक्त की आदेश के बावजूद भी प्रभार तत्काल नहीं देकर रंका प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनों ने प्रभार हस्तांतरण संबंधित पत्र 18 दिसंबर 2024 को दिया। उपमुखिया सुनैना देवी ने डीएसी अप्रूव कराने हेतु रंका प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को दिया था, किंतु अभी तक उपमुखिया को व्यावहारिक शक्ति प्रदान नहीं किया जा सका है। इस मौके पर उपमुखिया सुनैना देवी, उपमुखिया पति प्रतिनिधि अशोक लोहरा, नंदकुमार सिंह, उपेंद्र यादव, सरवन सिंह, अंसारी एजाज अंसारी, साकमानी देवी, देवेंद्र सिंह वार्ड सदस्य, सोमनाथ भुईहर वार्ड सदस्य, प्रेम सिंह वार्ड सदस्य उपस्थित थे।

कड़ाके की ठंड शुरू, गरीबों को अब तक नहीं मिला कंबल

जितेंद्र यादव

बीडीओ ने कहा : मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी देवलाल करमाली ने बताया कि कंबल प्राप्त हुआ है शुक्रवार को ही कुछ पंचायतों को वितरण के लिए दिया गया है। दो दिनों के अंदर सभी जरूरतमंद के बीच कंबल का वितरण किया जायेगा।

डंडई (आजाद सिपाही)। डंडई प्रखंड में पड़ रही कड़ाके की ठंड से ठीकुर रहे वृद्ध, असहाय, जरूरतमंदो को अब तक सरकार के द्वारा मिलने वाले निःशुल्क कंबल का वितरण नहीं हो सका। वैसे लोग मजबूरन पूरे दिन अलाव के व्यवस्था में लगे रहते है। बैलझखड़ा गांव के बैगा टोला निवासी विश्वनाथ परहिया, दुर्गा परहिया, मुंशी परहिया, गहन परहिया, मंगल परहिया सहित उक्त टोला के अन्य लोग इस ठंड से बचाव के लिए पूरे दिन लकड़ी, झुरी के व्यवस्था में लगे रहते हैं। इस दौरान विश्वनाथ परहिया ने बताया कि पिछले कई दिनों से कनकनी बढ़ गईल बा, इस ठंड व कनकनी से बचाव के लिए दूसरा कोई उपाय नइखे, इससे झुरी का सहारा लेना पड़ता है। सरकार के द्वारा अभी तक कम्बल नइखे मिलल बाबू वही प्रखंड अतिसुदूरवर्ती क्षेत्र लावादोनी, फुलवार, चकरी, लोरा, सिकारिया, फुलवार गांव सहित गांव के कोरवा,परहिया जनजाति के साथ वृद्ध, असहाय, जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े के अभाव में ठिठुरना पड़ रहा है। क्षेत्र में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड को शुरू हो जाने के बाद भी सरकार के द्वारा मिलने वाला कंबल हम लोगों को अभी तक नहीं मिल सका है। जिससे इस ठंड में हम लोगों को जीना मुहाल हो गया है। अगर सरकार के द्वारा कंबल की व्यवस्था मिल जाती तो हम लोग इस ठंड की मार से बच जाते वही लावादोनी गांव के कई असहाय लोगों ने भी अपना दर्द बयां करते बताया कि हमलोग का घर जंगली इलाके में होने के कारण बहुत ज्यादा ठंड लगती है ठंड से बचने के लिए हमलोग के पास सिर्फ एक आग का ही सहारा है।

एसपी ने व्यवहार न्यायालय का किया औचक निरीक्षण

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। जिले के एसपी दीपक कुमार पांडेय ने शुक्रवार को अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवहार न्यायालय की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर न्यायालय परिसर के अंदर के कई स्थानों का जायजा लिया तथा पुलिस पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एसपी ने न्यायालय की सुरक्षा को लेकर लगाये गये सुरक्षा कर्मियों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। मौके पर थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक, पुलिस पदाधिकारी शशिकांत शुक्ला सहित पुलिस के जवान मौजूद थे।

क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला कल

कांडी (आजाद सिपाही)। स्वर्गीय राम प्रसाद सिंह मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 का खिताबी मुकाबला 5 जनवरी को 12 बजे दिन में खेला जायेगा। बिहार और झारखंड के बीच भिड़ंत के रूप में चर्चित इस मुकाबले में झारखंड राज्य अंतर्गत मझिआंव प्रखंड क्षेत्र के मोरबे और बिहार राज्य अंतर्गत रोहतास जिला के नौहट्टा प्रखंड के तिलोखर गांव की टीमों के बीच मुकाबला होगा। इस फाइनल मैच के दौरान आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेश प्रसाद सिंह होंगे।

घर में भी बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों पर नजर रखें अभिभावक : निदेशक

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जीएन कॉन्वेंट स्कूल में अभिभावकों और शिक्षकों की हुई संगोष्ठी। स्थानीय जीएन कॉन्वेंट स्कूल में बच्चों के शैक्षणिक विकास और बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए अभिभावक - शिक्षक गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक मदन केशरी, सचिव सुषमा केशरी एवं उपप्राचार्य बसंत ठाकुर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक वीरेंद्र साह, विकास कुमार, नीलम कुमारी, शिवानी कुमारी, पूजा प्रकाश, सुनीता कुमारी खुर्शीद आलम सहित अन्य अभिभावक गण उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन सुषमा केशरी ने की।07

प्रदेश रौनियार वैश्य महासभा भवनाथपुर इकाई का गठन, गुप्तेश्वर बने अध्यक्ष

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। सूर्य मंदिर भवनाथपुर में जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता की अध्यक्षता में झारखंड प्रदेश रौनियार वैश्य महासभा भवनाथपुर इकाई का पुनर्गठन हुआ। अध्यक्ष के लिए गुप्तेश्वर प्रसाद सहित सभी पदाधिकारी का चयन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से गुप्तेश्वर प्रसाद को अध्यक्ष सत्येंद्र गुप्ता को सचिव संजय प्रसाद गुप्ता को कोषाध्यक्ष, विजय प्रसाद गुप्ता को उपाध्यक्ष दीपू गुप्ता को उप सचिव राजकुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता को संगठन मंत्री एवम संरक्षक के रूप में अशोक कुमार गुप्ता एवं सीताराम गुप्ता का मनोनीत किया गया। इस मौके पर जिला कमेटी के नवल प्रसाद गुप्ता संजय, पप्पू, विश्वनाथ प्रसाद सहित कई भवनाथपुर प्रखंड के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यालयः–
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सामु0 स्वा0 केन्द्र, ईटखोरी (चतरा)
(Email Id-chcitkhori@gmail.com)

सुचना

एतद द्वारा ईटखोरी प्रखंड अंतर्गत सभी अल्ट्रासाउंड संचालको को सूचित किया जाता है कि नोडल पदाधिकारी मातृत्व स्वास्थ्य कोषांग, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 9/RCH-380/2015–2803 (P.C.H) राँची दिनांक 29–10–2024 के आलोक में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) के अंतर्गत सभी गर्भवती महिलाओ को अल्ट्रासाउंड के संशोधित CGHS दर मो0 425=00 रु0 प्रति लाभार्थी भुगतान किये जाने का निदेश है।

उक्त के आलोक में इच्छुक अल्ट्रासाउंड संचालको को निदेश दिया जाता है कि MOU हेतु अल्ट्रासाउंड से सम्बन्धित सभी कागजात 03 दिनों के अंदर कार्यालय को समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी
सामु0 स्वा0 केंद्र, इटखोरी

PR 343504 (Health Med Edu and Family Welfare)24-25*D

Government of Jharkhand
Department of School Education and Literacy
(Jharkhand Education Project Council, Ranchi)
JSCA Stadium Road, Sector- III, Dhurwa, Ranchi-834004
Phone: 0651-2444501, E-Mail: jepcranchi1@gmail.com

e-Procurement Notice – 2nd Call

JEPC invites Separate Technical & Financial Bids through e-procurement method from eligible and interested contractors registered in appropriate class for Construction of Additional Class Room in Existing Secondary and Higher Secondary Schools located in different 18 Districts of Jharkhand. Interested and eligible bidders are requested to submit their proposal latest by 2:00 PM on 15.01.2025.

The details of tender documents can be seen and applied through website https://jharkhandtendenders.gov.in only. Tender notification & Tender document can also be seen (read only purpose) from departmental website https://jepc.jharkhand.gov.in.

(Shashi Ranjan)
State Project Director
Jharkhand Education Project Council

Ref. No.: JEPC/CIV/03/964/2024/Part I/ 16 Ranchi, Date: 02.01.2025

PR.NO.343475 Jharkhand Education Project Council(24-25):D

जिला खनन कार्यालय, चतरा

आम–सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **Draft Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Amendment Bill, 2024** को आम जनता का मंतव्य/सुझाव तथा व्यापक प्रचार–प्रचार हेतु जिले के बेवसाईट NIC Portal– htts://Chatra.nic.in पर Upload किया गया है, जिसे निःशुल्क डाउनलोड कर देखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा The Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Amendment Bill, 2024 के प्रारूप पर आम जनता का मंतव्य/सुझाव की मांग की गई है।

अतएव, उक्त के आलोक में अनुरोध है कि **Draft Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Amendment Bill, 2024** पर यदि किसी व्यक्ति/संस्था/प्रतिष्ठान को कोई आपत्ति अथवा सुझाव देना हो, तो जिला खनन कार्यालय, चतरा में किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में सम्पर्क स्थापित कर लिखित रूप में या कार्यालय ई–मेल dmo-chatra@jharkhandmail.gov.in पर आपत्ति अथवा सुझाव भेजा जा सकता है।

जिला खनन पदाधिकारी,
चतरा।

PR.NO.343459 Mines and Geology(24-25):D

सांसद ने मुख्यमंत्री से की मुलकात, सौंपा मांग पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात। सांसद ने सीएम को गुलदस्ता सौंपते हुए, नववर्ष की शुभकामनाएं दी। कालीचरण मुंडा ने हेमंत सोरेन पर विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि आपके नेतृत्व में झारखंड तरक्की की बुलंदियों को छू लेगा। राज्य के विकास और सफलता के कई आयाम सरकार के पांच वर्षों के कार्यकाल में लिखे जायेंगे। सांसद ने मुख्यमंत्री से खूंटी लोकसभा क्षेत्र के तमाड़ और खरसावां विधानसभा क्षेत्र के पिछड़े इलाकों की समस्याओं को लेकर चर्चा की। सांसद ने सीएम से कहा कि इन दोनो विधानसभा क्षेत्रों के पिछड़े इलाकों का विकास पर अत्यंत जरूरी है। सीएम ने सांसद को भरोसा दिया कि पिछड़े इलाकों के विकास को प्राथमिकता दी जायेगी। सांसद कालीचरण मुंडा ने सीएम से मुलाकात के दौरान खूंटी लोकसभा क्षेत्र की योजनाओं को स्वीकृति देने के लिए एक पत्र सौंपा, जिसमें रांची-सिमडेगा पथ पर स्थित उरमी से गोविंदपुर रेलवे स्टेशन भाया गोविंदपुर 15 किमी लंबी सड़क और कारो नदी पर पुल का निर्माण, एनएच 33 (रांची-जमशेदपुर सड़क) पर स्थित सलगाडीह से जामडी तक 16.2 किमी लंबी सड़क और राजा बाजार से लेबेद के बीच करकरी नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की योजनाएं शामिल हैं।

जन आरोग्य समिति की नवाडीह में हुई बैठक

मैक्लुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। हेल्थ एंड वेल्थ सेंटर नवाडीह मे मुखिया पुतुल देवी की अध्यक्षता में जन आरोग्य समिति की बैठक हुई। बैठक में केंद्र की सीएचओ सचिव, एएनएम सदस्य और समिति के सदस्य शामिल हुए। बैठक में स्वास्थ्य केंद्र की वर्तमान स्थिति एव स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली गयी। मुखिया पुतुल देवी ने स्वास्थ्य केंद्र में दवा की उपलब्धता और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। केंद्र की एएनएम बिंदु कुमारी ने स्वास्थ्य केंद्र में वर्तमान समय में उपलब्ध सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य जांच के अलावा गर्भवती महिलाओं के प्रसव की सुविधा उपलब्ध की जानकारी दी। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्र की अन्य सुविधाओं और समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही अनटाइड फंड से अस्पताल के लिए खरीदे गये समान और खर्च की जानकारी दी इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्र के क्षतिग्रस्त बाउंड्री,खराब बेसिन,दवाओं की कमी को लेकर चर्चा की गयी । उपस्थित सदस्यों ने स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्था ठीक करने पर चर्चा की गयी। इसके लिए विभागीय स्तर पर भी समस्या रखने की बात हुई। इस मौके पर एएनएम सिंटू कुमारी, मुखिया पुष्पा खलखो, स्वास्थ्य कर्मी सुमित कुमार, शिवनारायण लोहरा, दिनेश प्रसाद, रॉकी पाहन, रीता वर्मा, निखिल कुमारी मुंडा, कारो देवी उपस्थित थे।

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता हुई

खूंटी (आजाद सिपाही)। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, खूंटी में जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सात बालक और छह बालिका टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा ने किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में विधायक ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किये और सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बालिका वर्ग में डे बोर्डिंग सेंटर खूंटी ने जीता खिताब। बालिका वर्ग के फाइनल में खूंटी डे बोर्डिंग सेंटर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोविंदपुर डे बोर्डिंग को हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को विधायक, ने ट्रॉफी और हॉकी स्टीक प्रदान की, जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी और जर्सी से सम्मानित किया गया। समय की कमी के कारण बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला नहीं हो सका। अब यह मुकाबला चार जनवरी को होगा। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा का जीवन और योगदान सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। खेल के माध्यम से युवाओं को एकजुट करने और उनके भविष्य को उज्जवल बनाने का यह प्रयास सराहनीय है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सावित्रीबाई फूले और जयपाल सिंह मुंडा की मनायी गयी जयंती

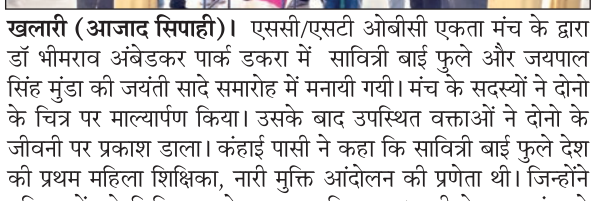

खलारी (आजाद सिपाही)। एससी/एसटी ओबीसी एकता मंच के द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क डकरा में सावित्री बाई फुले और जयपाल सिंह मुंडा की जयंती सादे समारोह में मनायी गयी। मंच के सदस्यों ने दोनो के चित्र पर माल्यार्पण किया। उसके बाद उपस्थित वक्ताओं ने दोनो के जीवनी पर प्रकाश डाला। कंहाई पासी ने कहा कि सावित्री बाई फुले देश की प्रथम महिला शिक्षिका, नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता थी। जिन्होंने महिलाओं को शिक्षित करने का काम किया था। वही देवपाल मुंडा ने कहा कि जयपाल सिंह मुंडा झारखंड के महान हॉकी खिलाड़ी थे। साथ ही संविधान सभा के सदस्य थे जिन्होंने आदिवासी समुदाय के विकास एव अलग झारखंड राज्य की मांग की थी। इस मौके पर देवपाल मुंडा, कंहाई पासी, जगन्नाथ महतो, महेंद्र उरांव, रमेश भोगता, बहुरा मुंडा, असरफी रामसुखराम सेठ, हलीम खान, अमरलाल सतनामी, जगदीश गंझू, विजय उरांव, भावेश वर्मा,उमेश लोहरा, बालेश्वर उरांव, नित्यानंद सहित कई लोग मौजूद थे।

बकसपुर जंगल से पीएलएफआइ के तीन सक्रिय नक्सली गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। कर्रा, तोरपा, कमडारा जरियागढ़ आदि थानों में पुलिस के लिए परेशानी का सबब बन चुके प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआइ के तीन सक्रिय नक्सलियों को पुलिस ने गुरुवार को जरिगढ़ थाना के बकसपुर जंगल से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सलियों में कुख्यात नक्सली प्रशांत कुमार उर्फ डब्लू, कमलेश गोप उर्फ लंबू और राम दयाल सिहं उर्फ करम दयाल सिह शामिल है। पकड़े गये नक्सलियों के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, पीएलएफाआइ के 14 पर्चे और चार मोबाइल बरामद किये गये हैं। यह जानकारी तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खिस्टोफर केरकेट्टा ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी। बताया गया कि प्रशांत कामडारा थाना क्षेत्र के कुली गांव का रहनेवाला है, जबकि कमलेश गोप बकसपुर किनुटोली और राम दयाल सिंह बड़का रेगरे गांव का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि प्रशांत एक साल तक जेल में रहने के बाद हाल में जमानत पर बाहर निकला है और नक्सली गतिविधियों में संलिप्त हो गया। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआइ के कुछ नक्सली किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं और बकसपुर जंगल में जमा हैं। सूचना के आलोक में एसडीपीओ खिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर जंगल में छापामारी की गयी और तीनों नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में एसडीपीओ के अलावा पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, जरियागढ़ के थाना प्रभारी राजू कुमार, रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जयसवाल, कमडारा के थाना प्रभारी शशि कुमार, कमडारा थाना के एसआइ नीरज कुमार, जरियागढ़ थाना के एसआई मनीष कुमार के अलावा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पिपरवार के होशिर और बचरा बस्ती के लोग जहरीले राख की ढुलाई से परेशान

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा बस्ती और होशिर गांव के लोग इन दिनों फ्लाई एश जहरीले राख की ढुलाई से काफी परेशान है। जहरीले राख की ढुलाई होने से पूरा गांव प्रदूषण की चपेट में आ गया है। लोगो को घर के बाहर के अलावा घरों में भी परेशानी हो रही है। जहरीले राख की ढुलाई होने से उक्त सड़कों पर जगह-जगह फ्लाई एश की परत जमा हो गयी है जो प्रदूषण बनाकर लोगों के घरों और दुकानों तक पहुंच रहा है। इस संबंध में स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि रात होने के साथ ही बचरा बस्ती होते हुए होशिर के रास्ते जहरीले राख की ढुलाई मे लगे वाहनों का परिचालन काफी तेज गति से हो रहा है। जहरीले राख ढुलाई के दौरान सड़को के कई जगहो पर राख की परत जमा हो रही है, जो सूखने के बाद प्रदुषण बनकर लोगों के घरों और दुकानों में पहुंच रहा है, जिससे लोगों का जीना मुहाल हो गया है। वही तेज गति से जहरीले राख ढुलाई के दौरान दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने कहा कि पहले यह मार्ग काफी जर्जर था, लेकिन लोग शांति से रहते थे, लेकिन जब से सड़क बनी है तब से कोल वाहन एंव जहरीले राख की ढुलाई होने से लगातार इस मार्ग पर सड़क दुर्घटना हो रही है जिससे आम जनता को काफी नुकसान पहुंच रहा है। बचरा उतरी पंचायत के पूर्व उप मुखिया महेंद्र कुमार महतो ने बताया कि कोल वाहन से जहां सड़क दुर्घटना में लगातार वृद्धि हो रही है तो वहीं अब जहरीले राख ढुलाई से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण से लोग काफी परेशान हैं। प्रदूषण के कारण गांव की हरियाली भरा वातावरण समाप्त होती जा रही है। वहीं प्रदूषण से लोग विभिन्न बीमारियों से भी ग्रसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ सभी ग्रामीण गोलबंद हो रहे हैं और ग्रामीणों के द्वारा कभी भी इसके खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जा सकता है। उन्होंने स्थानीय पुलिस प्रशासन से इस पर ठोस पहल करने की मांग की है।

खलारी प्रखंड में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी प्रखंड परिसर स्थित राजीव गांधी सेवा केंद्र के सभागार में शुक्रवार को ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम बैच में ग्राम पंचायत बमने, बिश्रामपुर, बुकबुका, चूरी पूर्वी, चूरी मध्य, चूरी उत्तरी, चूरी पश्चिमी का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम दिन के दौरान मास्टर ट्रेनर पंकज ठाकुर द्वारा जन योजना अभियान सबकी योजना सबका विकास के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु एलएसडीजी विषय आधारित वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने के लिए गांव की समस्याओं को पहचानने, उसके कारणों का पता लगाकर योजना तैयार करने से संबंधित संपूर्ण जानकारी दी गयी। इस अवसर पर सातों ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव, वीपीआरपी फैसिलिटेटर के एक सदस्य, जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, पंचायत के पंचायत सहायक, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक पंचायती राज, लेखा सह कंप्यूटर ऑपरेटर 15वे वित्त विभाग सहित अन्य उपस्थित हुए।

सीआरपीएफ ने शहीद वाल्टर गुड़िया को दी श्रद्धांजलि

खूंटी (आजाद सिपाही)। देश के लिए अपने प्राण उत्सर्ग करने वाले शहीद वाल्टर गुड़िया के शहादत दिवस के मौके पर सीआरपीएफ 94 बटालियन की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। बटालियन के उप कमांडेंट संतोष कुमार के ने तोरपा स्थित शहीद वाल्टर गुड़िया की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। मौके पर उप कमांडेंट ने वीर नारी राहिल गुड़िया को शॉल और साड़ी द्रेकर सम्मानित किया और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। मौके पर शहीद की पत्नी राहिल गुड़िया, उनके पुत्र विश गुड़िया, तोरपा के मुखिया जोन टोपनो, मार्शल मुंडू, सहित कई लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके पूर्व जीइएल चर्च दियांकेल के पादरी अमृत भेंगरा ने ईसाई रीति के अनुसार प्रार्थना की। इस संबंध में उप कमांडेंट ने बताया कि की लोगों में देश भक्ति की भावना को बढ़ावा देने और देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देनेवाले शहीद नायकों की वीरता और बलिदान का सम्मान करने के लिए सीआरपीएफ इस तरह कार्यक्रमों का आयोजन करती है। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन तीन जनवरी 1988 को पंजाब में तैनाती के दौरान उग्रवादियों से लोहा लेते हुए वाल्टर गुड़िया ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

कल्याणपुर चौक में मनायी गयी स्वर्गीय बांदे उरांव की दसवीं पुण्यतिथि

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर चौक में गुरुवार को स्व. बांदे उरांव की 10वीं पुण्यतिथी मनायी गयी। इस मौके पर सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर और उनके चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम मे स्व बांदे उरांव अमर रहे, जब तक सुरज चांद रहेगा बांदे उरांव तेरा नाम रहेगा, का जोरदार नारा भी लगाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंद्रजीत उरांव व संचालन पंकज दास ने किया। बतौर मुख्य अतिथि मे रूप मे रैयत विस्थापित मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन ने कहा कि स्व बांदे उरांव कल्याणपुर पंचायत के मुखिया के साथ-साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय नेता भी थे। उन्होंने अलग राज्य की लड़ाई को इस क्षेत्र से गति देने का काम किए थे। उनके मुखिया कार्यकाल में कई स्कूल, पुल पुलिया, भवन, सड़क, निर्माण, बाजार, मेला आदि का विस्तार किया गया। वे सादा जीवन उच्च विचार के धनी थे। वह हम सबों के लिए प्रेरणा स्त्रोत थे। क्षेत्र मे उनके द्वारा किये गयेए कार्यों को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। पुण्यतिथी के अवसर पर गरीब असहाय महिलाओ और पुरुषो के बीच कम्बल का वितरण किया गया। इस मौके पर झामुमो नेत्री सरोज देवी, धनेशवर गंझु, जेपी महाराज, बीरु मुंडा, मोहम्मद जुलफान, शंकर साव, जयपाल उरांव, दिरपाल उरांव, सुसिन देवी, मनीषा कुजूर, राजेश ठाकुर सहित कई लोग मौजुद थे।

सोनाहातू क्षेत्र में जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर मचाया उत्पात, घर को क्षतिग्रस्त किया

करीब 10 एकड़ में लगी लौकी, आलू की फसलों को किया बर्बाद

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में बीते रात 50 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड ने जमकर उत्पात मचाया है, कहीं घर को गिराया तो कहीं किसानों के कई एकड़ में लगे मौसमी सब्जी फसलों लौकी, आलू को मन भर खाया फिर पैरों तले रौंदकर बर्बाद कर दिया। वही कहीं किसी के खलियान में रखें धान को पूरी तरह खाया। बिरदीडीह के देवेंद्र नाथ महतो के घर को गिराया एवं दुबरू हजाम के घर के चाली को गिराया और घर में रखे धान को खाया। घरवालों का कहना है कि किसी तरह जान बचाने में सफल रहे। काफी मशक्कत के बाद घर से दूर भगाने में सफल रहे। वहीं सुरेंद्र नाथ महतो, सहदर महतो के धान को खाया और नष्ट किया। डिबाडीह गांव के सृस्टिधर प्रजापति, गणेश कुम्हार, राधाकृष्ण महतो, केशव महतो, नरेन महतो, रशो कुम्हार के लौकी और आलू के सब्जी को पूरी तरह बर्बाद किया। बनडीह के अजीत महतो, दीनबंधु महतो, सुरेश महतो, खिरोधर महतो, तेजू मुंडा, शंभू नाथ सिंह मुंडा, निर्मल प्रमाणिक, वीरेन महतो, इंद्रदेव महतो, साहेब प्रमाणिक, ब्रजेश महतो आदि के लौकी आलू और धान के फसल को मनभर खाया और रौंद कर बर्बाद किया।

वहीं जाड़ेया के सुबल महतो के आलू को पैरों तले कुचलकर पूरी तरह बर्बाद कर दिया। बता दें कि बहुत दिनों से जंगली हाथियों के झुंड क्षेत्र में नहीं प्रवेश करने के कारण गांव का माहौल पूरी तरह शांत था, लेकिन फिर से जंगली हाथियों का झुंड गांव की ओर रुक कर चुका है। वन विभाग के अधिकारी रातभर जंगली हाथियों के झुंड को एक सुरक्षित स्थान पहचाने में लगे रहे, लेकिन असफल रहे। किसानों का कहना है कि हमारे जितने भी मौसमी सब्जी लौकी, आलू और धान के फसल बर्बाद हुए हैं सभी का एक उचित मूल्यांकन कर तत्काल मुआवजा देने का कोशिश किया जाय।

आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती मनायी

बुंडू (आजाद सिपाही)। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की 123वीं जयंती गितिलडीह में शुक्रवार को आदिवासी संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में ग्रामीणों ने मनायी। सर्व प्रथम मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अमर रहे, मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे। संविधान बचाओ-देश बचाओ आदि नारे लगाये गये। माले नेता रामेश्वर मुंडा ने कहा कि भारतीय संविधान में आदिवासियों का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए संविधान सभा में मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा मजबूती से बातों को रखे। संस्कृति कर्मी सानिका मुंडा ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा देश के नेता रहे न कि मुंडा समुदाय मात्र के बल्कि इन्होंने देशज और लोकतंत्र नींव रखी एवं अलग झारखंड राज्य की आंदोलन को जन्म दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगन मुंडा, बिरसा मुंडा, बुदू मुंडा, प्रियव्रत मुंडा, दुबराज मुंडा, गौतम सिंह मुंडा ने विचार व्यक्त किये। अध्यक्षता करम सिंह मुंडा ने किया।

सोनाहातू प्रखंड में पुलिस ने शराब निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की

सोनाहातु (आजाद सिपाही)। सोनाहातु प्रखंड में पुलिस ने अवैध शराब निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। कटहरटोली निवासी मदन महतो के घर पर पुलिस ने छापेमारी की, जहां एक अवैध शराब भट्ठी संचालित हो रही थी। इस छापेमारी में पुलिस ने 30 लीटर महुआ दारू और बड़ी मात्रा में जावा महुआ बरामद किया। पुलिस ने मौके पर ही लगभग 350 किलो जावा महुआ को नष्ट कर दिया। इसके अलावा, अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल हो रहे उपकरणों को भी जब्त किया गया।

तमाड़ में मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जयंती मनायी गयी

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ के नुरीडीह गागर सोतिया मेला टांड़ और सरलोंगा में मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जयंती मनायी गयी। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक सह मंत्री गोपाल कृष्ण पातर के अलावे मुखिया अनिता देवी, सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश गुप्ता, हीरा दास, प्रकाश सिंह मुण्डा, प्रोफेसर देवनंदन सिंह मुंडा, गणेश मुंडा, हरि सिंह मुंडा, ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह मुंडा, सामाजिक कार्यकर्ता सुखराम सिंह मुंडा, कंहाई पातर, शिशुपाल मुंडा, मदन सिंह मुंडा, पाहान सीताराम मुंडा आदि द्वारा मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के चित्र पर पुष्प और अगरबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया गया। कार्यक्रम प्रारंभ से पूर्व पाहान सीताराम मुंडा द्वारा मरांग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा के चित्र के समक्ष आदिवासी विधि विधान से पूजा अर्चना कर मरांग गोमके को नमन किया। जयंती कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा का जन्म तीन जनवरी 1903 को खुंटी जिला के एक छोटे से गांव टाकरा में भले ही हुआ, लेकिन वह महान विभूति एक गांव में ही सिमट कर कहां रहते। भगवान ने तो उनके लिए कोई और ही कार्य के लिए बनाये थे। आदिवासियों के बड़े हितैषी बनते हैं परंतु वास्तविकता यही है कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा ने वर्षों पूर्व इन सारे चीजों को झारखंड वासियों के आवाज बन चुके थे। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा वैसे पहले भारतीय और आदिवासी नेता थे। संविधान सभा के सदस्य के रूप में रहते आदिवासियों के लिए कई कानून बनवाये। परंतु दुर्भाग्य है कि आज भी न राज्य के सदन में और न देश के सदन में ऐसे महान विभूति के लिए कोई तस्वीर है। एक महान व्यक्तित्व को या शहीद को किसी जाति या धर्म पर नहीं बांध कर रखना चाहिए। आज भी उनके द्वारा आदिवासियों के लिए लाया गया कानून लागू नहीं है। सब मिलकर इस पर विचार और चिंतन करना चाहिए तभी झारखंड का सही नामकरण साबित होगा जो मरांग गोमके जयपाल सिंह मुण्डा के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में मुखिया अनिता देवी, जगदीश गुप्ता, हीरा दास, देवनंदन सिंह मुंडा, लक्ष्मण मुंडा आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह मुंडा ने किया। वहीं ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह मुंडा ने घोषणा किया कि गागर सोतिया मेला का यह चौक मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा चौक के नाम से जाना जायेगा, जहां जल्द भव्य मूर्ति का निर्माण किया जायेगा। कार्यक्रम में गणेश मुंडा मदन गोविंद सिंह मुंडा, अशोक गिरि, भूवनेश्वर अहीर, धनंजय अहीर, कन्हाई गिरि, सुरेश मुंडा, कृष्ण मुंडा, सुशीला देवी, प्रतिमा मुंडा, सुभाष अहीर मदन सिंह मुंडा, तुलसी मुंडा, राम सिंगापुर उरांव, सुशील मुंडा, जीतेश मुंडा, कृष्णा मुंडा, मुकेश मुंडा, सहित कई लोग शामिल थे।

बेतहाशा ठंड से लोग परेशान, चौक चौराहों पर अलाव जलाने की कर रहे हैं मांग

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़, कुकडु सहित पूरे अनुमंडल क्षेत्र में बेतहाशा ठंड बढ़ने से लोग परेशान हैं। कंपकपी ठंड और सर्द हवाओं से ठंड ओर अधिक बढ़ गया है। सुबह और शाम को राहगीरों को ठिठुरन पैदा करने वाले ठंड से विशेष कर प्रभावित कर रहे हैं। चौक चौराहों पर दुर दराज से आ रहे बाइक सवार होटलों, ढाबों के चुल्हों और अलाव जलाने वाले को घेर कर रख रहे हैं। लोग कांपते कांपते आग के सामने बैठ रहे हैं। सरकार और विभाग द्वारा चौक चौराहों पर राहगीरों और भुले भटके लोगों के लिए अलावा जलाने का कहीं भी व्यवस्था नहीं किया गया है। ठंड से शाम ढलते ही बाजारों का रौनक फीका पड़ रहा है। बेतहाशा ठंड से लोग शाम ढलते ही अपने घरों में दुबक जाते हैं। भूले भटके और भीख मांगने वाले का भी चौंक चौराहों पर जमाबड़ा देखा जा रहा है, वे भी अलाव के तलाश में भटके रहे हैं। मिलन चौक व्यवसायिक समिति के सचिव दिलीप कुमार दास ने कहा कि बढ़ते ठंड को देखते हुए राहगीरों के लिए अलावा जलाने का व्यवस्था अंचल कार्यालय कि ओर से किया जाना चाहिए, ताकि राहगीरों और भीख मांगने वाले को ठंड से निजात मिल सके। हालांकि व्यवसायिक समिति मिलन चौक की ओर से जगह जगह अलाव जलाने का व्यवस्था दुकान खुला रहने तक किया गया है।

वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

बेड़ो (आजाद सिपाही)। बेड़ो लोहरदगा मार्ग पर बेड़ो थाना क्षेत्र के दिघिया मिशन चौक के समीप शुक्रवार की शाम लगभग सवा छह बजे तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन के चपेट में आ जाने से बेड़ो के करांजी खीस्त कॉलोनी निवासी एक 62 वर्षीय सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त बुजुर्ग व्यक्ति जॉन खलखो की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। वहीं इस संदर्भ में मृतक की पत्नी जसिंता खलखो ने बेड़ो थाना में अज्ञात वाहन के विरुद्ध एक प्राथमिकी दर्ज कराया है। बेड़ो पुलिस को दिये गये आवेदन में मृतक की पत्नी जसिंता खलखो ने कहा है कि उसके पति मेहमानों की विदाई कर व सड़क पार करने के बाद किनारे खड़े थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी। इधर बेड़ो पुलिस ने घटनास्थल से शव को बरामद कर थाने ले लायी। वहीं मृतक का शव पोस्ट मार्टम के लिए शनिवार को रिम्स भेजा जायेगा।

बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री का वितरण

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। लालजी जन सहयोग हेल्पिंग फाउंडेशन की ओर से शुक्रवार को गेतलसुद में शिष्य लोग कोचिंग सेंटर के बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। मौके पर फाउंडेशन के संस्थापक लालजी बेदिया ने कहा कि संस्था का मकसद है गरीब जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क शिक्षा सामग्री वितरित कर उनको शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है। मौके पर महेश बेदिया, अमित मुंडा, रोपना बेदिया, बासु भोगता, अजय करमाली, पूजा कुमारी आदि मौजूद थे।

ट्रक की टक्कर से डीजे पिकअप पलटी चरवाहा सहित दो की मौत, छह घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। टाटीसिलवे थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में डीजे लदी पिकअप गाड़ी (जेएच 01सीवाई9934) के पलटने से चरवाहा सहित दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि छह अन्य घायल हो गये। यह हादसा तब हुआ जब पिकअप गाड़ी पिकनिक के लिए हुंडरू फॉल जा रही थी। घटना रविवार सुबह टाटीसिलवे थाना क्षेत्र अंतर्गत महिलौंग फतरु टोली रिंग रोड पर हुई। जानकारी के अनुसार हेसापीढ़ी गांव निवासी पिकअप गाड़ी से पिकनिक के लिए जा रहे थे। गाड़ी में डीजे उपकरण लदे हुए थे और उसमें कुल दस लोग सवार थे। रास्ते में एक अज्ञात ट्रक ने पिकअप को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गयी। दुर्घटना के समय खेत में बकरी चरा रहे चरवाहा अरुण मिर्धा गाड़ी के नीचे दब गये, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। इधर घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां मनीष महतो की गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स रेफर किया गया। इलाज के दौरान मनीष ने भी दम तोड़ दिया। अन्य घायलों में वाहन चालक उदेन महतो, पिंटू महतो, राहुल महतो, हेमंत महतो, विकास महतो और चमन महतो शामिल है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक की पहचान के प्रयास जारी है। गांव में मातम पिकनिक की खुशी गम में बदल गयी। ग्रामीणों ने हादसे पर शोक व्यक्त किया और प्रशासन से पीड़ित परिवारों को मुआवजा और न्याय दिलाने की मांग की है।

भुसुर चौक पर जयपाल सिंह मुंडा की 122वीं जयंती मनायी गयी

हॉकी से शुरू हुई थी हक की लड़ाई : रितेश

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। प्रखंड अंतर्गत लालखटंगा पंचायत के समीप रिंग रोड स्थित मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा चौक पर उनकी 122वीं जयंती सह स्मृति दिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा का आदिवासी रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना और माल्यार्पण किया गया। समारोह की शुरूआत जुरा पाहन द्वारा पूजा से हुई। समिति के मुख्य संरक्षक सह पंचायत के पूर्व मुखिया रितेश उरांव ने प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि जयपाल सिंह मुंडा ने अपने जीवन को आदिवासी समुदाय और झारखंड आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने आईसीएस की प्रतिष्ठित नौकरी और हॉकी करियर को त्यागकर आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। कहा कि जयपाल सिंह मुंडा ने अपनी पूरी जिंदगी में कभी भ्रष्टाचार में संलिप्त नहीं हुए और न ही व्यक्तिगत संपत्ति अर्जित की। वह एक महान स्वप्नद्रष्टा, लेखक, पत्रकार, खिलाड़ी, संगठक और राजनीतिक विचारक थे। उनकी लड़ाई ने आज आदिवासी समुदाय को उनके अधिकार दिलाने में अहम भूमिका निभायी है।

हॉकी से शुरू हुई थी हक की लड़ाई : उरांव ने बताया कि जयपाल सिंह मुंडा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने वाले पहले आदिवासी थे और वहां की हॉकी टीम के सदस्य भी रहे। 1928 में भारतीय हॉकी टीम का नेतृत्व करते हुए उन्होंने भारत को ओलंपिक का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। लेकिन, उन्होंने रंगभेद के खिलाफ और आदिवासियों के अधिकारों के लिए हॉकी करियर छोड़ दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खिजरी विधानसभा सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह, ग्राम प्रधान राजेश टोप्पो, समिति अध्यक्ष शनिचरवा तिर्की, नामकुम प्रखंड प्रमुख आशा कच्छप, रातू प्रखंड प्रमुख संगीता तिर्की, मुखिया पुष्पा तिर्की, नन्हे कच्छप, जिता कच्छप, निकोलस एक्का, शंकर दुबे, महादेव मुंडा, अनिरुद्ध पांडे, गोरखनाथ सिंह, सुरेश नायक, राधे तिर्की, करमू मुंडा, मुन्ना टोप्पो आदि उपस्थित थे। इधर कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने जयपाल सिंह मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

पुलिस के जागरूकता अभियान का दिख रहा असर ग्रामीण स्वयं नष्ट कर रहे हैं अफीम की अवैध फसल

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी जिले में अफीम की अवैध खेती और इसके दुष्परिणामों के खिलाफ जिला पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान का असर अब गांवों में देखने को मिल रहा है। गांव के लोग अब खुद कही अफीम की खेती को नष्ट करने लगे हैं। इसी कड़ी मं शुक्रवार को मुरहू थाना क्षेत्र के चमराटोली गांव के लगभग आठ एकड़ खेत में लगी अफीम की अवैध खेती को ट्रैक्टर से रौंदकर नष्ट कर दिया। जिला पुलिस के सहयोग से मुरहू पंचायत की मुखिया ज्योति डोडराय ग्राम प्रधान बाले पाहन और बबलू खान ने लोगों को अफीम की न करने और जो अवैध खेती है,उसे नष्ट करने के लिए प्रेरित किया। चमराटोली में शुक्रवार को ग्रामसभा का आयोजन किया गया, जहां खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरूण रजक, अंचलाधिकारी शंकर कुमार विद्यार्थी और थाना प्रभारी रामदेव यादव को भी बुलाया गया। बैठक में मुखिया ज्योति डोडाराय ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा अफीम के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे अभियान से प्रभावित होकर उन्होंने अफीम की फसलों को नष्ट करने का निर्णय लियां।

मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलायें अधिकारी: उपायुक्त

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को नार्को कॉ आर्डिनेशन सेंटर की हुई बैठक में उपायुक्त ने मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक मंच पुलिस विभाग और एनकॉर्ड से संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों की समीक्षा की गयी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में थाना प्रभारी व अंचल अधिकारी द्वारा आपसी समन्वय के साथ अपने संबंधित क्षेत्र में हो रही अवैध अफीम की खेती एवं मादक द्रव्य पदार्थों को चिह्नित कर उसे नष्ट करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिले की सीमाओं एवं विद्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी करने का निर्देश दिया गया। अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान चलाने के क्रम में वैकल्पिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी अंचल अधिकारी को लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिया गया। कार्यशाला का संचालन जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजय कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश संजय कुमार ने अधिकारियों को कानूनी प्रावधानों, साक्ष्य संकलन और केस प्रबंधन में सुधार के संबंध में जानकारी दी। मौके पर पुलिस अधीक्षक, डीएफओ, अपर समाहर्ता, एसडीओ, एसडीपीओ, कार्यपालक दंडाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, सभी अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जंगल बचाने के लिए महिलाएं हुई एकजुट

पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन के लिए वन संपदा को बचाये रखना जरूरी है : गणेश बेदिया

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा । बरवादाग मौजा के ग्राम प्रधान गणेश बेदिया के पहल पर ग्रामीण महिलाओं ने जंगल बचाने के लिए अपनी एकजुटता का प्रर्दशन किया। इसको लेकर शुक्रवार को बरवादाग दुर्गा मंदिर प्रांगण में ग्राम प्रधान गणेश बेदिया के अगुवाई में सैकडों महिलाओं का जुटान हुआ।

मौके पर महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन के लिए वनों की सुरक्षा को आवश्यक बताते हुए हर हालत में इसकी रक्षा करने का संकल्प लिया। मौके पर जंगल की रखवाली के लिए सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। कहा गया कि जंगल की रक्षा से वन आधारित रोजगार सृजन के साथ महिलाओं को घर पर हीं रोजगार मिलेगा। घर- घर दोना-पत्तल का निमार्ण कर तथा सखुआ बीज का व्यापार कर महिलाएं आर्थिक रूप रुप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। निर्णय लिया गया कि पहले जंगल का सीमांकन कर चारों तरफ लाल झंडा और सुचना बोर्ड लगाया जाएगा इसके बाद अलग अलग समूह बनाकर हर दिन जंगल की देखरेख की जायेगी। मौके पर गणेश बेदिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ वन संपदा आधारित रोजगार सृजन के लिए वनों की सुरक्षा जरूरी है। मौके पर बरवादाग मौजा की सैंकड़ों महिलाएं उपस्थित हुईं।

शाकाहारी बनो और नशापान से दूर रहो : नवीन

नगड़ी मेला टिकरा स्थित नाम योग साधना स्थल प्रवचन सुनते हटिया विधायक नवीन जायसवाल।

पिस्कानगड़ी। बाबा जयगुरुदेव नाम योग साधना स्थल पिस्का नगड़ी में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन सैकड़ों सदस्यों ने शाकाहारी जीवन जीने का संकल्प लिया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में हटिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित जयगुरुदेव के सैकड़ों शिष्यों को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म में शाकाहारी जीवन को सर्वश्रेष्ठ माना गया है, सांसारिक जीवन में सनातन समाज जीभ के मोह माया में मांसाहार के जंजाल में फंस गया है, पर बीते दिनों आये महामारी ने हमें शाकाहारी बने रहने और इसका महत्व के बारे में मानव को समझाया कि शाकाहारी बनो और नशापान से दूर रहो। इसके अलावा विधायक ने आगे कहा कि सभी सनातन धर्मावलंबी एक रहो और मजबूत रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनूप कुमार, राम गति महतो, प्रेमु मुंडा भुवनेश्वर मुंडा, शिवनंदन, केदार, श्याम किशोर, रमेश, जलेश्वर, आनंद, प्रदीप, रोहन, रोहित, कपिल, सुनील, धनंजय सहित संगत परिवार नगड़ी प्रखंड के सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे।

हनुमान मंदिर की पहली वर्षगांठ 11 को मनायी जायेगी

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी प्रखंड के देवरी पंचायत के कुम्हार टोली गांव में स्थित नवनिर्मित श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर की पहली वर्षगांठ मनाने के लिए शुक्रवार को मंदिर प्रांगण में पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों की बैठक की गयी। बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रथम वर्षगांठ 11 जनवरी को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक का अध्यक्षता मंदिर समिति के अध्यक्ष संजय महतो, संचालन सचिव अरुण कुमार प्रामाणिक तथा धन्यवाद ज्ञापन -कार्यकारी अध्यक्ष मनोज प्रजापति ने किया।

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल के लिए झारखंड मलखंब टीम का चयन

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। खेलकूद और युवा कार्य निदेशालय और झारखंड ओलंपिक संघ के तत्वावधान में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत मलखंब खेल में भाग लेने हेतु तीन दिवसीय झारखंड राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर प्रशिक्षण शिविर हेतु खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित सभी खिलाड़ियों को बंगीय सांस्कृतिक परिषद उच्च विद्यालय, सेक्टर-2, धुर्वा रांची में शनिवार को अपराह्न 2 बजे रिपोर्ट करने साथ में रंगीन आधार कार्ड, बोनाफाइड प्रमाण पत्र, ब्लड गुप्र प्रमाण पत्र और 3 रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो लेकर आने को कहा गया है। पुरुष वर्ग में चयनित खिलाड़ियों में शनि कुमार, रॉकी कुमार, जीतेश कुमार, निखिल कुमार, रोहण कुमार, आर्यन महतो, धीरज कुमार, रणवीर कुमार दास, आकाश कुमार, शिवा कुमार, आर्यन लोहरा, सोमनाथ दत्ता, सुरक्षित में सत्यवीर कुमार दास और बिवेक गोराई। महिला वर्ग में अनुशिखा कुमारी, अन्नू कुमारी, लवली कुमारी, हंसिका कुमारी, अनुराधा कुमारी दिया दत्ता, अमिका कुमारी, निधि कुमारी, गुड़िया कुमारी, डिंपल कुमारी, निशा कुमारी, साक्षी कुमारी, सुरक्षित में जानवी कुमारी, अंजली कुमारी, प्रशिक्षक विवेक कुमार, सरिता कुमारी, शुभम सिंह और मुख्य प्रशिक्षक अजय झा शामिल हैं। प्रशिक्षण शिविर हेतु खिलाड़ियों के नाम की घोषणा चयन समिति के पदाधिकारी, झारखंड ओलंपिक संघ और विभाग की ओर से झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के महासचिव अजय झा द्वारा की गयी।

उन्होंने बताया कि 38वें राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत मलखंब खेल का आयोजन दिनांक 11 से 13 फरवरी तक खटीमा (उत्तराखंड) में आयोजित है। झारखण्ड टीम में 6 पुरुष, 6 महिला, 2 प्रशिक्षक और 1 टीम प्रबंधक यानि पंद्रह सदस्य भाग लेंगे।

लापुंग पुलिस ने पीएलएफआइ के तीन सदस्यों के घर पर इश्तेहार चिपकाया

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लापुंग थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव के द्वारा पीएलएफआई नक्सली संगठन के खिलाफ कोर्ट के आदेशानुसार कड़ी कारवाई करते हुए गाजा बाजा के साथ लाउडस्पीकर से एलांसमेंट कर उसके खिलाफ आरोपी के घर में आम जनता के समक्ष आम इश्तहार चिपकाया। आर्म्स एक्ट के अभियुक्त पीएलएफआई नक्सली संगठन के 01. मार्टिन केरकेट्टा पिता जोहन केरकेट्टा ग्राम रेडवा चुवाटोली थाना कामडारा जिला गुमला 02. दुर्गा सिंह उर्फ पंझरी पिता ललित मोहन सिंह उर्फ झिरगू सिंह ग्राम जरिया 03. अमृत होरो उर्फ मैचो पिता सुशील होरो ग्राम जमाकेल सेमरटोली दोनों थाना लापुंग जिला रांची तथा लापुंग थाना 17 CLA एक्ट के अभियुक्त अमृत होरो के विरूद्ध न्यायालय रांची द्वारा निर्गत इश्तेहार का तमिला शुक्रवार को ढोल नगाड़ा तथा पब्लिक अड्रेस सिस्टम के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर किया गया। 30 सितंबर 2023 लापुंग के हुलसू में राजेश साहू और संदीप साहू कंचनपुर की दोहरे हत्या गोली मार कर दिया गया था। इसके अलावे अमृत होरो के द्वारा 20.11.2023, कारो नदी और लोहगड़ा नदी से एसएनजी ग्रुप कांट्रेक्टर के द्वारा हर घर नल जल योजना के ठेकेदार से 5 लाख कि लेवी की मांग किया गया था इसका भी अभियुक्त है। इस कांड का लापुंग थाना में प्राथमिकी दर्ज है। लापुंग थाना प्रभारी आम इश्तहार के माध्यम से सभी अभियुक्त को एक महीना के अंदर थाना या कोर्ट में सरेंडर करने का निर्देश दिया। अन्यथा उनकी चल अचल संपति को कुर्की जब्ती करने का निर्देश दिया। आम इश्तहार चिपकने में शामिल लापुंग थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव, एएसआई कामेश्वर चौधरी, सशस्त्र बल के जवान और चौकीदार के आलावे रेडवा में कामडारा पुलिस मौजूद थी। यह जानकारी लापुंग थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव ने दिया।

गायत्री त्रिवेणी का संगम स्थली है : फौजदार पांडेय

गायत्री महामंत्र ऊं भूभुर्वः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं और एक बनेंगे, नेक बनेंगे, हम सुधरेंगे, युग सुधरेगा के नारों से जरिया गूंज उठा

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो के जरिया में ज्योति कलश रथ यात्रा का स्वागत करते ग्रामीण ।

बेड़ो। गायत्री का मनन व चिंतन फलदायिनी है। गायत्री सर्वत्र व्याप्त हैं। गायत्री गंगा, यमुना, त्रिवेणी, प्रयागराज और कुंभ का संगम स्थली है। यह बातें फौजदार पांडेय ने कहीं। वे गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में चल रहे दिव्य अखंड दीप शताब्दी समारोह के क्रम में शुक्रवार को बेड़ो प्रखंड के जरिया गांव में ग्राम देवी, भगवान भोलेनाथ और बजरंगबली मंदिर परिसर में ज्योति कलश रथ यात्रा के पहुंचने पर प्रवचन के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान ग्रामीणों व श्रद्धालुओं ने जरिया गांव के समीप परंपरागत ढंग से रथयात्रा का स्वागत किया। वहीं मंदिर परिसर में रथयात्रा के पहुंचने पर मां गायत्री की पूजा अर्चना व आरती करते हुए दीप जलाया गया। साथ ही भजन कीर्तन के साथ साथ ग्रामीणों ने गायत्री मंत्र का पाठ किया। अपने प्रवचन में फौजदार पाण्डेय ने कहा कि गायत्री तीन शब्द गा,य,त्री से बना है। गा से गंगा,य से यमुना और त्री से प्रयागराज व कुंभ यानी त्रिवेणी का संगम स्थल की अभिव्यक्ति होती है। गायत्री मंत्र ने हमारे मानव जीवन में गुरुसत्ता के जरिये घर-घर में प्रयागराज यानी त्रिवेणी का अमोघ अमृत रस घोल दिया। उन्होंने कहा कि गायत्री के महारूप में मां काली, मां दुर्गा, मां लक्ष्मी औरमां सरस्वती का स्वरूप विद्यमान है। गायत्री घट-घट में व्याप्त हैं, इनकी महिमा का उल्लेख वेद, पुराणों, भागवत, रामायण और महाभारत समेत अन्य धार्मिक शास्त्रों में देखने को मिलता है। गायत्री 24 अक्षरों की शक्तियों से भरापुरा है। मानव जीवन के 24 घंटे का एक-एक मिनट गायत्री होकर ही जीता है। यानी हमारा जीवन का एक-एक सांस गायत्री में ही समाहित रहता है। गायत्री के आगमन से मानव जीवन में सद्गुण, सुमति, सद्व्यवहार, सुविचार, विद्याधन, आदर्श चरित्र, गुरुभक्ति, गुरू कृपा, हरिपादसेवन, ज्ञानोदय और मानवता की प्राप्ति होती है। उन्होंने मानव समुदाय को मदिरा सेवन और मांस भक्षण से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन, सदगुरु व सत्संग तीनों दुर्लभ है। वहीं गायत्री में ये तीनों दुर्लभ विषय समाहित हैं। गायत्री महाशक्ति का ज्योतिपुंज हैं। वहीं मौके पर गायत्री परिवार के जिला समन्वयक रांची जयनारायण प्रसाद, जिला उपसमन्वयक अनिल कुमार, प्रमोद कुमार, विजय कुमार, अशोक प्रसाद, एस सिंह मुंडा, राजेश्वर सिंह, विरेंद्र कुमार व पवन गुप्ता समेत दर्जनों लोग मौजूद थे। वहीं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज साहू, ब्रजेश महतो, मन्नू बड़ाइक, पंकज बड़ाइक, ओम प्रकाश महतो, प्रमोद कुमार, प्रकाश महतो, सुरेश महतो, प्रेम महतो, लक्ष्मण महतो और सुभाष गोप समेत दर्जनों ग्रामीणों ने सराहनीय योगदान दिया।

ज्योति कलश रथ यात्रा का नगड़ी दुर्गा मंदिर परिसर में हुआ आगमन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। अखिल विश्व गायत्री परिवार के बैनर तले गायत्री परिवार के ज्योति कलश रथ यात्रा गुरुवार को नगड़ी दुर्गा मंदिर परिसर में आगमन हुआ। मौके पर नगड़ी के दर्जनों ग्रामीणों ने अखिल विश्व गायत्री परिवार के शिष्यों और ज्योति कलश रथ यात्रा का फुल बरसाकर और मां गायत्री का गगनभेदी जयकारा लगाते हुए स्वागत किया। मौके पर अखिल विश्व गायत्री परिवार रांची जिला समन्वक जय नारायण प्रसाद, राची जिला उपसमन्वयक - अनिल कुमार, नामकुम प्रखंड समन्वयक - विजय कुमार, अनगड़ा प्रखंड समन्वयक- अशोक कुमार केशरी, प्रमोद कुमार, शंतर सिंह, रामा शकर सिंह सहित नगड़ी मानस प्रचार मंडल के सदस्य हेमंत केसरी, रामानंद, विजय नगड़ी संतमत सतसंग समिति के सरयू केसरी, शंकर भगत, धीरज चौधरी सहित दर्जनों महिलाओं तथा ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से मां गायत्री और ज्योति कलश रथ यात्रा का सामुहिक रूप से दिव्य आरती किया। मां गायत्री और गायत्री परिवार के संस्थापक श्री राम शर्मा आचार्य, और गुरु माता स्नेहा सलिला माता का जयकारा लगाया। मौके पर गायत्री परिवार के रांची जिला समन्वयक जय नारायण प्रसाद ने उपस्थित ग्रामीणों को महामंत्र ओम भुर्भव स्व तत्सवितुर्वरेंयं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह आदि मंत्र है, इसके सान्निध्य में आकर मनुष्य के अंदर देवत्व का वास जागृत होता है। इस महामंत्र को गुरूदेव श्रीराम शर्मा आचार्य ने अखिल विश्व गायत्री परिवार का स्थापना कर विगत 98 वर्षों से पूरे विश्व के करोड़ों भक्तों के बीच अखिल विश्व गायत्री परिवार के उद्देश्य का ज्ञान दे रहे हैं। मौके पर नगड़ी के 30 परिवार के सदस्यों ने मां गायत्री का पुजन और इनके आदर्श में चलने का संकल्प लिया। मौके पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के सदस्यों ने गायत्री परिवार का पुस्तक निःशुल्क वितरण किया

मेदिनीनगर में पिंक सिटी बस का परिचालन प्रारंभ

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। शहरवासियों को शुक्रवार को बड़ी सौगात प्रदान की गयी है। शहरवासियों के आवागमन हेतु चार पिंक सिटी बसों का परिचालन शुक्रवार से शुरू हो गया। नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने सभी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस संबंध में नगर आयुक्त श्री हुसैन ने बताया कि शहरवासियों का ध्यान में रखते हुए इसमें जीपीएस और मोबाइल चार्ज करने के लिए स्लॉट भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि पिंक सिटी बस छः मुहान से चियांकि,छः मुहान से निमिया भाया चैनपुर, छः मुहान से पोखरहा -रजवाडीह,छः मुहान से बिस्फुटा होते हुए पाटन मोड़ तक प्रतिदिन चलाया जायेगा। पिंक सिटी बस का परिचालन सुबह 7:00 बजे से शाम 05 बजे तक होगा। इस अवसर पर निगम के सिटी मैनेजर समेत विभिन्न कर्मी मौजूद रहे।

बस और ट्रक की टक्कर में दो की मौत, एक दर्जन से अधिक घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

सतबरवा/ पलामू। कोहरा बना काल, शुक्रवार की सुबह लगभग 8: 00 बजे रांची मेदिनी नगर मुख्य मार्ग पर सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया कब्रिस्तान के पास जेपीएस बस और ट्रक की भीषण टक्कर हो गयी, जिसमें चालक समेत दो लोगों की मौत तथा एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये। आशंका जतायी जा रही है की दुर्घटना घने कोहरे के कारण हुई है। जानकारी के अनुसार जेपीएस बस सवारी लेकर डाल्टेनगंज से रांची जा रही थी इसी दौरान कसीयाडीह से आगे बकोरिया कब्रिस्तान के पास रांची की ओर से आ रहा ट्रक कोहरे के कारण नहीं दिखायी दिया और आमने-सामने की टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक दोनों के अगले पोर्शन के परखच्चे उड़ गये हैं। इस दुर्घटना में चालक समेत दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये। सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार सूचना पाते ही दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से गाड़ी में फंसे लोगों को निकाल कर तुरंत नवजीवन अस्पताल तुंबागड़ा भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान चालक और सतबरवा के मुक्ता निवासी रियासत मियां लगभग 50 वर्ष की मौत हो गयी।

गांव वालों ने बताया कि रियासत अपनी पत्नी का ईलाज कराने रांची जा रहा था, घटना में उसकी पत्नी का पैर टूट गया है। रियासत अपने घर का इकलौता कमाने वाला था। इस दौरान चिकित्सकों ने कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया है। अधिक लोगों के एक साथ पहुंचने पर अस्पताल में भी अफरा तफरी मच गयी, और चारों ओर रोते बिलखते और चिल्लाते परिजन नजर आ रहे थे।

नाम के अनुरूप रौनक ने अपनी प्रतिभा से जिले में लाया रौनक : अविनाश देव

भूटान में इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम का रौनक ने गोल्ड मेडल के साथ जीता एक लाख का इनाम

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। भूटान में आयोजित इन्टरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम विधालय के चार चयनित बाल कराटेकारों ने चुस्ती-फुर्ती के साथ फाईट करते हुए तीन खिलाड़ी रौनक कुमार, उज्जवल राज, अयान सिद्धकी ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं ओम प्रकाश ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। विदित हो की यह प्रतियोगिता निंजा स्पोर्ट्स फेडरेशन आंफ भूटान के तत्वावधान में 31और एक जनवरी 2025 को स्पोर्ट्स हाल फुंटशोलिग भूटान में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता मे गोल्ड मेडल हासिल किये संत मरियम विधालय के बाल कराटेकारो को विभिन्न देशों में हो रहे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन ग्रैंड मास्टर डॉ विकास सांधु के द्वारा किया गया। रौनक कुमार को मलेशिया, उज्जवल राज को थाईलैंड, अयान सिध्की को दुबई इत्यादि देशों में जाकर चैंपियनशिप में भाग लेंगे, वहीं रौनक कुमार को तीसरी बार भूटान चैंपियनशिप में भाग लेने पर निन्जा स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ भुटान द्वारा एक लाख रुपये की सहयोग राशि दी गयी। उक्त जानकारी संत मरियम विद्यालय मुख्य कराटे प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार ने दी। जब चार खिलाड़ियों की जीत की खबर विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव को मिली तो काफी प्रसन्न हुए, जैसे यू मानो की विद्यालय परिवार व बच्चों के बीच खेल जगत में नया उजाला दिखायी दे रहा हो। श्री देव ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संत मरियम के कराटेकारों ने विद्यालय व पलामू जिले को गौरवांवित तो किया ही है, साथ ही रौनक ने गोल्ड मेडल के साथ एक लाख का उपहार जीत कर अपने परिवार और विद्यालय में रौनक ला दिया है। समस्त खिलाड़ियों के विद्यालय में पहुंचते ही उन्हें भव्य रूप से स्वागत किया जायेगा।

महूदण्ड मुखिया ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन, संचार सेवा शुरू कराने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद । हुसैनाबाद अनुमंडल मुख्यालय से 25 किमी दूर अति उग्रवाद प्रभावित महूदंड ग्राम पंचायत के लोग आज भी इस डिजिटलीकरण के दौर में ऑनलाइन कार्यों के लिए अनुमंडल का चक्कर लगाने के लिए मजबूर हैं। इस गांव में एक साल से बीएसएनएल का टॉवर तो है, लेकिन अब तक इसे चालू नहीं किया गया है। इस संबंध में पंचायत की मुखिया मीना देवी ने शुक्रवार को हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी कृष्णकांत कनवड़िया को ज्ञापन सौंपकर बीएसएनल का नेटवर्क चालू कराने और जियो का नेटवर्क लगवाने की मांग की है। एसडीओ को दिये गये ज्ञापन में मुखिया मीना देवी ने कहा है कि अनुमंडल मुख्यालय से 25 किमी दूर महूदंड ग्राम पंचायत की छह हजार आबादी आज भी दूर संचार सेवा से वंचित हैं। इससे ग्रामीणों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है, और तो और ऑनलाइन सरकारी कार्यों को कराने के लिए ग्रामीणों को हुसैनाबाद आना पड़ता है। साथ ही नेटवर्क नहीं रहने की वजह से ऑनलाइन बैंकिंग, प्रज्ञा केंद्र, ग्राहक सेवा केंद्र के साथ-साथ जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों को भी ई-पास मशीन से राशन वितरण के लिए जंगल में पहाड़ का सहारा लेना पड़ता है। दुकानदारों को पहाड़ी क्षेत्रों पर नेटवर्क की तलाश कर उपभोक्ताओं से बायोमैट्रिक के माध्यम राशन वितरण करना पड़ता है। मुखिया ने एसडीओ से पंचायत क्षेत्र में दूर संचार सेवा बहाल कराने का आग्रह किया है। एसडीओ ने मुखिया को आश्वासन दिया है कि विभागीय अधिकारियों को पत्र भेजकर संचार सेवा शुरू कराने की पहल की जायेगी।

बीडीसी की बैठक में उठे कई मुद्दे, अधिकारियों ने दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

एमओ सह बीएओ ब्रजेश कुमार ने कृषि, खाद्य आपूर्ति और सहकारिता विभाग की आंकड़ा प्रस्तुत किए। जिसमे एनआई द्वारा आवंटित दिसंबर माह का राशन वितरण में जिले में चौथा, ग्रिन कार्ड में प्रथम, चीनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने की जानकारी दी। सहकारिता विभाग के पांच क्रय केंद्रों ने प्राप्त लक्ष्य 21,500 क्विंटल के विरुद्ध 4,859 क्विंटल धान खरीदारी कर लेने, मुख्यमंत्री कुसुम योजना के तहत एक सौ किसानों को सोलर पंप दिये जाने की जानकारी दी।

हरिहरगंज/पलामू। ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को प्रमुख कमला देवी की अध्यक्षता में बीडीसी की बैठक हुई। जिसका संचालन बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी ने की। बैठक में जेएसएलपी, स्वास्थ्य, कृषि, खाद्य आपूर्ति, सहकारिता, मनरेगा, पशु एवं कल्याण विभाग, पीएम तथा अबुआ आवास की समीक्षा की गयी। बैठक में केसीसी और अन्य कार्यों के लिए एलपीसी सहित कई मुख्य मुद्दे छाये रहे। इस दौरान प्रखंड प्रमुख ने पंचायत सचिवों पर सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों से सबंधित जानकारी देने में टाल मटोल करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि आवास सहित विभिन्न योजनाओं के लाभुकों की कई बार सूची मांगी गयी। बावजूद इसके पंचायत सचिवों द्वारा उपलब्ध नहीं करायी गयी। इसे देखते हुए बीडीओ ने सभी पंचायत सचिवों को सूची देने का निर्देश दिया। वहीं विधायक प्रतिनिधि के तौर पर मौजूद महेंद्र यादव ने राजस्व, स्वास्थ्य विभाग, पीएम तथा अबुआ पर कई सवाल खड़ा किए। जिस पर बीडीओ ने संज्ञान में लेने की बात कही।

प्रजापति समाज पांकी विधायक को कल करेगा सम्मानित

पांकी / पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी विधानसभा क्षेत्र के समस्त प्रजापति समाज के द्वारा पांच जनवरी को सुबह 11:00 बजे अभिनंदन सह सम्मान समारोह आयोजित कर विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता को सम्मानित करेगा। यह कार्यक्रम पांकी प्रखंड के सगालीम पंचायत के मुखिया सुनील कुमार प्रजापति के पीरी मोड़ आवास पर आयोजित किया जायेगा। इसमें पांकी विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों प्रजापति समाज के लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे और पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता को सम्मानित करेंगे। मौके पर मुखिया सुनील कुमार प्रजापति, श्याम नारायण प्रजापति, अनिरुद्ध प्रजापति, सुमंत प्रजापति, रविंद्र प्रजापति, अरविंद प्रजापति सहित कई लोग मौजूद थे।

असहाय और गरीबों के बीच किया कंबल का वितरण

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद के कामगारपुर गांव निवासी प्रखर समाजसेवी प्रभात कुमार सिंह उर्फ मुन्नू सिंह ने कड़ाके की ठंड को देखते हुए असहाय और गरीबों के बीच कंबल का वितरण निजी खर्च से किया। प्रभात कुमार सिंह उर्फ मुन्नू सिंह ने कहा कि इस शीतलहरी में गरीबों व असहायों की परेशानी को देखते हुए उन्होंने निजी खर्च से गांव के आस पास के असहाय व गरीबों को राहत देने का प्रयास किया है। उन्होंने संपन्न लोगों से गरीबों को राहत देने का आह्वान किया है।

व्यापार मंडल अध्यक्ष के आवास परिसर में सावित्रीबाई फुले की जयंती मनायी गयी

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा बैठा के जपला स्थित आवास पर भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की चित्र पर माल्यार्पण एवं चरणों में पुष्प अर्पित कर उनकी जयंती मनायी गयी। मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष श्री बैठा ने कहा कि महाराष्ट्र के सतारा में जन्मी सावित्रीबाई ने महिलाओं और बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने विधवाओं के उत्थान के लिए भी अथक प्रयास किये। मौके पर प्रमोद कुमार रजक, राजेश्वर यादव, कलावती देवी, प्रतिमा देवी, काजल, अर्चना, रेखा, गुड़ी, कुणाल, अनीता, राजेश समेत कई लोग मौजूद थे।

गरीबों की सेवा ही होता है परमेश्वर की पूजा : ट्री मैन और पार्षद अमित

पर्यावरण धर्म के तहत डॉ कौशल व पार्षद अमित ने मृतक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके दो अनाथ बच्चे को लिया गोद

धर्म गुरु ने क्षेत्र के अलग अलग दो श्राद्धकर्म में शामिल होकर किया पौधरोपण, तीन वर्ष पहले मां की भी हो गयी थी मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडल के चिरू पंचायत के स्व बुधन यादव और चराई पंचायत स्व बिहारी राम के श्राद्ध कर्म में शामिल होकर विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु और वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल और अपने पुत्र सह छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए उनके नाम पर थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम और कटहल का पौधा लगा कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ कौशल ने कहा कि श्राद्ध में सेजिया दान के साथ दान किये गये पौधा लगाने से ही मृतक की आत्मा को शांति मिलेगी। मौके पर मृतक बिहारी राम के पिता रामनाथ राम, भाई अजय राम, शंकर राम, उमेश राम, सुनील,पवन, अखिलेश, अनाथ पुत्र सत्यम और पुत्री रेशमा और डाली बाजार पंचायत के उप मुखिया अफजाल अंसारी, हेनहे निवासी स्व. बुधन यादव के पुत्र रामकेश यादव, शिव यादव, शंकर, शिवनाथ, सुरेश, रामलाल राम आदि शामिल थे।

कार्यकर्ता मेहनत और लगन से अभियान को बढ़ाते चलें और लक्ष्य को पूरा करें : मनोज सिंह

पलामू भाजपा की सदस्यता अभियान समीक्षा बैठक संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी की अध्यक्षता में संगठनात्मक सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय में हुई। संचालन जिला महामंत्री विजय ठाकुर ने किया। मुख्य रूप से कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान को 14 जनवरी तक हर हाल में पूरा करना है, इसलिए सभी कार्यकर्ता तेजी से इस अभियान को बूथ स्तर पर करते चलें। समर्पित कार्यकर्ता कम से कम 50 की संख्या में लोगों को सदस्य बनाएं, तभी वह सक्रिय सदस्य बन पायेंगे। 2019 में झारखंड में सदस्यता अभियान में पलामू जिला तीसरे स्थान पर था। कार्यकर्ता मेहनत और लगन से अभियान को बढ़ते चले और लक्ष्य को पूरा करें। वरिष्ठ नेता श्याम नारायण दुबे ने कहा कि हमारी पार्टी विचारधारा और कार्यकर्ताओं पर आधारित रही है। समय-समय पर सदस्यता अभियान चलाया जाता है जो कार्यकर्ताओं को ऊजार्वान बनाये रखना है। जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि संगठन का कार्य निष्ठावान और कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं के बल पर ही बढ़ता है। बैठक में परशुराम ओझा, शिवकुमार मिश्र, अभिमन्यु तिवारी, सोमेश सिंह, विपुल गुप्ता, विजय कुशवाहा, सतीश पासवान, शुभम प्रसाद, नंदलाल प्रसाद गुप्ता, छोटू सिन्हा, सुशील सिंह, राजेश पांडे, रीमा, अखिलेश, शशिभूषण, रेणु देवी, पूनम देवी मौजूद थी।

दीप यज्ञ और कथा प्रवचन का आयोजन

छतरपुर(पलामू)। गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन के द्वारा दीपयज्ञ और प्रवचन का कार्यक्रम छतरपुर प्रखंड के चीरू देवी स्थान में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस दौरान 251 दीप प्रज्वलित कर दीपयज्ञ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कथा वाचक रमेश कुमार दुबे को मुख्य अतिथि सह मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद यादव ने माला और शॉल से सम्मानित कर किया। इस संबंध में गायत्री परिवार के सदस्य डॉ बीके यादव ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य लोगों को गायत्री परिवार की विशेषता और लाभों से अवगत कराना है। कथा वाचक रमेश कुमार दुबे ने बताया कि गायत्री मंत्र विश्व के सबसे शक्तिशाली मंत्र है। और गौ, गुरु, गंगा, गीता यह सभी भारतीय संस्कृति की अमूल्य धुरी है।

स्पोर्ट्स

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गयी है। शुक्रवार को स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1 है।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन भारत 185 पर ऑलआउट

स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1, पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाये

एजेंसी

सिडनी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गयी है। शुक्रवार को स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1 है। उस्मान ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हुए। सैम कोंस्टास पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद 7 रन पर नाबाद लौटे हैं।

स्टंप्स से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह की युवा ओपनर सैम कोंस्टास से बहस हो गयी। इस बहस के तुरंत बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा (2 रन) को पवेलियन की राह दिखायी। ख्वाजा के आउट होने ही अंपायर्स ने दिन का खेल समाप्त कर दिया।

भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने 20 रन और विराट कोहली ने 17 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया से स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके। मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। पैट कमिंस को 2 विकेट मिले। एक विकेट नाथन लायन के खाते में आया।

भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में रोहित शर्मा की जगह जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। रोहित शर्मा को रेस्ट दिया गया है।

सिडनी टेस्ट के लिए दोनों टीमें

भारत: जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया: पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड।

सिडनी टेस्ट के पहले दिन बुमराह को कोंस्टास ने उकसाया, अगली बॉल पर ख्वाजा को आउट किया

एजेंसी

बुमराह (दायें) और कोंस्टास का बीच-बचाव करते हुए अंपायर।

सिडनी । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा सिडनी टेस्ट का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें मुकाबले में भारतीय टीम पहली पारी में 185 रन पर सिमट गयी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल खत्म होने तक 9 रन बनाए और एक विकेट भी गंवा दिया।

दिन के आखिरी ओवर में ऑस्ट्रेलियाई ओपनर सैम कोंस्टास और भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह के बीच बहस हो गयी। बीच-बचाव के लिए अंपायर को आना पड़ा। इसकी अगली बॉल पर बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर दिया। वहीं, भारत के लिए पहली पारी में ऋषभ पंत (40 रन) टॉप स्कोरर रहे। उन्हें मैच के दौरान दो बार ऑस्ट्रेलियाई पेसर मिचेल स्टार्क की बॉल लगी। इस दौरान मैच भी कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। पंत ने अपनी पारी में एक सिक्स लगाया, जो बॉल साइट स्क्रीन पर जा गिरी। इसे उतारने के लिए सीढ़ी का सहारा लेना पड़ा।

विद्यार्थी परिषद एक ऐसा छात्र संगठन है जिससे समाज का हर वर्ग जुड़कर कार्य करना चाहता: संतोष गंगवार

राज्यपाल ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड प्रदेश के तीन दिवसीय रजत जयंती प्रदेश अधिवेशन में हुए शामिल

अधिवेशन एक महामंथन है जहां से शिक्षा क्षेत्र में सुधार हेतु अमृत कलश लेकर सभी कार्यकर्ता अपने-अपने जिले जायेंगे: मनोज सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। के के पॉलिटेक्निक कॉलेज में चल रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड प्रदेश के तीन दिवसीय रजत जयंती प्रदेश अधिवेशन का शुक्रवार को झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष गंगवार, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय मंत्री क्षमा शर्मा, विशिष्ट अतिथि आइएसएम धनबाद के निदेशक प्रो सुकुमार मिश्र, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो, स्वागत समिति के अध्यक्ष रवि चौधरी, स्वागत समिति के मंत्री मुकेश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष डॉ.मौसमी पाल और प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन के द्वारा विधिवत रूप से मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप और पुष्पांजलि अर्पित कर उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक ऐसा छात्र संगठन है जिससे समाज का हर वर्ग जुड़कर कार्य करना चाहता है। मुझे इस बात का अफसोस है कि मैं विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के नाते अपने छात्र जीवन में कार्य नहीं कर पाया लेकिन आज जबकि इस अधिवेशन में अतिथि के नाते उपस्थित होना हुआ है तो गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद राज्य के शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और हम सभी मिलकर शिक्षा क्षेत्र में झारखंड में एक सकारात्मक माहौल स्थापित करने का कार्य करेंगे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय मंत्री क्षमा शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश में कहीं भी जब छात्र हित का हनन होता है तो छात्र समुदाय उम्मीद भरी नजरों से विद्यार्थी परिषद की ओर देखता है। उन्होंने कहा कि आज के वर्तमान दौर में छात्राओं को सशक्त करने के लिए और बंगाल में जिस प्रकार की असामाजिक घटनाएं लगातार बढ़ रही है, उसको देखते हुए छात्राओं को मिशन साहसी के माध्यम से आत्मरक्षा के शिक्षा दी जा रही है। एक-एक कार्यकर्ता अपने सभ्यता अपनी संस्कृति को आत्मसात कर राष्ट्र पुनर्निर्माण के उद्देश्य के लिए एक-एक परिसर में पूरी तन्मयता के साथ लगा रहता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता परिसर में विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार के साथ युवा किस क्षेत्र में अपना करियर चुने इस हेतु वर्ष भर सकारात्मक दिशा में प्रयत्न करते रहते हैं। प्रदेश मंत्री मनोज सोरेन ने कहा कि यह अधिवेशन केवल एक अधिवेशन मात्रा नहीं है बल्कि यह एक महामंथन है, जिसके माध्यम से झारखंड के शिक्षा क्षेत्र में सामाजिक क्षेत्र में सुधार हेतु निष्कर्ष के रूप में अमृत कलश लेकर विभिन्न जिलों से आए युवा तरुणाई अपने-अपने जिलों में जाकर वर्ष भर शिक्षा और सामाजिक सुधार हेतु कार्य करेंगे। उद्घाटन सत्र में मुख्य रूप से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद नायक, क्षेत्रीय संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ला, अखिल भारतीय जनजातीय कार्य प्रमुख प्रमोद राउत, प्रांत प्रमुख डॉ पंकज कुमार, निवर्तमान अध्यक्ष डॉ दीपनारायण जायसवाल, अखिल भारतीय जनजातीय कार्य सह प्रमुख निलेश सोलंकी, प्रदेश संगठन मंत्री निलेश कटारे सहित शिक्षाविद प्रशासनिक जगत के लोग सामाजिक क्षेत्र के लोग के साथ हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

34वें शहादत दिवस पर राज्यपाल ने दी शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा को श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद के जांबाज एसपी अशोक चक्र शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा के 34वें शहादत दिवस पर रणधीर वर्मा चौक में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, राज्यसभा सदस्य दीपक प्रसाद, सांसद धनबाद ढुलू महतो, विधायक धनबाद राज सिन्हा, विधायक झरिया रागिनी सिंह, जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह, उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन सहित अन्य पदाधिकारियों ने शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा के जीवन मूल्यों का आत्मसात करना चाहिए। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा ने स्वामी विवेकानंद के संदेश को जीवंत रखा है। उनकी शहादत ने साबित किया है कि राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जिस तरह से उन्होंने अदम्य साहस और समर्पण से अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए आतंकवादियों से मुकाबला कर उनके षड्यंत्र को नाकाम कर दिया, वह गौरवशाली इतिहास बनकर रह गया। राज्यपाल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने भी बलिदानियों को राष्ट्र का गौरव बताया है। वहीं शहीद रणधीर वर्मा प्रसाद वर्मा मेमोरियल सोसायटी ने इतने सालों से उनकी शौर्य गाथा को जीवंत रखा है, यह अच्छी परंपरा है। यह युवाओं को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यसभा के सदस्य दीपक प्रकाश ने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा पूरे देश के लिए आदर्श है। उन्होंने अपनी जान की कुबार्नी देने में कदम पीछे नहीं हटाये। जब तक इतिहास रहेगा देश उनको याद करते रहेगा। उन्होंने कहा कि शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा समाज की तकलीफ को अपनी तकलीफ समझते थे। उनके व्यक्तित्व में एक अधिकारी के साथ एक संवेदनशील इंसान भी था। समारोह को सांसद ढुलू महतो, विधायक राज सिन्हा, शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा की धर्मपत्नी सह पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री प्रोफेसर रीता वर्मा ने भी संबोधित किया इससे पहले बैंक मोड़ थाना में सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, शहीद रणधीर वर्मा की धर्मपत्नी सह पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री प्रोफेसर रीता वर्मा, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, बैंक मोड़ थाना प्रभारी लव कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) के जांबाज अधिकारी और धनबाद के 41वें पुलिस अधीक्षक शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा 06.08.1989 से 03.01.1991 तक धनबाद के एसपी रहे। उन्होंने 3 जनवरी 1991 को धनबाद के हीरापुर स्थित बैंक ऑफ इंडिया को लूटने आये खालिस्तानी आतंकवादियों से जूझते हुए वीरगति को प्राप्त किया। महामहिम राष्ट्रपति ने उन्हें शौर्य, बहादुरी और बलिदान के लिए वीरता का सर्वोच्च पदक अशोक-चक से सम्मानित किया था। महामहिम उपराष्ट्रपति ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया था। कार्यक्रम में सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, रणधीर वर्मा मेमोरियल सोसायटी के अध्यक्ष किशोर कुमार, आयोजन समिति के संयोजक भृगुनाथ भगत सहित बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

टुंडी झामुमो द्वारा नवबर्ष पर मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन

टुंडी (आजाद सिपाही)। टुंडी प्रखंड मुख्यालय से सटे पर्यटकों के दिलों में राज करने वाला सबसे बेहतरीन पिकनिक स्पॉट सिंदुवारीटांड लगातार अपने सौन्दर्य साज सज्जा को लेकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। प्राप्त समाचार के अनुसार टुंडी झामुमो द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आज शुक्रवार को झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा नेता बाबा मनीर मस्तान की अध्यक्षता में नवबर्ष पर मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड विधानसभा के मुख्य सचेतक सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो पहुंचे जहां अल्पसंख्यक मोर्चा नेता बाबा मनीर मस्तान ने शॉल ओढ़ाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने अपने सभी इंडिया गठबंधन समर्थित कार्यकर्ताओं को नवबर्ष पर बधाई दी और कहा कि आज का दिन बहुत ही खुशी और आनंदमय दिन है आज हम सभी कार्यकर्ता नवबर्ष पर एक दूसरे को बधाई देते हुए इस मिलन समारोह सह वनभोज जैसे महान कार्यक्रमों में उपस्थित हुए इस एकजुटता को बरकरार रखते। मौके पर झामुमो नेता बाबा मनीर मस्तान, अख्तर अंसारी, फूलचंद किस्कू, टुंडी अंचलाधिकारी जितेंद्र प्रसाद, इंस्पेक्टर उमाशंकर, कामेश्वर प्रसाद सिंह, बसंत महतो, अजीमुद्दीन अंसारी, असद कलीम, अनिल राम, बिट्टू गुप्ता, रूस्तम काजी बबलू अंसारी, आनंद महतो, अब्दुल रशीद अंसारी, अनवर अंसारी, शहाबुद्दीन अंसारी, शहजाद अंसारी, इंद्रलाल बास्की, सुनील बेसरा, इम्तियाज अंसारी, शमशेर अंसारी, लोलिन बास्की,संतूलाल किस्कू समेत बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

पहला कदम में पहली बार राज्यपाल संतोष गंगवार का हुआ आगमन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। शुक्रवार को नारायणी चरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जग जीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल पहला कदम में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार का ऐतिहासिक (प्रथम) आगमन हुआ। राज्यपाल के साथ धनबाद सांसद ढुलू महतो, धनबाद उपायुक्त, एसएसपी सर, एडीएम, एसडीएम , सरायढेला प्रभारी समेत अन्य गणमान्य व्यक्तिओ का आगमन हुआ। पहला कदम स्कूल में महामहिम का शंखनाद,पुष्प वर्षा और दीप के साथ तुलसी पौधा देकर भव्य स्वागत किया गया। दिव्यांग बच्चों ने झारखण्ड के लोग गीत और नृत्य की प्रस्तुति दी। राज्यपाल ने पहला कदम का निरीक्षण देख सराहना करते हुए कहा यहां दिव्यांगता के लिए जो अद्वितीय कार्य हो रहा है वह जीवन में कभी न देखा। यहां दिव्यांगों के लिए शिक्षण प्रशिक्षण के साथ साथ रोजगार के अवसर भी दिला उन्हे आत्मनिर्भर बनाना प्रेरणा दायक कार्य है जिसके कदम से कदम मिलाने में समाज के हर वर्ग का सहयोग मिलना चाहिए। राज्यपाल के द्वारा इंडिया थेरेपी सेंटर का भव्य उद्घाटन रिबन काटकर किया गया। इस अवसर पर पहला कदम की चेयरमैन रेनु दूदानी, सचिव अनिता अग्रवाल, सुनीता बंसल, अमरेश सिंह, लखि सोरेंन, प्रतिक अग्रवाल, कौशल अग्रवाल, सोमनाथ पूर्थी तथा सभी शिक्षक उपस्थित थे। राज्यपाल के दिव्यांग बच्चों के लिए अपने अनमोल समय और अमूल्य मार्ग दर्शन के लिए सचिव अनिता अग्रवाल ने आभार प्रकट किया। राज्यपाल ने दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने हेतु सदेव साथ निभाने का वादा कर पुनः मिलने का वादा कर विदा लिये।

अखिल भारतीय किन्नर समाज झारखंड प्रदेश का महाअधिवेशन का खिचड़ी तौल कर हुआ शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। देश की कोयला राजधानी धनबाद में किन्नरों की अधिवेशन की शुरूआत शुक्रवार से हो गयी। इसकी शुरूआत रेशमा मां की खिचड़ी तौलकर शुभ कार्य की शुरूआत किया गया। अधिवेशन में किन्नरों की मंडप में झारखंड प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी पहुंची और कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर सिलीगुड़ी से आयी अलावाया नायक ने कहा की झारखंड में पहली बार हो रही किन्नरों का अधिवेशन में लगातार आना जारी है। प्रथम दिवस के कार्यक्रम शुभारंभ के मौके पर अलाव्य नायक सिलीगुड़ी, बबीता नायक बोकारो, जोधाबाइ नायक, अरुणा नायक रामगढ़, सीमा नायक इंदौर, जकी नायक, प्रेमा नायक, छोटकी नायक, ललन नायक पटना, मुन्नी नायक बेरमो, ज्योति नायक, सांवरिया, गीता नायक आदि शामिल थे।

पर्यावरण संरक्षण श्रम कल्याण संस्था ने मनायी स्व अर्जुन सिंह की 13वीं पुण्यतिथि

धनबाद (आजाद सिपाही)। शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण श्रम कल्याण संस्था की ओर से संस्था के संस्थापक और श्रमिक नेता कुमार अर्जुन सिंह की 13वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। इस मौके पर बरटांड़ स्थित होटल पिंकराज परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गयी। कार्यक्रम में कुमार अर्जुन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। साथ ही कोयलांचल के अमर शहीद रणधीर वर्मा और शहीद श्यामल चक्रवर्ती की स्मृति में भी दो मिनट का मौन रखा गया। इस पुण्यतिथि के कार्यक्रम में उपस्थित हुए विधायक राज सिन्हा, पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, कांग्रेस नेता वैभव सिन्हा, अभिजीत राज, बिन्देश्वरी प्रसाद, डीएसओ धनबाद को संस्था के अध्यक्ष आर पी सिंह एवं सचिव मुकेश सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जरूरतमंदों के बीच सौ कंबल का वितरण किया गया। दरिद्र नारायण भोज भी कराया गया।

आइआइटी आइएसएम में सिविल इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति पर दो दिवसीय कार्यशाला

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। आइआइटी आइएसएम के एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट सेंटर में सिविल इंजीनियरिंग में हालिया प्रगति और सर्वोत्तम प्रथाओं पर कार्यशाला, जिसमें कंक्रीट निर्माण में उच्च-शक्ति वाले सुदृढीकरण बार के उपयोग पर जोर दिया गया है। शीर्षक से दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक उद्घाटन हुआ। जिसमें उद्घाटन दिवस पर चार विशेषज्ञ व्याख्यान दिये गये। प्रो एससी दत्ता ने भूकंप इंजीनियरिंग में क्या करें और क्या न करें विषय पर मुख्य भाषण दिया, जिसमें भूकंप के दौरान संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण विचारों पर जोर दिया। उन्होंने सुरक्षित बियरिंग क्षमता और पाइल क्षमताओं की गणना पर भी चर्चा की। प्रतिभागियों ने प्रो राहुल भारतीया और प्रो प्रणेश रॉय के मार्गदर्शन में कंक्रीट और सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला का दौरा किया और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। मुख्य अतिथि, प्रो सुकुमार मिश्रा, निदेशक, आइआइटी आइएसएम धनबाद, ने उद्घाटन सत्र के दौरान राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के विकास में सिविल इंजीनियरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के विकसित भारत 2047 लक्ष्य को प्राप्त करने में इसकी महत्ता को रेखांकित किया।

आदिवासी गांव तेलो में तीन दिनी सोहराय पर्व

चंद्रपुरा/बेरमो (आजाद सिपाही)। चंद्रपुरा प्रखंड के आदिवासी बहुल गांव तेलो पशिचमी, तेलो मध्य, तेलो पूर्वी पंचायत में सोहराय पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। मांदर की थाप के साथ बरदखुटा और सोहराय पर्व संपन्न हुआ। वही तेलो पशिचमी पंचायत के बदाही गांव में सोहराय पर्व पर पूर्व मंत्री बेबी देवी के भतीजा प्रभाकर महतो, मुखिया जितेंद्र शर्मा, पंचायत समिति सदस्य राजेंद्र महतो, भाजपा तेलो मंडल, अध्यक्ष मेघन महतो, झारखंड नव निर्माण मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष गणेश वर्णवाल, झामुमो नेता योगेंद्र प्रसाद, अर्जुन पंडित, शामिल होकर आदिवासी महिला पुरुषो के साथ मिलकर नृत्य किया।

दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा और रोजगार कार्यक्रम का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

महुदा (आजाद सिपाही)। दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा और विकास बोर्ड, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धनबाद क्षेत्रीय निदेशालय के तत्वावधान में नव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित जागरूकता और निबंधन शिविर का समापन तीन जनवरी को हुआ। यह शिविर एक जनवरी से तीन जनवरी तक आयोजित किया गया था। इस तीन दिवसीय शिविर में 53 लोगों ने निबंधन कराया, जबकि आयुष्मान भारत योजना के तहत 30 आभा कार्ड भी बनाये गये। शिविर में भाग लेने वाले युवाओं को न केवल स्किल्ड और नॉन-स्किल्ड क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गयी, बल्कि नेशनल करियर सर्विस के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय निदेशक चंद्रशेखर विद्या ने युवाओं को करियर सर्विस के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि बड़ी कंपनियां नेशनल करियर सर्विस के रजिस्ट्रेशन करने वाले लड़कों और लड़कियों से संपर्क करती हैं। उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करती हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से ग्रामीण स्वयंसेवक गोविन्द प्रसाद रवानी और सहदेव महतो भी उपस्थित रहे। इस शिविर ने स्थानीय युवाओं को रोजगार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने में अहम भूमिका निभायी।

सीओ ने किया तेलो तरंगा पंचायत के सीएससी केंद्र का जांच

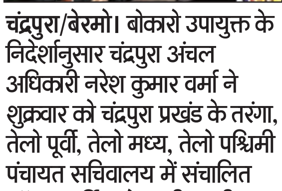

चंद्रपुरा/बेरमो। बोकारो उपायुक्त के निदेर्शानुसार चंद्रपुरा अंचल अधिकारी नरेश कुमार वर्मा ने शुक्रवार को चंद्रपुरा प्रखंड के तरंगा, तेलो पूर्वी, तेलो मध्य, तेलो पश्चिमी पंचायत सचिवालय में संचालित कॉमन सर्विस सेंटर सीएससी का जांच किया। जांच के दौरान जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आवसीय, आधार कार्ड, राशन कार्ड, नया राशन कार्ड, वोटर आइडी कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, स्टाम्प पेपर, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र आदि की रजिस्टर की बराकी से जांच किया। सभी आमजनों से कहा कि आप लोग राशन कार्ड, भारत आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड समेत कोई भी प्रमाण पत्र बनाते है तो सरकारी रेट ही दे। इस दौरान मुखिया जितेंद्र शर्मा, पंचायत समिति सदस्य आदि मौजूद थे।

कांड्रा पंचायत में ठंड से राहत के लिए कंबल वितरण

महुदा (आजाद सिपाही)। बाघमारा प्रखंड के कांड्रा पंचायत सचिवालय में बढ़ती ठंड को देखते हुए कांड्रा पंचायत की मुखिया रिंकू देवी और भाजपा के जिला महामंत्री धनेश्वर महतो ने संयुक्त रूप से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद लाभुकों को कंबल प्रदान कर ठंड से बचाव का उपाय किया। इस दौरान रिंकू देवी और धनेश्वर महतो ने कहा कि इस कड़ाके की सर्दी में गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को राहत मिल सके, इसके लिए यह पहल की गयी है। इस मौके पर पंचायत के कई अन्य सदस्य भी मौजूद रहे और उन्होंने कंबल प्राप्त करने वाले लोगों से अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम के अंतर्गत कई जरूरतमंदों को कंबल दिये गये, जिससे ठंड के प्रभाव से उन्हें कुछ राहत मिली। कार्यक्रम में शामिल होकर लोगों ने मुखिया और भाजपा नेता के इस प्रयास की सराहना की और उनके द्वारा किये गये कार्य को समाज के प्रति सकारात्मक कदम बताया। मौके पर वार्ड सदस्य झालू देवी, नितु देवी, रीता देवी, नितु दास, जामिनी महतो, महेश कुमार गोस्वामी, खगेश्वर महतो उर्फ करमा महतो, लुकमान अंसारी, गोपन कर्मकार, डेगलाल महतो आदि मौजूद थे।

श्यामल चक्रवर्ती का शहादत दिवस धूम धाम से मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। शुक्रवार को सहीद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति और भाकपा-माले जिला कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता स्मारक समिति के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक आनंद महतो ने किया, और संचालन सुभाष चटर्जी ने किया। सर्वप्रथम श्रद्धांजलि सभा में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके बाद सभा स्थल पर शाहिद मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। श्यामल चक्रवर्ती के 34वां शहादत दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में दयामनी बारला उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्मारक समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक आनंद महतो के द्वारा किया गया। उन्होंने स्वागत भाषण में कहा कि शहादत का 34 वर्ष हो चुका है। एक समय में दो शहादत हुआ। शहीद रणधीर वर्मा को परमवीर चक्र मिला, लेकिन श्यामल चक्रवर्ती को आज तक सरकार से कोई सम्मान नहीं मिला। सीपीएम के जिला सचिव संतोष घोष ने सम्मान देने की बात की। स्मारक समिति के कार्यकारी अध्यक्ष सह भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ काशी नाथ चटर्जी ने कहा कि हम श्यामल चक्रवर्ती का 34 वर्ष पूरा होने का शहादत दिवस मना रहे है। मुख्य अतिथि दया मनी बारला ने कहा मुझे आज बहुत खुशी हो रहा है कि आज मैं यहां पर उपस्थित हूं। मैं जल जंगल जमीन का संघर्ष कर रहा हूं, लेकिन यह बहुत बड़ा शहादत है। सरकार को इनको सम्मान जरूर देना चाहिए। हम शोषित वंचित के लिए लगातार संघर्ष कर रहे है, करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं दोनों को शहादत अर्पित करता हु। आज का दिन झारखंड के लिए महत्वपूर्ण दिन है आज झारखंड के खूंटी जिला में जयपाल सिंह का जन्मदिन है, लेकिन आनंद बाबू जो चार बार विधायक रहे वे मुझे आमंत्रण देने आये। उनके सादगी को देखकर मैं बहुत प्रभावित हुं। संघर्ष करने वाले को सम्मान नहीं मिलता है। सीपीएम के पूर्व राज्य सचिव गोपीकांत बक्शी ने भी श्यामल चक्रवर्ती को श्रद्धांजलि अर्पित किया। उन्होंने कहा कि श्यामल चक्रवर्ती एक साधारण व्यक्ति होकर शहादत दिया। किसान नेता 38 दिन से भूख हड़ताल में है कोई सुनने वाला नहीं है। कॉमरेड हलधर महतो ने कहा हम नया वर्ष शहादत दिवस से शुरू करते है। कॉमरेड ए के रॉय नहीं होते तो रणधीर वर्मा को भी सम्मान नहीं मिलता। कॉमरेड रामकृष्ण सिंह ने कहा कि देश जब गुलाम था युवा लोग देश को आजाद करने के लिए आगे आये। भाकपा माले जिला सचिव बिंदा पासवान ने कहा कि देश के लिए गर्व की बात है, एक साधारण आदमी जिन्होंने राष्ट्रीय संपत्ति को बचाने में शहीद हो गये हैं, ऐसे शहीद को हम हमेशा याद रखेंग। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाकपा-माले राज्य कमेटी के सदस्य हरिप्रसाद पप्पू, बिंदा पासवान, कार्तिक प्रसाद, शाहिद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति के सचिव समीर गोस्वामी, नारायण चंद्र मंडल, बदल बाउरी, डोरा मंडल, रेखा मंडल, महतो, देवाशीष पांडे, सुनील महतो, रोहित महतो, चंदन भूमिहार, विश्वजीत राय, संदीप कौशल, वेद प्रकाश सिंह, रवि सिंह, गोपाल महतो, जय कुमार भुइया, राजेश बेरूवा, मनीष यादव, सतनारायण सिंह, करण पासवान, मुक्तेश्वर महतो, सहदेव सिंह, दशरथ ठाकुर, प्रोफेशनल केपि अजीत, मधेश्वरी प्रसाद, रघुनाथ राय, यामल चक्रवर्ती स्मारक मूर्ति पर मालदर्पण विधायक राज ,रागिनी सिंह, पूर्व सांसद प्रोफेसर रिता वर्मा, पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, शेखर अग्रवाल, हरिप्रसाद लाठा, रमेश टुडू, रवींद्र वर्मा, वैभव सिंहा ने किया।

तीन नयी रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखायी गयी और एक नया रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन हुआ

एनआइइएलआइटी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आजाद सिपाही संवाददाता

मालीगांव। रेल संपर्क में सुधार के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप, तीन नयी रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखायी गयी और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे द्वारा निर्मित तेतेलिया स्टेशन यार्ड में एक नया रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) आज गुवाहाटी से राष्ट्र को समर्पित किया गया। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा, रेल, सूचना और प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और भारत सरकार के माननीय विदेश और कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर मौजूद थे, इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर अन्य सांसद/विधायक भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक (निर्माण) अरुण कुमार चौधरी, मुख्यालय और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय सांसद/विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित मंत्रियों की उपस्थिति में नाइलेट और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किये गये और उसका आदान-प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान-नाइलेट, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक प्रमुख संस्थान है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विशिष्ट श्रेणी के तहत एक डीम्ड विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गयी है। रोपड़ में मुख्य परिसर के साथ-साथ अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, कालीकट, इम्फाल, ईटानगर, कोहिमा, गोरखपुर, पटना और श्रीनगर में इसकी 11 घटक इकाइयां यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण, साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी आदि जैसी उभरती डिजिटल तकनीकों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करेगा। पाठ्यक्रम उद्योग के साथ और उद्योग के लिए विकसित किया जायेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि कार्यबल उद्योग की जरूरतों के अनुसार कौशल हासिल करेगा। नयी शुरू की गयी ट्रेनों में ट्रेन नंबर 55818/55817 (गुवाहाटी - न्यू बोंगाईगांव - गुवाहाटी) डेली पैसेंजर, ट्रेन नंबर 15911/15912 (तिनसुकिया - नाहरलागुन - तिनसुकिया) त्रि-साप्ताहिक एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 12047/12048 (गुवाहाटी - उत्तर लखीमपुर - गुवाहाटी) द्वि-साप्ताहिक जन शताब्दी एक्सप्रेस शामिल हैं। हरी झंडी दिखाने के समारोह के दौरान माननीय रेल मंत्री ने कहा कि इन सेवाओं से क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलने और असम और पड़ोसी क्षेत्रों में यात्रियों के लिए यात्रा विकल्पों में सुधार होने की उम्मीद है। आकाशवाणी कोकराझार में एक नये एफएम ट्रांसमीटर का भी उद्घाटन किया गया। इससे धुबरी, बोंगाईगांव और चिरांग जिलों सहित क्षेत्र के 30 लाख से अधिक निवासियों को लाभ होगा, जिससे उन्हें स्पष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले एफएम प्रसारण तक पहुंच प्राप्त होगी। रेल मंत्री ने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि, 2009-14 की अवधि की तुलना में चालू वर्ष के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास कार्य के लिए वार्षिक बजटीय आवंटन में पांच गुना से अधिक की वृद्धि की गयी है।

हरि बाबू कंभमपति ने ओड़िशा के 27वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर में शुक्रवार को गवर्नर हाउस के अभिषेक हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में हरि बाबू कंभमपति ने ओड़िशा के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। कंभमपति ओड़िशा के 27वें राज्यपाल बने। उन्हें ओड़िशा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चक्रधारी शरण सिंह ने शपथ दिलायी। उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय से बीटेक, एमटेक और पीएचडी की पढ़ाई पूरी की है। कॉलेज के दिनों से ही उनकी राजनीति में गहरी दिलचस्पी थी। 1971 में उन्होंने आंध्र प्रदेश जनता पार्टी से अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की।

बाद में 1991 और 1993 में वे पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर बीजेपी में शामिल हो गये। 1999 में वे विशाखापत्तनम निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गये। 2014 में वे उसी निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गये। छह जुलाई, 2021 को उन्हें मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया। 24 दिसंबर को उन्हें ओड़िशा का नया राज्यपाल घोषित किया गया।

वेदांता एल्युमीनियम ने ग्लोबल कॉरपोरेट असेसमेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया

भुवनेश्वर(आजाद सिपाही)। भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादक वेदांता एल्युमीनियम को अपने असाधारण सस्टेनेबिलिटी प्रयासों के लिए मान्यता मिली है, और वैश्विक स्तर पर एल्युमीनियम क्षेत्र के लिए एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। मजबूत पर्यावरण, सामाजिक और शासन (इएसजी) मापदंडों के आधार पर 77 के समग्र स्कोर के साथ, यह उपलब्धि कंपनी के लिए सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस उपलब्धि को और भी उल्लेखनीय बनाने वाली बात यह है कि लगातार चौथे वर्ष, वेदांता एल्युमीनियम इन रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर शीर्ष कंपनियों में शामिल है। एसएंडपी ग्लोबल सीएसए वैश्विक बेंचमार्क के एक बेहद प्रतिष्ठित परिवार का प्रतिनिधित्व करता है जो आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक मानदंडों के आधार पर अग्रणी कंपनियों के प्रदर्शन को ट्रैक करता है। एसएंडपी ग्लोबल ईएसजी स्कोर कंपनी के प्रदर्शन और भौतिक ईएसजी जोखिमों, अवसरों और प्रभावों के प्रबंधन को मापता है, जो कंपनी के खुलासे, मीडिया और हितधारक विश्लेषण, मॉडलिंग दृष्टिकोण और एसएंडपी ग्लोबल सीएसए के माध्यम से गहन कंपनी जुड़ाव के संयोजन से सूचित होता है। वेदांता एल्युमीनियम में, हम मानते हैं कि स्थिरता का मतलब दीर्घकालिक मूल्य बनाना है। यह उपलब्धि 2050 तक नेट जीरो कार्बन प्राप्त करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है और हमें जिम्मेदार और अभिनव प्रथाओं में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रेरित करती है। वेदांता एल्युमीनियम के सीओओ सुनील गुप्ता ने कहा, ह्लहमें स्थिरता में अग्रणी के रूप में पहचाने जाने पर गर्व है, एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट में दूसरा स्थान हासिल किया है। जैसा कि हम 2050 तक नेट जीरो की ओर अपनी यात्रा जारी रखते हैं, हम नवाचार, परिचालन उत्कृष्टता और जिम्मेदार प्रथाओं के माध्यम से दीर्घकालिक मूल्य बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो सभी के लिए अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान करते हैं। वेदांता एल्युमीनियम जिम्मेदारी से उत्पादित, उच्च गुणवत्ता वाले एल्युमीनियम को वैश्विक स्तर पर अधिक सुलभ बना रहा है, जिससे एक हरित, अधिक संधारणीय भविष्य की ओर अग्रसर हो रहा है। वेदांता एल्युमीनियम, वेदांता लिमिटेड का एक व्यवसाय, भारत का सबसे बड़ा एल्युमीनियम उत्पादक है, जो वित्त वर्ष 24 में भारत के आधे से अधिक एल्युमीनियम यानी 2.37 मिलियन टन का निर्माण करता है। भारत में अपने विश्वस्तरीय एल्युमीनियम स्मेल्टर्स, एल्युमीना रिफाइनरी और विद्युत संयंत्रों के साथ, कंपनी हरित कल के लिए 'भविष्य की धातु' के रूप में एल्युमीनियम के उभरते अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के अपने मिशन को पूरा करती है।

भुवनेश्वर में 8 जनवरी से प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन, प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 को समापन समारोह में शामिल होंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर में आठ से 10 जनवरी तक 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 जनवरी को इसका उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन का समापन 10 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इस दिन प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार समारोह भी होगा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू शामिल होंगी। पहली बार आयोजन का जिम्मा संभाल रही ओड़िशा सरकार ने 50 देशों से 3,500 प्रवासियों को बुलाने का लक्ष्य रखा है। तीन दिवसीय सम्मेलन में कुल उपस्थिति लगभग 7,500 लोगों की होगी। ओड़िशा सरकार के गृह विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में डेली रजिस्ट्रेशन की संख्या 150 से अधिक हो गयी है। एक सप्ताह पहले यह संख्या रोजाना केवल 40 से 50 तक थी। 2003 में वाजपेयी ने शुरूआत की थी, 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरूआत की थी। अब तक यह सम्मेलन नयी दिल्ली, मुंबई, कोच्चि, हैदराबाद, जयपुर, चेन्नई, वाराणसी, बेंगलुरु और इंदौर जैसे शहरों में आयोजित किया जा चुका है। 2021 में कोविड महामारी के दौरान इसे वर्चुअल मोड पर किया गया था। 125 करोड़ का बजट भुवनेश्वर पहली बार मेजबानी कर रहा है। इनमें रात का फ्ली मार्केट, आदिवासी मेला, खाद्य महोत्सव, राजरानी संगीत फेस्टिवल, मुक्तेश्वर नृत्य महोत्सव और एकाम्र महोत्सव जैसे प्रमुख आयोजन शामिल हैं। इसके लिए 125 करोड़ का बजट निर्धारित किया था। मेहमानों के लिए मुंबई से पांच डबल डेकर बसें और 10 प्रीमियम बसें मंगवायी गयी हैं। इन बसों के माध्यम से अतिथियों को ओडिशा के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा, जिनमें कलिंग युद्ध स्थली, पुरी जगन्नाथ मंदिर, ब्लू फ्लैग समुद्री तट और कोणार्क के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर सहित कुल 31 प्रमुख स्थल शामिल हैं। भुवनेश्वर को उसकी चारुकला और हस्तकला की अनोखी प्रतिभा दिखाने के लिए पारंपरिक चित्रकला से सुसज्जित किया गया है, और आधुनिक रोशनी से सजाया जा रहा है। इसके अलावा, वस्त्र शिल्प में प्राचीन ओड़िशा की कुशलता प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष हैंडलूम वाकाथन का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में कई मॉडल पारंपरिक वेशभूषा पहनकर पूरे शहर की परिक्रमा करेंगे। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स की ओड़िशा शाखा के चेयरमैन गगन सारंगी ने बताया कि राज्य के अधिकांश टूर और ट्रैवल पार्टनर्स ने सम्मेलन के दौरान कैब और वेकेशन स्टे की बुकिंग में वृद्धि की पुष्टि की है। उन्होंने यह भी अनुमान लगाया कि जैसे-जैसे सम्मेलन की तारीख नजदीक आयेगी, इन बुकिंग्स की संख्या और अधिक बढ़ने की संभावना है। बढ़-चढ़ कर हो रहा रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकरण अनुरोध मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के भारतीय निवासियों से प्राप्त हुए हैं। इसके बाद खाड़ी देशों और यूरोप सहित 50 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने भी इस आयोजन में रुचि दिखायी है। पंजीकरण कराने वाले ठफक्र में केरल, महाराष्ट्र, और उत्तर प्रदेश के मूल निवासी प्रमुख हैं। ओड़िशा से भी एक बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीयों ने हिस्सा लेने की इच्छा जतायी है। भुवनेश्वर में आयोजित हो रहा यह 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'पूर्वोदय मिशन' के साथ पूरी तरह संरेखित है। इन योजनाओं का उद्देश्य भारत के पूर्वी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और उनकी निवेश क्षमता को उजागर करना है। ओड़िशा की 482 किमी लंबी तटरेखा दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के सामने एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की अगुवाई में हो रहा यह एनआरआइ सम्मेलन ओड़िशा सरकार के लिए पर्यटन, बंदरगाह-आधारित बुनियादी ढांचे और अन्य क्षेत्रों में बड़े निवेश आकर्षित करने का एक सुनहरा अवसर है।

जेकेबीके महाविद्यालय के 1995 बैच के छात्रों ने गर्म कपड़े और कंबल दिये

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। नये साल के अवसर पर कटक स्थित राष्ट्रीय कवि वीर किशोर (जेकेबीके) महाविद्यालय के 1995 के बैच के पूर्व छात्रों ने याजपुर जिला अंतर्गत समीआ पंचायत के अंतर्गत भालूमरा गांव के निवासियों को हाथ से बनी गर्म कंबल और अन्य गर्म सामग्री का वितरण किया। इस वितरण कार्यक्रम में वैद्यनाथ राउत, ज्ञानरंजन महांति, मुरली बेहरा, उमेश साहू, जगन्नाथ सुआर, देवेंद्र परिडा, सुरेश राउत, स्मिता बिश्वोई, सस्मिता साहू, शिवानी महांति, रंजन दित तथा 1987 के पूर्व छात्र सेनहाई श्रीयुक्त संक देओ, उपदेष्टा श्रीमती स्निग्धा कानूनगो, हरिकृष्ण भोला, बसंत कुमार लेंका प्रमुख रूप से उपस्थित थे। गांववासियों को आने वाले दिनों में अधिक सहानुभूतिपूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। अंत में श्री सनातन खटुआ बैच के उपस्थित सभी बंधुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। भालूमरा गांव के गरीब लोग ठंड से सुरक्षा पाने के लिए वितरण सामग्री पाकर आनंद और उल्लास के साथ मोहित हो गये और सभी भद्र व्यक्तियों को धन्यवाद अर्पित किया।

POPKORN cinemas
Now Showing
SUJATA PICTURE PALACE
Schedule For 03rd Jan., 2025 onwards!

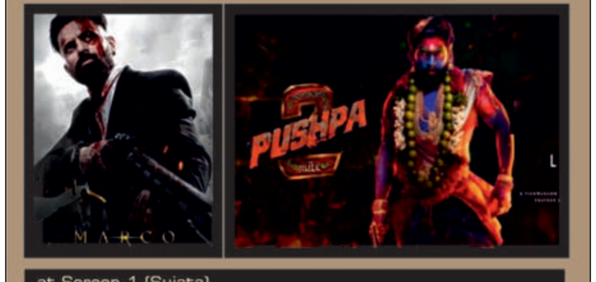

at Screen-1 (Sujata)	
Pushpa: The Rule-Part 2	: 11.00, 2.45, 6.30
at Screen-2 (Miniplex)	
Pushpa: The Rule-Part 2	: 3.45
Marco	: 12.00, 7.30
at Popkorn Cinemas	
Marco	: 11.00, 1.45, 8.00
Pushpa: The Rule-Part 2	: 11.30, 3.15, 4.30, 7.00

*Due to security reasons, only mobiles, wallets & ladies handbags allowed. Patrons are requested to reach the cinema 30 mins before the start of the show to avoid any inconvenience.
*All above information is subject to change without prior notice.

FURNITURE PLANET
A Unit of Supreme Techno (India)
Manufacturing Unit of
Revolving Chairs, Office Sofa and Restaurant Furniture

LARGEST SHOWROOM IN JHARKHAND
Web: www.supremetechnoindia.com
Add.: Opp. Hanuman Dharamkanta, Kokar, Ranchi
9570040095, 9570007788

खोरधारोड रेलवे स्टेशन पर मल्टी ब्रांडेड रेल कोच रेस्टोरेंट

रेलवे स्टेशन पर खानपान का एक अनोखा अनुभव

आजाद सिपाही संवाददाता

खोरधारोड। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को खानपान का अनोखा अनुभव प्रदान करने के लिए एक अभिनव पहल के तहत, खोरधारोड रेलवे स्टेशन पर एक 'मल्टी ब्रांडेड रेल कोच रेस्टोरेंट' खोला गया है। यात्री अब इस खूबसूरती से डिजाइन किये गये रेलवे कोच के अंदर भोजन कर सकते हैं या खोरधारोड रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने से पहले टेकअवे ऑर्डर कर सकते हैं। रेल कोच रेस्तरां चार प्रसिद्ध ब्रांडों अर्थात पिज्जा हट, वाउ मोमोज, नेस्कैफे और नरूला स्वीट्स और कुल्फी का स्वादिष्ट शाकाहारी और मांसाहारी भोजन परोसेगा। रेल कोच रेस्तरां का उद्घाटन पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन, खोरधारोड की अध्यक्ष गुरसिमरन कौर ने पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्ष मधुलिका मंडल और पूर्व तट रेलवे महिला कल्याण संगठन, खोरधारोड की अन्य सदस्यों की उपस्थिति में किया। रेलवे स्टेशन के सौंदर्य को निखारने के लिए एक पुराने रेलवे कोच में बना यह अनोखा रेस्तरां रेलवे स्टेशन की खूबसूरती को बढ़ा रहा है। अप्रयुक्त रेल कोच के इंटीरियर को एयर कंडीशनर, गर्म रोशनी और शानदार सजावट के साथ आरामदायक और परिष्कृत माहौल प्रदान करने के लिए सुरुचिपूर्ण ढंग से संशोधित किया गया है, जो हर निवाले को खास महसूस कराता है। कोच रेस्टोरेंट में 56 लोग भोजन कर सकते हैं और कोच के बाहर सेल्फ सर्विस क्षेत्र में दस से अधिक लोग भोजन कर सकते हैं। यह कोच रेस्तरां सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक खुला रहेगा, और यात्रियों और स्थानीय लोगों की जरूरत के हिसाब से इसके खुलने का समय बढ़ाया जायेगा। पूर्व तट रेलवे के खोरधारोड मंडल की अगुआइ में शुरू की गयी। इस पहल से न केवल यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा, बल्कि रेलवे के बुनियादी ढांचे का रचनात्मक उपयोग कर के अतिरिक्त राजस्व भी अर्जित किया जा सकेगा। मंडल आने वाले दिनों में मंडल के कुछ और महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर भी ऐसे रेल कोच रेस्टोरेंट खोलने की योजना बना रहा है।

प्रकाशित
झारखंड अधिविद्य परिषद, राँची द्वारा आयोजित वर्ग-XI की बोर्ड परीक्षा - 2025 के लिए JCERT, राँची द्वारा जारी नये संशोधित पाठ्यक्रम (बहुविकल्पीय प्रश्न) पर पूर्णतः आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी प्रश्नों का उत्तर सहित संकलन
वर्मा प्रेस प्रा० लि०, राँची द्वारा

All Subjects Combined in ONE BOOK
Arts Subject: Hindi (Core), English (Core), Hindi (Elective), English (Elective), Economics, History, Political Science, Geography, Sociology, Psychology, Philosophy and Home Science
Science Subject: Hindi (Core), English (Core), Economics, Physics, Chemistry, Mathematics, Biology and Computer Science
Commerce Subject: Hindi (Core), English (Core), Economics, Accountancy, Business Studies, Commercial Arithmetic, Entrepreneurship and Computer Science
विज्ञान विषय: हिन्दी (कोर), अंग्रेजी (कोर), अर्थशास्त्र, भौतिकी, रसायन, गणित, जीवविज्ञान एवं कम्प्यूटर साइंस
कृपया पुस्तक की Cover पर VERMA PRESS PVT. LTD. का Logo और Address देखकर ही पुस्तक खरीदें।
मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!
VERMA PRESS PVT. LTD.
4, R. G. STREET, THARPAKHNA
RANCHI (JHARKHAND) - 834 001
100% सफलता के लिए अवश्य पढ़ें!

JOB VACANCY
सुनहरा अवसर महिलाओं के लिए
एक बड़ी Reputed Company में राँची के लिए Jobs Opportunity है जिसके लिए निम्न योगयताएँ अनिवार्य है :-
- Only Female.
- Age 30 to 45 Years.
- Minimum Qualification Graduation
- Married only.
- Experience को वरियता

Post Applied For
Life planning Officer (LPO)
Fixed Salary : Rs. 12000 to 17000 (Monthly)
+Incentive, PF, Gratuity, Medical & Bonus
Eligible Candidates are request to contact immediately with resume & Photograph on below Contact.
Vacancy सिमित है..
ONLY 10 LEFT HURRY UP
नोट : 29 साल से कम एवं 45 साल से उपर उम्र वाले व्यक्ति सम्पर्क न करें।
Address : 2nd Floor, R.S. Tower, Lalpur, Ranchi
M.: 7004800036, 9905678089 (W)

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**